बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
रविवार 31 अगस्त 2025
भाद्रपद शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 337
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

आसाराम 235 दिन बाद फिर जेल में

जोधपुर। नाबालिग से रेप के मामले में सजा काट रहे आसाराम ने शनिवार को जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया है। राजस्थान हाईकोर्ट ने 27 अगस्त की सुनवाई में उसकी अंतरिम जमानत आगे बढ़ाने से मना कर दिया था। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने फैसले में कहा था कि मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार आसाराम की तबीयत स्थिर है। उसे हॉस्पिटल में भर्ती होने या लगातार चिकित्सा देखभाल की जरूरत नहीं है। आसाराम को 7 जनवरी 2025 में 12 साल के बाद पहली बार जमानत मिली थी।

संसद में लगेंगे पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए

नई दिल्ली। संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए लगाए जाएंगे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की। मंदिर समिति ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे। मंदिर समिति की तरफ से उनको यह प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यह तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र के रथों से निकाले जाएंगे। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष, देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन और भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज कहलाता है। इन तीन रथों के एक-एक पहिए दिल्ली भेजे जाएंगे। इससे ओडिशा की संस्कृति और विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाएगा।

मंदिरों के फंड से शादी हाल बनाने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

चेन्नई। मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार के आदेश में कहा गया था। मंदिरों में जो फंड जमा है। उस फंड से स्थानीय आधार पर शादी हाल बनाने की अनुमति दी गई थी। सरकार की इस अनुमति के खिलाफ पांच अलग-अलग मंदिर ट्रस्ट ने हाईकोर्ट की शरण ली। जस्टिस एसएम सुब्रमण्यम और जस्टिस जी अरुल मरुगन की खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। खंडपीठ ने कहा कि तमिलनाडु सरकार का फैसला 1959 के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्त एक्ट और उसके नियमों का उल्लंघन है। मंदिर के फंड से शादी हाल बनाने को धार्मिक उद्देश्य नहीं माना जा सकता है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कहा, हिंदू विवाह भले ही संस्कार के अंतर्गत आता है। शादी के अनुबंध को धार्मिक क्रियाकलाप नहीं माना जा सकता है। खंडपीठ ने कहा, मंदिर के फंड का उपयोग केवल धार्मिक उद्देश्यों, पूजा पाठ और मंदिरों के रखरखाव के लिए किया जाना चाहिए। मंदिर में जमा फंड सार्वजनिक राशि नहीं है। तमिलनाडु सरकार ने जो अनुमति दी है।

राहुल गांधी बोले...

'वोटर अधिकार यात्रा' की क्रांति पूरे देश में फैलेगी

आरा। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को देशवासियों के अधिकार और भविष्य की भी चोरी बताते हुए कहा कि बिहार से शुरू हुई 'वोटर अधिकार यात्रा' की क्रांति अब पूरे देश में फैलने जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'वोटर अधिकार यात्रा' के 14वें दिन शनिवार को बिहार के आरा में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, सीपीआई (एमएल) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, वीआईपी संस्थापक मुकेश सहनी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के साथ विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

खुली जीप में सवार राहुल गांधी पर लोगों ने किया फूलों की वर्षा

इससे पूर्व यात्रा के दौरान खुली जीप में सवार राहुल गांधी को देखने के लिए हर जगह हजारों लोग घंटों सड़कों पर इंतजार करते रहे। स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी दिखाते हुए फूलों की वर्षा के साथ यात्रा का स्वागत किया। नज़ारा ऐसा था कि सड़कों पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी। छोटे-छोटे बच्चे भी 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगा रहे थे।

युवाओं से अवसर छीन रही है सरकार

लोगों के भारी हुजूम के बीच राहुल गांधी ने कहा कि यह सरकार पब्लिक सेक्टर का निजीकरण करके और अग्निवीर जैसी योजनाएं लाकर युवाओं से अवसर छीन रही है।

भाजपा को बिहार से बाहर कीजिए, वोट का अधिकार छीन रही

बिहार में एसआईआर के विरोध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के द्वारा निकाले गए मतदाता अधिकार यात्रा के अंतिम चरण में समाजवादी पार्टी प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव भी शामिल हुए। साथ ही राहुल गांधी के साथ तेजस्वी यादव, उनकी बहन रोहिणी आचार्या, भाकपा-माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी समेत कई नेता मौजूद थे। आपको बता दें कि मतदाता अधिकार यात्रा बिहार के सासाराम से शुरू होकर 14वें दिन यानी शनिवार को आरा पहुंची।

भाजपा और चुनाव आयोग को राहुल ने घेरा

राहुल गांधी ने वोट चोरी के जरिए संविधान पर किए जा रहे आक्रमण को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग को पुरज़ोर तरीके से घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव के साथ-साथ महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव भी चोरी किए। उन्होंने एसआईआर का ज़िक्र करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन बिहार में वोट चोरी नहीं होने देगा।

यह क्रांति अब यह पूरे देश में फैलने जा रही है

यात्रा को मिल रहे भारी जनसमर्थन से उत्साहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार से क्रांति शुरू होती है और जनता ने दिखाया कि इस बार भी बिहार से ही 'वोटर अधिकार यात्रा' की क्रांति शुरू हुई और अब यह पूरे देश में फैलने जा रही है।

वे चाहते हैं गरीबों की आवाज़ देश में न सुनी जाए

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने अपने चिर परिचित अंदाज में एक बार फिर ये दोहराया कि नरेंद्र मोदी की सरकार अडानी-अंबानी की सरकार है। इसीलिए वह चाहती है कि गरीबों की आवाज़ देश में न सुनी जाए। लेकिन इंडिया गठबंधन ऐसा नहीं होने देगा। पूरे देश में गरीबों की आवाज़ गूंजेगी और सुनी जाएगी। बिहार में एक वोट भी चोरी नहीं होने दिया जाएगा।

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता और सरकारी प्रतिनिधिमंडल के बीच बातचीत बेनतीजा, मनोज जारंगे बोले

मराठवाड़ा के मराठों को कुनबी घोषित कर तुरंत आरक्षण दे सरकार

मुंबई। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल से कहा कि सरकार को मराठवाड़ा के सभी मराठों को कुनबी घोषित करना चाहिए और उन्हें आरक्षण देना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार दोपहर दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में जरांगे से मुलाकात की। वह मराठा समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं।

जरांगे ने कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश शिंदे की अध्यक्षता वाली समिति ने पिछले 13 महीनों से इस मुद्दे से संबंधित राजपत्रों का अध्ययन किया है। अब समय आ गया है कि पैनल अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे, ताकि मराठों को कुनबी का दर्जा मिल सके। जरांगे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि मराठों को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। कुनबी एक कृषि प्रधान जाति, जो ओबीसी श्रेणी में शामिल है, जिससे वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के पात्र बनेंगे। जारंगे ने कहा कि मराठवाड़ा में मराठों को कुनबी घोषित किया जाना चाहिए। उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसके लिए, हैदराबाद और सतारा राजपत्रों को कानून बनाया जाना चाहिए। जवाब में सेवानिवृत्त न्यायाधीश शिंदे ने कहा कि उन्हें ऐसी रिपोर्ट देने का अधिकार नहीं है। शिंदे ने कहा कि यह पिछड़ा वर्ग आयोग का काम है। उन्होंने आगे कहा कि जाति प्रमाण पत्र व्यक्तियों को दिया जाता है, पूरे समुदाय को नहीं। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संदीप शिंदे तत्कालीन एकनाथ शिंदे सरकार की ओर से सितंबर 2023 में मराठा समुदाय के सदस्यों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने की पद्धति तय करने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष हैं। समिति को पूर्ववर्ती हैदराबाद और बॉम्बे राज्यों के अभिलेखों का अध्ययन करने के लिए कहा गया था, जहां मराठों का उल्लेख कभी-कभी कुनबी के रूप में किया जाता है। शुरुआत में मराठवाड़ा क्षेत्र के लिए नियुक्त इस समिति का दायरा बाद में पूरे राज्य तक बढ़ा दिया गया।

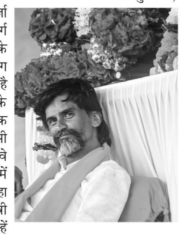

बिहार में एसआईआर का समय बढ़ाने सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक याचिका दाखिल की गई है। यह याचिका राजद और एआइएमआइएम की ओर से दायर की गई है। याचिका में कहा गया है, विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दावे और आपत्तियां बड़ी संख्या में दायर की जा रही हैं। इनकी सुनवाई में काफी वक्त लगेगा। ऐसी स्थिति में एसआईआर की समय सीमा बढ़ाई जाए।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जाय माल्या बागची तथा जस्टिस विपुल पंचोली की खंडपीठ ने याचिका को स्वीकार करते हुए सोमवार को याचिका पर सुनवाई करने सूचीबद्ध किया है।

धनखड़ ने पूर्व विधायक की पेंशन के लिए किया आवेदन

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब पूर्व विधायक के नाते मिलने वाली पेंशन के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में फिर से आवेदन किया है। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। पूर्व विधायक के तौर पर उन्हें जुलाई 2019 तक पेंशन मिल रही थी। जुलाई 2019 में पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद पेंशन बंद हो गई थी। अब उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद उन्होंने पूर्व विधायक के नाते फिर से आवेदन किया है। धनखड़ ने 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था।

विधानसभा सचिवालय ने धनखड़ की पेंशन आवेदन पर प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्हें उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा मंजूर होने की तारीख से पूर्व विधायक की पेंशन मिलनी शुरू होगी। विधायक का कार्यकाल पूरा होते ही पूर्व विधायक की पेंशन चालू हो जाती है। पूर्व विधायक अगर किसी भी सरकारी पद पर मनोनीत हो जाते हैं या मंत्री बन जाते हैं तो विधानसभा सचिवालय को इसकी तय फॉर्मेट में सूचना दी जाती है। इसके बाद पेंशन बंद हो जाती है। सरकारी पद से कार्यकाल पूरा होने के बाद विधानसभा सचिवालय को तय फॉर्मेट में आवेदन कर सूचना देनी होती है। इसके बाद पेंशन फिर शुरू हो जाती है। जगदीप धनखड़ ने भी उसी प्रक्रिया के तहत आवेदन किया है।

राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती...

याचिकाकर्ता शिशर को सुरक्षा दें केंद्रीय गृह मंत्रालय

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाले एस. विग्नेश शिशर को सुरक्षा देने के आदेश केंद्रीय गृह मंत्रालय, सरकार को दिया हैं। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है कि प्रथम दृष्ट्या हम इससे संतुष्ट हैं कि मामले में विचार की आवश्यकता है, क्योंकि याची ने एक अत्यधिक शक्तिशाली व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमे कर रखे हैं, और इसके बाद लगातार धमकियां मिल रही हैं और उस रायबरेली पुलिस के समक्ष स्वयं द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के सिलसिले में उपस्थित भी होना है। इसके साथ न्यायालय ने गृह मंत्रालय व आईबी तथा अन्य से जवाब तलब किया है। अगली सुनवाई 9 अक्तूबर को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा व न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने शिशिर की याचिका पर पारित किया। याची की ओर से दलील दी गई कि राहुल गांधी के विरुद्ध जून 2024 में सीबीआई के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी जिसकी विवेचना एंटी करप्शन को स्थानांतरित कर दी गई।

कहा गया कि उक्त विवेचना के दौरान याची कई बार जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित हुआ तथा साक्ष्य उपलब्ध कराए। याची ने दावा किया कि इसी वर्ष मई के दूसरे सप्ताह में यूके से उस राहुल गांधी के ब्रिटिश पासपोर्ट की प्रति उपलब्ध कराई है। इसके पश्चात 26 जुलाई 2025 को शिशर ने राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने संबंधी प्रार्थना पत्र एसपी, रायबरेली को भेजा है, इसके तहत 19 अगस्त 2025 को रायबरेली पुलिस ने शिशर को नोटिस जारी करते हुए, जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने को कहा है।

याची ने कोर्ट के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर दलील दी कि उसने राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता सिद्ध करने वाले दस्तावेज भी जांच एजेंसी को सौंप दिए, जिसमें 21 अगस्त 2003 को यूके में इनकॉर्पोरेट हुई कंपनी बैकऑप्स के दस्तावेज भी शामिल हैं, उक्त दस्तावेजों के अनुसार राहुल गांधी ने खुद को ब्रिटिश नागरिक व उक्त कंपनी का डायरेक्टर बताकर अपना पता 2, फ्रॉगनेल वे, लंदन बताया है। याची ने दावा किया कि उसने केरल के वायनाड में उप चुनाव के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा के उम्मीदवारी के विरूद्ध भी शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन उसकी शिकायत पर संज्ञान नहीं लिया गया लिहाजा वह उनके सांसद चुने जाने के विरुद्ध अधिकार पृच्छा याचिका दाखिल करने वाला है।

कई देशों की करेंसी, 8 आधार कार्ड, 16 वोटर आईडी कार्ड..आंतकी फंडिंग का कनेक्शन

मुख्य आरोपी आलोक को तलाश रही पुलिस

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा से फिर चौंकाने वाला मामला सामने आया। यहां साइबर कैफे चलाने वाले भूषण चौधरी के ठिकाने पर छापेमारी के दौरान पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी। पुलिस ने मौके से कई देशों की करेंसी, पासबुक, विदेशी घड़ी, 8 आधार कार्ड, 8 ड्राइविंग लाइसेंस, 16 वोटर आईडी कार्ड, 6 श्रम कार्ड, 4 बैंक पासबुक, एक चेक बुक और 9 स्कैनर बरामद हुए है। इतना ही नहीं, कई अहम दस्तावेज भी पुलिस के हाथ लगे हैं जो मामले को और पेचीदा बना रहे हैं।

मामला तब और गंभीर हुआ जब पता चला कि भूषण चौधरी का बेटा गोलू कुमार पहले ही यूपी पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है। गोलू पर आरोप है कि वह आतंकी फंडिंग से जुड़ी गतिविधियों में शामिल था। यूपी पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद गोलू को अपने साथ ले जाकर पूछताछ शुरू कर दी है। अब मोतिहारी पुलिस भी गोलू को रिमांड पर लेने की तैयारी में है, ताकि फंडिंग नेटवर्क का पूरा कनेक्शन सामने आ सके।

सूत्रों के मुताबिक, पूरे मामले का मास्टरमाइंड आलोक कुमार नामक शख्स है, जिसकी तलाश अब पुलिस कर रही है। बताया जा रहा है कि आलोक ही पूरे नेटवर्क को ऑपरेट कर सीमावर्ती इलाके से आतंकी संगठनों तक फंडिंग पहुंचाने का काम करता था। भारत-नेपाल बॉर्डर हमेशा से संदिग्ध गतिविधियों का गढ़ रहा है। सीमा खुली होने की वजह से तस्करी, नकली नोट और अब आतंकी फंडिंग तक के मामले सामने आ रहे हैं। हाल ही में कई खुफिया एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया था कि नेपाल की ओर से जैश-ए-मोहम्मद और अन्य आतंकी संगठनों के लिए फंडिंग चैनल तैयार किए जा रहे हैं। इस बरामदगी ने उस आशंका को मजबूत किया है। हालांकि मोतिहारी पुलिस ने मामले की पुष्टि करते हुए बरामदगी की जानकारी दी है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस की नजर अब उन दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर है, जिससे कई राज खुल सकते हैं।

एनकाउंटर में मारा गया समंदर चाचा उर्फ ह्यूमन जीपीएस...

जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में करवा चुका था आतंकियों की 100 घुसपैठ

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की। एनकाउंटर में बागू खान उर्फ समंदर चाचा मारा गया है, जिसे आतंकियों की दुनिया में ह्यूमन जीपीएस कहा जाता था। सूत्रों के मुताबिक, समंदर चाचा के साथ एक और पाकिस्तानी घुसपैठिया भी ढेर हुआ है।

बागू खान उर्फ समंदर चाचा 1995 से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में रह रहा था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, वो पिछले तीन दशकों से गुरेज सेक्टर और आसपास के इलाकों से 100 से ज्यादा घुसपैठी प्रयासों को अंजाम दिलाने में शामिल रहा, जिनमें से ज्यादातर सफल रहे। इलाके के कठिन पहाड़ी और गुप्त रास्तों की गहरी जानकारी उसे आतंकी संगठनों के लिए बेहद खास बनाती थी।

आतंकी संगठनों की करता था मदद

हालांकि, वो हिजबुल कमांडर था, लेकिन समंदर चाचा सिर्फ एक आतंकी संगठन तक सीमित नहीं था। उसने लगभग हर आतंकी संगठन को घुसपैठ की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद की। इसी वजह से आतंकी उसे ह्यूमन जीपीएस कहकर बुलाते थे। सूत्रों ने बताया कि 28 अगस्त की रात जब वो नौशेरा नार इलाके से एक और घुसपैठ की कोशिश कर रहा था, तभी सुरक्षा बलों ने उसे घेर लिया। मुठभेड़ में समंदर चाचा और उसके साथ मौजूद एक और आतंकी मारा गया। अगले दिन यानी 29 अगस्त की सुबह तक इलाके में गोलीबारी और तलाशी अभियान जारी रहा।

कुछ ना कहना

पीएम मोदी पहुंचे चीन एयरपोर्ट पर हुआ शानदार स्वागत

आरसीबी पीड़ित परिवार को 25-25 लाख देगा

4 जून को विक्ट्री परेड में हुई थी 11 लोगों की मौत

चेन्नई। आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 4 जून की विक्ट्री परेड में जान गंवाने वाले सभी 11 लोगों के परिवार को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा - टीम मुश्किल समय में सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। यह मदद उनके जीवन को थोड़ा संबल देने के लिए की जा रही है।

आरसीबी की टीम इस साल पहली बार आईपीएल चैंपियन बनी। इसके बाद 4 जून को बेंगलुरु में विक्ट्री परेड रखी गई थी। इस परेड में भगदड़ मच जाने की वजह से 11 लोग मारे गए थे और 50 से ज्यादा घायल हो गए थे। 17 जुलाई को कर्नाटक सरकार की जांच रिपोर्ट में आरसीबी को हादसे का जिम्मेदार माना गया था। इसमें विराट कोहली का भी जिक्र था। कहा था कि आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित विक्ट्री परेड के लिए परमिशन नहीं ली थी। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा था कि आयोजन को अचानक रद्द करने से हिंसा भड़क सकती थी और शहर में कानून-व्यवस्था बिगड़ जाती।

संभाग स्तरीय कराते प्रतियोगिता का समापन आज

बालाघाट, सहित 7 जिलों के टीम हुई शामिल, उत्कृष्ट स्कूल सभागार में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का किया जा रहा चयन, 15 सितंबर से इंदौर में आयोजित होंगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे बालाघाट जिले में हाल ही में नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। तो वही अब कराते के क्षेत्र में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करने की जिम्मेदारी भी बालाघाट जिले को सौंपी गई है।जिसके तहत बालाघाट नगर में 30 से 31 अगस्त तक दो दिवसीय संभाग स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें 14-17 व 19 आयु वर्ग के कराते खिलाड़ियों के बीच संभाग स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न कराई जा रही है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए शनिवार को नगर के उत्कृष्ट विद्यालय सभागार में जबलपुर संभाग सहित 7 जिलो की टीम के खिलाड़ी बालाघाट पहुँचे, जिनके बीच आपसी प्रतियोगिता कराकर, उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जा रहा है।रविवार को इस सम्भाग स्तरीय प्रतियोगिता के समापन के साथ ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों के नामो की घोषणा भी कर दी जाएगी।चयनित खिलाड़ी 15 सितंबर से इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मप्र टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चयन प्रक्रिया में देखा जा रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

नगर के उत्कृष्ट विघालय सभागार में आयोजित इस दो दिवसीय संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में चयन प्रक्रिया के दौरान 14 वर्ष ,17 वर्ष और 19 वर्ष के खिलाडि़यों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन कर तीनों वर्गों की अलग-अलग टीमें बनाई जा रही है।बताया गया कि चयनित खिलाड़ियों को इंदौर में 15 सितंबर से आयोजित राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में खेलने का अवसर प्रदान किया जाएगा।वही इस आयोजन से जिले के खिलाडियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचने का अवसर मिलेगा।

विभिन्न प्रतियोगिता के आयोजन का मौका मिलने से जिले का नाम हो रहा रौशन

शनिवार को इस संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बालाघाट के अलावा सिवनी, छिंदवाड़ा, कटनी, मण्डला ,जबलपुर, नरसिंगपुर जिले से आए है।जहा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए कराते खिलाड़ियों की चयन प्रतियोगिता स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार मे कराई जा रही है।इस चयन प्रक्रिया में खिलाडियों ने एक से बढ़कर एक प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चयनित खिलाड़ी मप्र टीम का प्रतिनिधित्व आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे।खेल प्रेमियों का मानना है कि लगातार नेशनल व संभागीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन बालाघाट को प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के खेल मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिला रहा है। जिले के युवा खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे बालाघाट का नाम रोशन हो रहा है।

15 सितंबर से इंदौर में होंगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता- गोस्वामी

प्रभारी जिला क्रीड़ा इकाई श्री गोस्वामी ने बताया कि लोक शिक्षण संचानालय के निर्देशों के अनुसार इसके पूर्व उत्कृष्ट स्कूल सभागार में जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित उस प्रतियोगिता में 14,17 व19 वर्ष के खिलाड़ियों का चयन उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर किया गया था।अलग अलग सभी वर्षो में खिलाड़ियों का चयन कर टीम का गठन किया गया था।उसी तरह प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी टीम गठित की गई थी।जिन खिलाड़ियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता में किया गया था।उनकी 2 दिवसीय प्रतियोगिता शनिवार व रविवार को कराई जा रही है।इस सम्भाग स्तरीय प्रतियोगिता में 7 जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है।जिनके खेल प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जा रहा है जो 15 सितंबर से इंदौर में आयोजित की जाएगी।उन्होंने आगे बताया कि ऐसे आयोजनों से खिलाडियों को न सिर्फ प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है।कराते जैसे अनुशासन प्रधान खेल के माध्यम से युवा वर्ग में खेल भावना, आत्मरक्षा की कला और बेहतर भविष्य की संभावनाएँ भी विकसित हो रही है।कल संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के समापन के साथ ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए तीनो वर्गों में चयनित खिलाड़ियों के नामो की भी घोषणा कर दी जाएगी।

कीटनाशक दवाई की प्रभाव में आने से कृषक अस्वस्थ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भालवा में इसी ग्राम का एक व्यक्ति कैलाश पिता सुखराम बोरकर 30 वर्ष खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय चक्कर आने से अस्वस्थ हो गया जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलाश बोरकर अपने परिवार के साथ खेती किसानी मजदूरी करते हैं 30 अगस्त को 4:00 बजे करीब कैलाश बोरकर अपने खेत कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए गए थे की खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय कैलाश बोरकर को अचानक चक्कर आने लगा और वह अपने घर पहुंचा और घर वालों को बताया कैलाश बोरकर को उसकी पत्नी अभिलाषा बोरकर ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती की है।

15 दिनों से चल रही मनरेगा अभियंता की हड़ताल

पंचायत में विकास कार्य हुए अवरुद्ध, सरकार ने अभी तक नहीं लिया मनरेगा अभियंता की हड़ताल पर संज्ञान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।मनरेगा अभियंता संघ की बीते दिनों से चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल से अब ग्राम पंचायत में पूरी तरह से विकास कार्य रुक चुके हैं ।जल गंगा अभियान के तहत किए जाने वाले कार्य और कई अन्य कार्य इन दिनों पूरी तरह से प्रभावित हो गए हैं ।15 दिनों से चल रही इस हड़ताल के बाद भी अभी तक मनरेगा अभियंता की मांगों पर सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है ।अब मनरेगा अभियंता विरोध स्वरूप जिला प्रशासन की उपस्थिति में रक्तदान करने की रणनीति बना ली है। आपको बता दे की मनरेगा अभियंता द्वारा अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर 16 अगस्त से विरोध स्वरूप 10 दिन का अवकाश लिया था , उसके बाद भी सरकार से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिलने के बाद प्रदेश स्तर के आवाहन पर जिले भर के मनरेगा अभियंता अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। आज 15 दिन बीत जाने के बावजूद भी मनरेगा अभियंताओं की मांगों पर सरकार ने कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। इसके बाद अब मनरेगा अभियंता अलग-अलग विरोध स्वरूप प्रदर्शन करने की तैयारी में उतर रहे हैं। जिसमें जिला मनरेगा अभियंता संघ के जिला अध्यक्ष इंजीनियर भीमराम भोयर द्वारा बताया गया कि वह प्रदेश स्तर के आवाहन पर विरोध स्वरूप 1 सितंबर को जिला प्रशासन के अधिकारियों के उपस्थिति में विरोध स्वरूप रक्तदान करेंगे । इस रक्तदान कार्यक्रम में स्वयं जिला कलेक्टर श्री मीणा , जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और बालाघाट एसडीएम उपस्थित रहेंगे ।जिसकी अनुमति मनरेगा अभियंता संघ द्वारा ले ली गई है ,वहीं इधर चल रही हड़ताल से जिले भर की पंचायत में विकास कार्य रूक से गए हैं एवं अन्य जल गंगा अभियान के साथ अन्य कार्य भी अब पूरी तरह से रुक गए हैं ,वहीं सरकार ने भी अभी तक मनरेगा अभियंता की हड़ताल को लेकर कोई ठोस जवाब नहीं दिया है । जनप्रतिनिधि भाजपा और कांग्रेस के भी मनरेगा अभियंता की हड़ताल को अपना समर्थन दे रहे हैं, हाल ही में सांसद भारती पारधी ने भी मनरेगा अभियंता को अपना समर्थन दिया था।

क्रेन और बोट से होगा गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

एसडीएम और सीएसपी ने टीम के साथ किया विसर्जन स्थलों का निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शनिवार को प्रशासन और पुलिस टीम ने शहर के गणेश प्रतिमाओं के लिए चिन्हित किए गए विसर्जन स्थलो का निरीक्षण किया। चूंकि इस बार बारिश ज्यादा होने से नदी, तालाबो और नहरो में पानी ज्यादा है, जिससे विसर्जन के दौरान, किसी प्रकार की कोई घटना ना हो, इसके लिए प्रशासन और पुलिस की ओर से प्रतिमा विसर्जन का खाका तैयार किया गया है। जिसके तहत बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रेन और बोट के साथ ही छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए कुंड की व्यवस्था की जा रही है। आपको बता दे कि शनिवार को एसडीएम गोपाल सोनी, सीएसपी वैशालीसिंह कराहलिया, नपा सीएमओ बी.डी. कतरोलिया, थाना प्रभारी विजय राजपूत सहित यातायात, होमगार्ड टीम ने शहर के प्रतिमा विसर्जन स्थल वैनगंगा नदी के छोटे पुल, महामृत्युंजयघाट, गायखुरी घाट, ढिमरटोला घाट, देवटोला और आंवलाझरी नहर का निरीक्षण किया। जहां प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। इसके अलावा वैनगंगा नदी के पास बने विसर्जन कुंड को भी देखा। दस दिवसीय गणेशोत्सव में जैसे-जैसे दिन बीत रहे है, वैसे-वैसे, भक्तों से बप्पा का विदाई भी दिन नजदीक आ रहा है। शहर में लगभग 80 सार्वजनिक स्थानो के अलावा, घरो में बप्पा की मनोहारी प्रतिमा विराजित की गई है। जिसका विसर्जन, शहर के पावन सरोवरो में किया जाएगा। एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि इस बार नदी में पानी ज्यादा होने के चलते विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की घटना से निपटने के लिए प्रशासन, पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। जिसमें तय किया गया कि ढीमरटोला और वैनगंगा नदी के छोटे पुल में पानी का बहाव होने से यहां विसर्जन के लिए बोट लगाई जाएगी और वैनगंगा नदी में बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था की जाएगी। 6 और 7 सितंबर तक सभी प्रतिमाओं का विसर्जन करा लिया जाएगा। साथ ही विसर्जन स्थल पर नगरपालिका की ओर से अलाउंसमेंट, टेंट और पानी की व्यवस्था की जाएगी। सभी स्थलों पर सुरक्षा के मद्देनजर प्रकाश से लेकर बचाव दल की टीमों को तैनात किया जाएगा।

शिक्षक दिवस पर होगा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह

बालाघाट के सौरभ कुमार शर्मा होंगे सम्मानित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश में शिक्षक दिवस के अवसर पर 05 सितम्बर को राजधानी भोपाल में भव्य राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में प्रदेश भर से चयनित 14 उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय कार्यों और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसमें बालाघाट जिले के माडल स्कूल बिरसा के उच्च माध्यमिक शिक्षक सौरभ कुमार शर्मा भी शामिल हैं। यह बालाघाट जिले के लिए गर्व, उपलब्धि एवं सौभाग्य की बात है कि यहां के शिक्षक को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि शिक्षक दिवस पर 05 सितम्बर को भोपाल में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित होने वाले शिक्षकों में प्राथमिक एवं माध्यमिक श्रेणी के 08 शिक्षक तथा उच्चतर माध्यमिक श्रेणी के 06 शिक्षक शामिल हैं। पुरस्कृत शिक्षकों को समारोह में 25 हजार रुपये की सम्मान निधि, शॉल और श्रीफलभेंट कर सम्मानित किया जाएगा। बालाघाट जिले से इस वर्ष शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के उच्च माध्यमिक शिक्षक सौरभ कुमार शर्मा का चयन राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिए किया गया है। उनका चयन उच्च माध्यमिक श्रेणी के शिक्षकों में हुआ है। उल्लेखनीय है कि सौरभ कुमार शर्मा ने अपने शैक्षणिक जीवन में विद्यार्थियों की प्रगति और विद्यालय के विकास के लिए सतत प्रयास किए हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने न केवल बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए हैं बल्कि राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी सफलता हासिल की है। शिक्षा में तकनीकी साधनों का उपयोग,विद्यार्थियों को नवाचार के लिए प्रेरित करना और विद्यालय का शैक्षिक वातावरण बेहतर बनाना उनके कार्यों की प्रमुख विशेषता रही है। श्री शर्मा के चयन की खबर मिलते ही शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में हर्ष का वातावरण है। सभी ने इसे पूरे जिले और विशेषकर मॉडल स्कूल बिरसा के लिए गर्व व उपलब्धि बताया है।

खैरलांजी के महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का हुआ आयोजन

खैरलांजी/ वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य के एल हिवारे के संरक्षण तथा स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ.विवेक खरगाल के निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी रोहित कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल कलाओं में प्रतिभागीता प्रदान की। जिसमें छात्राओं के द्वारा हाकी खेल, प्रश्न मंच, खेल निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता तथा अन्य खेलों को कराया गया। इस दौरान एएसआई सुशीला टेकाम, आरक्षक मनीषा डोंगरे, राधिका साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनीता बहेटवार,खेल समन्वयक दिव्या मोहारे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं हॉकी खेल के जादूगर मेजर ध्यानचंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण करके की गई। अतिथियों ने अपने उद्बोधन के माध्यम से विद्यार्थियों में खेल की भावना को जागृत किया । खेल समन्वयक दिव्या मोहरे ने छात्र.छात्राओं के बीच खेले से जुड़े अपने अनुभव को साझा किया जिससे विद्यार्थियों को बहुत प्रेरणा मिली। महाविद्यालय के स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ.विवेक खरगाल ने वार्षिक खेल कैलेंडर के बारे में विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्राचार्य श्री हिवारे ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताया।

आम सूचना

हमारे पक्षकार मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की बालाघाट शाखा की ओर से समस्त आम जनता को सूचित किया जाता है कि हितग्राही / बंधककर्ता / भूमिस्वामी श्री विजय बिसेन पिता श्री गणेशप्रसाद बिसेन निवासी ग्राम गर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट द्वारा हमारे पक्षकार मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा बालाघाट से ऋण सुविधा सुविधा प्राप्त की जा रही है जिसकी प्रतिभूति स्वरूप उनके मालकी एवं कब्जे ग्राम गर्रा पहन 14 तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित संपत्ति खसरा नंबर 224/3/1/1 एरीया 0.204 हेक्टर को साधारण बंधक (रजिस्टर्ड मारगेज) द्वारा संपत्ति को बंधक कर बैंक के पक्ष में भार उत्पन्न किया जाना है अतएव हमारे पक्षकार शाखा बैंक की ओर से यह आम सूचना दी जाती है किसी भी व्यक्ति बैंक या वित्तीय सस्था को इस बंधक कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो तो आगामी एक सप्ताह के भीतर के मेरे नीचे वर्णित शाखा कार्यालय में लिखित रूप से अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उपरोक्त भूमि पर वैधानिक भार उत्पन्न करते हुए शाखा बैंक द्वारा हितग्राही को ऋण प्रदान किया जावेगा।

आर.के.सावलानी
एडवोकेट
मध्यप्रदेश ग्रामीण बैक
शाखा बालाघाट(म.प्र)

कार्यालय ग्राम पंचायत धनसुना
जनपद पंचायत बालाघाट, जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/क्यू/ग्राम पं./ — दिनांक 20.08.2025

विषयांकित लेख है, कि ग्राम पंचायत द्वारा विभिन्न योजनाएं 15 वां वित्त, 5वां वित्त, मनरेगा एवं अन्य सभी योजनाओं से निर्माण कार्य के लिए मटेरियल सामग्री की दरे बंद लिफाफे में दिनांक 01/09/2025 से 07/09/2025 तक कार्यालय में कार्यालयीन समय में जमा करे (मटेरियल सामग्री जैसे 10एम.एम.लोहा, 12एम.एम., 8एम.एम., रेत, 40एम.एम.गिट्टी, 30एम.एम. गिट्टी, सिमेंट, मिक्कर मशीन, वाईब्रेटर, सेंट्रिंग इत्यादि)।

सचिव	सरपंच
ग्राम पंचायत धनसुआ	ग्राम पंचायत धनसुआ
जनपद पंचायत बालाघाट	जनपद पंचायत बालाघाट

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट

प्रधान कार्यालय :- काली पुतली चौक, बालाघाट (म.प्र.) पिन-481001

दूरभाष नं. (07632) 240741, (07632) 241740, (07632) 247476, (07632) 240484
ई-मेल- cbsbalaghat.mp@gmail.com वेबसाइड: www.jskbbalaghat.org

क्रमांक / 1849/स्थापना / 2025 — बालाघाट, दिनांक 29.08.2025

वार्षिक आमसभा की सूचना

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट के समस्त माननीय प्रतिनिधियों को सूचित किया जाता है कि बैंक की 114 वीं वार्षिक साधारण आमसभा दिनांक 03.09.2025 दिन बुधवार समय पूर्वान्ह 11:00 (ग्यारह) बजे स्थान - बैंक के बालाघाट स्थित प्रधान कार्यालय के परिसर में आयोजित की गई है। गणपूर्ति के अभाव में वार्षिक साधारण आमसभा की बैठक नियत समय के आधा घण्टा पश्चात उसी दिनांक एवं स्थान पर सम्पन्न होगी। बैंक के समस्त माननीय प्रतिनिधियों को डाक से पृथक से सूचना प्रेषित की गई है, किन्ही कारणवश डाक से सूचना पत्र प्राप्त नहीं होता है तो इसे सूचना मानकर वार्षिक आमसभा में प्रतिनिधि के रूप में संस्था के प्रस्ताव ठहराव के साथ आपकी उपस्थिति अपेक्षित है।.

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

निविदा आमंत्रण सूचना

बालाघाट एजुकेशन सोसायटी, सुरभि नगर बालाघाट द्वारा शाला परिसर में 3 नए कमरों एवं 1 कैन्टीन, 1 टॉयलेट ब्लॉक एवं 90 मीटर बाउन्ड्री वॉल के निर्माण एवं वर्तमान कैन्टीन डिस्मेन्टलिंग कार्यों की अनुमानित लागत रु. 55,00,000/- (पचपन लाख रू.) हेतु PWD SOR 2024 पर प्रतिशत रूपये में निविदा कोटेशन आमंत्रित किये जाते हैं। पंजीकृत संविदाकार कृपया अपने कोटेशन स्व्हक्र पर below या above दिनांक 01/09/2025 से लेकर 10/09/2025 तक मय अमानत राशि 25,000/- के साथ शालेय कार्यालय में बंद लिफाफे में कार्यालयीन अवधि में (08:30am से 03:00 pm) जमा करें।

नए कमरों एवं रसोईघर की ड्राइंग देखने हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें। 5प्रतिशत सुरक्षा निधि देयक में से काटी जाएगी जो 3 वर्ष तक जमा रहेगी।

नियम एवं शर्तें -

1. आयकर की स्त्रोत पर कटौती की जाएगी।
2. GST का कोई भुगतान नहीं किया जाएगा।
3. देयक संविदाकार को बनाकर देना होगा।
4. सफल निविदाकार को लागत मूल्य का 3प्रतिशत परफार्मेन्स सिक्युरिटी के रूप में जमा करना होगा जो कार्य पूर्णता के 3 वर्ष तक कोई डिफेक्ट नहीं होने पर वापस होगी।

अमानत राशि - **25,000/-** (डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जमा करें जो वापसी योग्य नहीं है)

अंतिम तिथि - **10/09/2025**

पता :- बालाघाट इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल,
सुरभि नगर वार्ड क्र. 24, बालाघाट (म.प्र.) 481001
ई-मेल :- behssvwx@gmail.com, फोन नं. 07632-241707

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व सामान्य को सुचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम राखी वाधवानी था जिसे बदलकर वर्षिता सांवरे कर दिया है मुझे वर्षिता सावरे पति खेमचन्द सांवरे नाम से जाना पहचाना जावे।

सही नाम
वर्षिता सांवरे
243/1, वार्ड नं.08 लालचौक
दमोह, जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

आशा कर्मचारी और मिड डे मील कर्मचारी महासंघ का रैली प्रदर्शन आज

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी सम्मेलन का आज होगा समापन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में लंबित मांगों को लेकर बनाई गई रणनीति, आशा और मिड डे मील कर्मचारी से जुड़ी विभिन्न मांगों पर किया गया विचार विमर्श

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मानदेय बढ़ाने, सरकारी कर्मचारी घोषित करने, न्यूनतम वेतन ,सामाजिक सुरक्षा, बीमा, पेंशन आदि का लाभ दिए जाने सहित अन्य मुद्दों को लेकर आज रविवार को आशा कर्मचारी और मिड डे मील कर्मचारी महासंघ द्वारा नगर में एक रैली निकालकर प्रदर्शन किया जाएगा। जिसके माध्यम से दोनों ही महासंघ से जुड़ी महिला कर्मचारियो की विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश शासन के नाम कलेक्ट्रेट कार्यालय में ज्ञापन सौपा जाएगा।जिसकी रणनीति शनिवार से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी सम्मेलन के दौरान बनाई गई। बताया गया कि जिले में पहली बार बालाघाट में भारतीय मजदूर संघ से संबंधित अखिल भारतीय आशा और मिड डे मील कर्मचारी महासंघ के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है।जिसकी शुरुआत शनिवार को की गई।इस राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन उपस्थित पदाधिकारी ने राष्ट्र संगठन के पदाधिकारी को वर्षों से लंबित स्थानीय समस्याओं से अवगत कराया।तो वहीं राष्ट्रीय पदाधिकारियो द्वारा आशा और मिड डे मील कर्मचारी से जुड़े विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों की जानकारी देते हुए वर्षों से लंबित इन मांगों को पूरी करने के लिए ठोस रणनीति बनाई।जिसके तहत रविवार को इस राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर नगर में आशा बहनों और मिड डे मील बहनों के द्वारा दोनों महासंघ के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले नगर में रैली निकाल कर प्रदर्शन करने और मांगों को पूरा करने के लिए नारेबाजी कर ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है।

राष्ट्रीय सम्मेलन का आज होगा समापन

जिले के इतिहास में पहली बार आयोजित हो रहा अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ एवं अखिल भारतीय मिड-डे मील कर्मचारी महासंघ भारतीय मजदूर संघ का राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार से प्रारंभ हो गया है। जिसका रविवार को समापन होगा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न प्रांतों से आई महिला कार्यकर्ता एवं संगठन के वरिष्ठ नेता शामिल हुए है।शनिवार सुबह करीब 10 बजे राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का उद्घाटन हुआ जिसके बाद कार्यक्रम की शुरूवात हुई जो कार्यक्रम दिनभर चलता रहा जो रविवार को भी जारी रहेगा। इसके बाद रविवार को सुबह 10 बजे से जिला सम्मेलन होगा, जिसमें जिले की आशा कार्यकर्ता और मिड-डे मील समूह की रसोइया बहनों का विशाल जमावड़ा होगा। दोपहर 3 बजे रैली निकालकर ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उप महामंत्री एवं राष्ट्रीय ठेका श्रमिक बोर्ड भारत सरकार के चेयरमैन सुरेन्द्र पांडे, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भा.म.सं. नई दिल्ली बी. सुरेन्द्रन और प्रदेश महामंत्री भा.म.सं. भोपाल कुलदीप गुर्जर शामिल हुए हैं।बताया गया कि कार्यक्रम का आयोजन लीला नगपूरे, गीता कटरे और राजेश वर्मा के नेतृत्व में किया जा रहा है।

अब 112 नंबर डायल करने पर आयेगीं पुलिस, शहर के चौक-चौराहों में दी जा रही जानकारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सरकार ने अब डायल 100 के स्थान पर डायल 112 नंबर लॉन्च कर दिया है। पहले 100 डायल करने पर पुलिस पहुंच जाती थी, इसी व्यवस्था को सरकार द्वारा आधुनिक करते हुए अन्य नंबरों को हटाकर एक ही नंबर 112 जारी किया है। इसके लिए विभाग द्वारा बाकायदा 100 डायल वाहन की तरह 112 डायल के पुलिस वाहन की शुरुआत की गई है । जिसमें जिले में भी कुछ 112 पुलिस के वाहन आये हैं। जिनका प्रचार इन दिनों पुलिस विभाग द्वारा शहर के अलग-अलग प्रमुख चौक, चौराहों में किया जा रहा है । जिसमें अंबेडकर चौक, काली पुतली चौक पर इन वाहनों को खड़ा कर पुलिस इसकी जानकारी आम जनों और पुलिस कर्मियों को दे रही है। जिसका एक नजारा शहर के कुछ चौक चौराहों पर देखने मिला। आपको बता दे कि डायल 112 मध्यप्रदेश में लोगों की सुरक्षा संबंधी हर दिक्कत को दूर करने नई कवायद की गई है। इसके अंतर्गत विभिन्न नागरिक सेवाओं को एक नंबर के साथ इंट्रीगेट किया गया है। प्रदेश में जनसुरक्षा के लिए डायल 100 के स्थान पर अब डायल 112 को एकल एजेंसी आधारित सेवा बनायी गयी है। पूरे प्रदेश में यह सेवा शुरू हो गयी है। इसमें कॉल करने वाले की लोकेशन भी जीपीएस से ट्रैक की जा सकेगी। डायल 100 सेवा पिछले 10 सालों से जारी है। इसके स्थान पर डायल 112 सेवा शुरु की गई है।इसमें भारत सरकार की आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली की परिकल्पना के अनुरूप अधिकांश जरूरी नागरिक सेवाओं को सम्मिलित कर दिया गया है। मध्यप्रदेश में इमरजेंसी नंबर-112 यानि डायल 112 सेवा में प्रदेश की पुलिस की आपातकालीन सेवा (112), स्वास्थ्य या एम्बुलेंस सेवा (108), अग्निशमन सेवा (101), महिला हेल्पलाइन (1090), नेशनल सायबर क्राईम हेल्पलाईन (1930), रेल मदद हेल्पलाईन (139), मध्यप्रदेश रोड डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन - एक्सिडेंट रिस्पांस सर्विस (हाईवे टोल नाका 1099), राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन (एस.डी.एम.ए.-1079), राज्य परिवहन विभाग पेनिक बटन एवं गुप्तवार्ता विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय महिला एवं चाईल्ड- हेल्प लाईन (181,1098) आदि सेवाओं को एक साथ डायल 112 में ही मिला दिया गया है। जिसकी जानकारी पुलिस विभाग द्वारा आमजन को देना शुरू कर दी गयी है । जिले में भी डायल 112 के कुछ पुलिस वाहन आए हैं, जिनका पुलिस द्वारा इन दिनों शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर प्रचार कर आमजन को इन वाहनों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही इन वाहनों में सेवाएं देने वाले पुलिसकर्मियों को भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शहर के चौराहों और मेन सड़कों पर आम जन के बीच जानकारी दे रहे हैं। जिसका एक उदाहरण शहर के अंबेडकर चौक, काली पुतली चौक सहित मेन रोड पर देखने को मिला ।

जिला बॉडी बिल्डिंग एवं पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन सम्पन्न

नई कार्यकारिणी का गठन कर, सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में, जिला बॉडी बिल्डिंग एवं पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी उपस्थित अतिथियों, संरक्षकों, अध्यक्षों, सचिवों, पदाधिकारियों, संचालकों और खिलाड़ियों की उपस्थिति में हनुमान जी की पूजा-अर्चना और दीप-प्रज्वलन से की गई।इस अवसर पर, उमेश जायसवाल को जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन की 21 अगस्त 2025 से प्रभावी हुई नई कार्यकारिणी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति पत्र दिया गया। इसके बाद, उन सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने वर्ष 2000 से जुलाई 2025 के बीच पॉवर लिफ्टिंग या बॉडी बिल्डिंग की राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लिया था। जिले में खेल गतिविधियों को और बढ़ावा देने के लिए, दोनों एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जो 21 अगस्त 2025 से प्रभावी है। इस नई कार्यकारिणी में, उमेश जायसवाल को जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन का अध्यक्ष बनाया गया है। सुरेंद्र जायसवाल, जो दोनों एसोसिएशन के संभागीय अध्यक्ष और सचिव भी हैं, को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। जिला पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में मधुकर हरपाल को नियुक्त किया गया है, जबकि अजय बाजपेयी को जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है। बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों में दानेश सौलाखे , राहुल सोनी, प्रदीप नागेश, मनीष रंगलानी (उपाध्यक्ष), अजय सिंगारे (कोषाध्यक्ष), और अंशुल कोरडे, विष्णु कावरे (सहसचिव) शामिल हैं। संरक्षकगण में डॉ. निखलेश त्रिवेदी, लालू चावड़ा और सुशील ठाकुर हैं, जबकि चयन समिति में अजय सिंगारे, मधुकर हरपाल, प्रदीप नागेश, और शक्ति कसार को नियुक्त किया गया है। वहीं, पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन की कार्यकारिणी में पवन कन्नौजिया, शक्ति कसार, और देवराज जुनेजा को उपाध्यक्ष, यंशुल कोरड़े, यश अड़में, और इशान सोनी को सहसचिव, तथा पीयूष राहंगडाले को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।संरक्षकगण के रूप में नोवेद खान और निरंजन दीक्षित को नियुक्त किया गया है। चयन समिति में मधुकर हरपाल, पवन कन्नौजिया, यंशुल कोरड़े, और सुमन मरकाम को शामिल किया गया है।कार्यक्रम का मंच संचालन जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय बाजपेयी ने किया, जिन्होंने इस दिवस के महत्व पर संक्षिप्त जानकारी भी दी।

सभी जिम संचालको को सम्मानित करना ही कार्यक्रम का उद्देश्य

बताया गया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन सभी जिम संचालकों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने शारीरिक फिटनेस और खेल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र जायसवाल, बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के संरक्षक डॉ. निखलेश त्रिवेदी, लालू चावड़ा, सुशील सिंह ठाकुर, अनिल सोनी, तथा पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के संरक्षक नोवेद खान और निरंजन दीक्षित शामिल थे। साथ ही, बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश जायसवाल और पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मधुकर हरपाल सहित अजय सिंगारे, पीयूष राहंगडाले और प्रदीप नागेश भी मंच पर मौजूद थे।कार्यक्रम का समापन मधुकर हरपाल के धन्यवाद उद्बोधन के साथ किया गया।

कांग्रेस पार्षद दल ने ली प्रेस वार्ता, नपा. की गिनाई अनियमितताएं

नपा. कर्मियों की हड़ताल में कांग्रेस पार्षदों पर भी लगे थे सत्ता पक्ष के साथ अनियमितता के आरोप , बताया आरोप को निराधार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।नगर पालिका के कांग्रेसी पार्षदों ने स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने इस कार्यकाल में की गयी कई अनियमितता के आरोप प्रेस वार्ता में गिनवाये और बताया कि नगर पालिका के कर्मचारियों की हड़ताल में उन पर भी सत्ता पक्ष के साथ नगर पालिका में अनियमितता करने के आरोप लगे थे, जो निराधार हैं और उन्होंने कई बार नगर पालिका में हुई अनियमितता के मामले उठाए हैं और उसकी शिकायत की है । आपको बता दे कि नगरपालिका में विपक्ष में बैठे कांग्रेस के, नेता प्रतिपक्ष योगराज कारो लिल्हारे और विधायक प्रतिनिधि शफकत खान ने नगरपालिका पर अनियमितता के गंभीर आरोप लगाए है। उन्होने बताया कि शिकायतों का पुलिंदा है लेकिन शासन, प्रशासन जांच नहीं करवा रहा है। शनिवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में नेता प्रतिपक्ष योगराज कारो लिल्हारे ने बताया कि नगरपालिका में लाखो रूपए की डीजल को लेकर अनियमितता हुई है, जिसकी ईओडब्ल्यु, जांच कर रहा है, यह अनियमितता पानी की तरह साफ है, यदि इसकी निष्पक्ष जांच हो जाए तो कई जिम्मेदार जेल जाएंगे। उन्होंने बताया कि नगरपालिका में डीजल को लेकर हुई अनियमितता की जाँच अभी पेंडिंग हैं , हमने कलेक्टर से बात की लेकिन उन्होंने केवल जांच कराने की बात कही है, चूंकि जांच कराने वाली सरकार है, जांच अधिकारी सत्तापक्ष की सुनते होंगे, जिसके कारण जांच पेंडिंग है। नगरपालिका में कचरा रिक्शा, कचरा वाहन से लेकर हर अनियमितता के मामले हम उठा रहे है और शिकायत कर रहे है लेकिन शासन, प्रशासन स्तर से कोई जांच नहीं हो रही है। विधायक प्रतिनिधि शफकत खान ने बताया कि नगरपालिका में डीजल को लेकर बड़ी अनियमितता , रिक्शा कचरा खरीदी में अनियमितता , कचरा वाहन, जल आवर्द्धन योजना, पीएम आवास योजना, नपा में सामग्री खरीदी में अनियमितता जैसे कई अनियमितता के पुलिंदा है, जिसकी हमने शिकायत की है, संयुक्त संचालक जबलपुर से जांच के निर्देश भी हुए है लेकिन जांच नहीं हो रही है। नेता प्रतिपक्ष और विधायक प्रतिनिधि ने नपा में अनियमितता की यह बात, उस संदर्भ में कही।नेता प्रतिपक्ष योगराज कारो लिल्हारे ने बताया कि नगर में स्वीमिंग पुल और मिनी स्टेडियम के भूमिपूजन के बाद भी, उसका काम प्रारंभ नहीं किया गया है यदि जल्द ही वह काम शुरू नहीं होता है तो इसके खिलाफ, कांग्रेस पार्षदों का दल, आंदोलन करेगा।

त्योहार के मद्देनजर शहर में सफाई, बिजली व पानी व्यवस्था दुरूस्थ रखें-अनुभा

विधायक अनुभा मुंजारे ने नपाधिकारियों के साथ की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा 30 अगस्त को नगरपालिका के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। जिसमें उन्होने आगामी त्योहार के मद्देनजर शहर में साफ सफाई, बिजली और पानी व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखने के निर्देश दिये। बता दे कि सर्किट हाउस में विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा नगर पालिका परिषद बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी.कतरोलिया, नपा के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य सभी शाखा प्रभारियों की उपस्थिति में विभागवार समीक्षा बैठक ली गई। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि शफकत खान, नेता प्रतिपक्ष योगराज कारो लिल्हारे, पार्षद रवि बनाफर, आशुतोष डहरवाल, पूर्व पार्षद पन्ना शर्मा, छबिराम नागेश्वर, रामभाऊ पंचेश्वर, वरिष्ठ कांग्रेसी राजेश ठाकुर व अन्य मौजूद रहे। विधायक अनुभा मुंजारे ने बैठक के माध्यम से नपा के अधिकारियों से कहा कि वर्तमान में गणेश उत्सव चल रहा है।इसके अलावा आगामी समय में विविध त्यौहार आने वाले है।जिसमें हमें सफाई व्यवस्था को प्रमुखता से ध्यान देना है।खम्बों में लाईट की व्यवस्था ठीक रहे। जिससे की लोगों को भ्रमण के दौरान किसी तरह की परेशानी नही होना चाहिये । विधायक ने कहा कि उन्हें कुछ वार्डो से शिकायतें प्राप्त हो रही है। वार्डो में सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं हैं या फिर कचरा समय पर नहीं उठाया जा रहा है। नालियों की गंदगी से लोग परेशान हो रहे है। मच्छरों की भरमार है। फागिंग का कार्य होने चाहिए। इसी तरह से शहर के सड़कों पर पशुधन विचरण कर रहे और सड़कों पर बैठे रह रहे है। आवारा कुत्ते देखे जा रहे है। जिसके लिये भी आवश्यक कदम उठाया जाना चाहिए। विधायक अनुभा मुंजारे ने इस बात पर आपत्ति जतायी कि दानवीर मुलना जी के बस स्टेंड स्थित मुलना उद्यान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देने के बावजूद कोई कार्यवाही नपा ने नहीं की है। विधायक ने कहा कि मेरे और कलेक्टर द्वारा इस संबंध में कहा गया था बावजूद मुलना उद्यान को लेकर कार्य नहीं हुये है। इसे गंभीरता से लिया जाये। विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा अन्य कई मुददों पर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये। कर्मचारियों के वेतन भुगतान व नियमितिकरण व मानदेय वृद्धि को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गई।

खाट में सो रहे एक व्यक्ति को सांप ने काटा जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीती रात खाट में सो रहे एक व्यक्ति को जहरीले डांडेकार सांप ने काट दिया जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक अंतराम पिता पंडरी वाघमारे 50 वर्ष ग्राम मोहारा थाना लांजी निवासी है जिला अस्पताल पुलिस में इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंतराम वाघमारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था।जिसके परिवार में दो लड़के और एक लड़की है। अभी अंतराम के किसी भी बच्चे की शादी नहीं हुई। 29 अगस्त की रात्रि 9:00 बजे अंतराम अपने परिवार के साथ खाना खाकर खाट में सो गया था। 29 एवं 30 अगस्त की दरमियानी रात 3:45 बजे खाट में सो रहे अंतराम के बाय गाल के पास जहरीले सांप डांडेकर ने काट दिया। सांप के काटने के संबंध में अंतराम ने अपने परिवार वालों को बताया। परिवार के लोगों ने अंतराम को तुरंत ही मोटरसाइकिल से ग्राम भानेगांव के स्वास्थ्य केंद्र लाये। जहां उपचार के दौरान अंत राम की तबीयत और खराब होने पर उसे एक प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किए थे। जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान सुबह 6:00 बजे करीब अंतराम की मौत हो गई। 30 अगस्त को सुबह जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे ने मृतक अंतराम का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना लांजी भिजवा दी है।

तथाकथित डॉक्टर की लापरवाही से गर्भवती महिला की हुई मौत

स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की भूमिका पर उठाये सवाल, कार्यवाही नही करने का लगाया आरोप, मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरूध्द कठोर कार्यवाही एवं न्याय दिलवाने की शासन-प्रशासन से लगाई गुहार

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले ग्राम टेंगनीकला में तथाकथित डॉक्टर की लापरवाही से 6 माह की गर्भवती महिला की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतिका के परिजन न्याय पाने के लिए विगत डेढ़ माह से दर-दर भटक रहे है और गत दिवस कलेक्टर, आदिम जाति कल्याण विभाग को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही करने की गुहार लगा रहे है। लेकिन पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के चलते अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी है। जिससे गर्भवती मृतिका महिला के परिजन खासा परेशान है और स्वास्थ्य विभाग पर तथाकथित डॉक्टर पर कार्यवाही नही करने एवं पुलिस प्रशासन पर एफआईआर दर्ज नही करने का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा मुख्यालय से 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेंगनीकला निवासी लालचंद उइके की 25 वर्षीय पुत्रवधु (बहु) श्रीमती प्रियंका उइके 6 माह की गर्भवती थी। जिसकी गत 9 जुलाई को देररात में अचानक तबियत खराब होने पर ग्राम के तथाकथित डॉ. अवधेश एड़े से उपचार करवाया गया था। वहीं मृतिका महिला के परिजनों का आरोप है कि बहु प्रियंका उइके की तबियत खराब होने पर ग्राम के झोलाछाप डॉ. अवधेश एड़े के पास लेकर गये थे और डॉक्टर ने पीड़िता को शाम में तीन एवं रात करीब डेढ़ बजे दो इंजेक्शन इस तरह से पांच इंजेक्शन लगाया है। जबकि उसे पहले ही गर्भवती होने की जानकारी दे दी गई थी। इंजेक्शन लगने के बाद प्रियंका की तबियत अधिक बिगड़ गई। जिसे तत्काल अलसुबह 4 बजे लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। मृतिका महिला के परिजनों ने शासन प्रशासन से झोलाछाप डॉक्टर अवधेश एडे के विरूध्द तत्काल एफआईआर दर्ज करने, लापरवाही बरतकर पोस्टमार्टम नही करवाने वाले संबंधित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर कार्यवाही कर न्याय दिलवाने की गुहार लगाई है।

लापरवाही पर गंभीर सवाल

मृतिका के परिजनों का आरोप हैं कि महिला की संदिग्ध परिस्थिति मौत होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के द्वारा शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाया गया और बिना प्रक्रिया पूरी किये परिजनों को सीधे शव सौंप दिया गया। इस तरह से स्वास्थ्य विभाग ने भी मामले को दबाने का प्रयास किया और घटना हुए करीब डेढ़ माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक तथाकथित डॉ. अवधेश एड़े पर न तो कोई कार्यवाही हुई है, न ही उसकी डिग्री अथवा रजिस्ट्रेशन की जांच की गई। जबकि परिजनों के अनुसार अवधेश ने स्वास्थ्य विभाग को अपने दिये गये बयान में यह स्वीकार भी किया गया है कि उसने पांच इंजेक्शन मृतिका को लगाये थे। इसके बावजूद भी प्रशासन मौन है। जिससे स्वास्थ्य विभाग पर भी सवाल उठ रहे है। वहीं मृतिका महिला के ससुर लालचंद उइके का कहना है कि विगत दिवस से जिस डॉ. के द्वारा लगाये गये इंजेक्शन से बहु की मौत हुई है उस

पर कार्यवाही करने थाने में एफआईआर दर्ज करने जाते है लेकिन पुलिस शिकायत दर्ज नहीं कर रही। थाना प्रभारी का कहना है कि पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लिखित रिपोर्ट लानी होगी, उसके बाद ही एफआईआर दर्ज होगी। जिससे हम लोग खासा परेशान है।

परिजनों का कहना है

मृतिका महिला के परिजनों ने कहा कि हम शिकायत लेकर जनसुनवाई, आदिम जाति कल्याण विभाग और थाने तक गये। मगर कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। प्रशासन हमें ही चक्कर कटवा रहा है, हम न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं और शासन प्रशासन के द्वारा हमें किसी तरह का कोई भी सहयोग नहीं किया जा रहा है और योजनाबध्द तरीके से मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे हम मानसिक रूप से परेशान है।

गलत इंजेक्शन लगने से प्रियंका की हुई है मौत - लालचंद

मृतिका महिला के ससुर लालचंद उइके ने बताया कि गत 9 जुलाई की रात्रि में बहु की तबियत खराब होने पर गांव के झोलाछाप डॉ. अवधेश एड़े से उपचार करवाये थे। जिसने पहले 3 इंजेक्शन लगाया जबकि बहु 6 माह की गर्भवती थी। जिसके बाद अधिक तबियत खराब होने पर घर आकर फिर दो इंजेक्शन लगा दिया, जिससे उसकी और अधिक तबियत खराब हो गई, जिसे एम्बुलेंस से लालबर्रा अस्पताल लेकर आये जहां 15 से 20 मिनट उपचार चला जिसके बाद उसकी मौत हो गई। श्री उइके ने बताया कि गांव के डॉ. ने गलत इंजेक्शन लगाया है जिसके कारण बहु की मौत हुई है, लेकिन अब तक जिस डॉक्टर की गलती से यह हादसा हुआ है उस पर कोई कार्यवाही नही की गई है, न ही स्वास्थ्य विभाग ने पोस्टमार्टम किया है, न ही पुलिस वाले रिपोर्ट लिख रहे है जिससे हम लोग परेशान है। गत दिवस कलेक्टर महोदय, आदिम जाति कल्याण विभाग को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलवाने की मांग की है।

प्राथमिक उपचार किया गया था - अवधेश

डॉ. अवधेश एड़े ने बताया कि मेरे पास प्रियंका को उपचार के लिए लाया गया था। जिसका मेरे द्वारा सामान्य व्यक्ति की तरह प्राथमिक उपचार किया गया था और अधिक तबियत खराब होने पर 108 वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया था। मुझे महिला के गर्भवती होने की जानकारी परिजनों के द्वारा नहीं दी गई थी और मेरे द्वारा उसे बेहतर स्वास्थ्य के लिए 3 इंजेक्शन लगाये गये थे। साथ ही यह भी बताया कि मेरे द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया था और सामान्य दवाईयां दी गई थी जिससे मृत्यु होना संभव नहीं है। मृतिका के परिजनों के द्वारा जो आरोप लगाये जा रहे है सभी आरोप बेबुनियाद एवं निराधार है।

जिले से गठित टीम कर रही है मामले की जांच - डॉ. रितु

बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे ने बताया कि पिछले माह 9 जुलाई को टेंगनीकला की महिला को अलसुबह 4.35 बजे अस्पताल लाया गया था एवं 4.50 बजे यानि 15 मिनट में उसकी मौत हो जाने की जानकारी ड्यूटी में पदस्थ चिकित्सक ने दी थी एवं परिजनों ने महिला गर्भवती है, गांव में उपचार करवाये है ऐसी कोई जानकारी नही दिये थे और महिला की मौत हो जाने के बाद परिजनों ने शव लेकर अपने घर चले गये एवं डयूटी में पदस्थ चिकित्सक ने बताया था कि मृत्यु सामान्य परिस्थितियों में हुई थी, ऐसी स्थिति में पोस्टमार्टम की आवश्यकता नही होती है। डॉ. धुर्वे ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए जिले से टीम गठित की गई है, जिनके द्वारा मामले की जांच की जा रही है एवं हमने सभी सरपंचों को पत्र जारी कर क्षेत्र में यदि कोई व्यक्ति अनौपचारिक रूप से इलाज करते है तो उसकी जानकारी देने कहा है।

इनका कहना है-

डेढ़ माह पूर्व गर्भवती महिला की मौत होने की जानकारी लगी है, जिसकी जांच जिला स्वास्थ्य टीम के द्वारा की जा रही है, अस्पताल से महिला की किस कारण से मौत हुई है उसकी लिखित रिपोर्ट आने के बाद पुलिस कार्यवाही करेगी।

सुनील चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

दो वर्षीय बच्ची की संदिग्ध स्थिति में हुई मौत

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत धारावासी के अंतर्गत आने वाली ग्राम मौसम निवासी निकेश कुमरे की लगभग दो वर्षीय बेटी आश्वी कुमरे की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मौसमी (धारावासी) निवासी निकेश कुमरे कृषि कार्य करता है और शुक्रवार की रात में परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गये थे। तभी रात करीब 12 से 1 बजे के बीच 1 वर्ष 10 माह की बच्चीं आश्वी की अचानक तबियत खराब हो गई। जिसे परिजनों ने तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और देररात हो जाने के कारण ब%चीं के शव को शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया एवं दुसरे दिन शनिवार को सुबह पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं एक वर्ष दस माह की बच्ची की मौत हो जाने के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। बताया जा रहा है कि मौसमी (धारावासी) निवासी निकेश कुमरे कृषि कार्य करता है, जिसके परिवार में पत्नि, 4 वर्ष का बेटा, 1 वर्ष 10 माह की बेटी आश्वी थी। शुक्रवार की रात में परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद सो गये थे। तभी रात करीब 12 से 1 बजे के बीच में आश्वी नींद में रही होगी तभी किसी जहरीले कीड़े व सर्प ने काट दिया होगा। जिससे उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का कारण स्पष्ट हो पायेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाई स्कूल मार्ग पर चौपहिया एवं दुपहिया वाहन खड़े करने वालों पर कार्यवाही करें प्रशासन - सिलेकर

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज लालबर्रा संरक्षक डीपी सिलेकर ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नगर मुख्यालय के बस स्टैण्ड से लेकर हाई स्कूल मार्ग का विगत वर्ष पूर्व टु वेन सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण किया गया है। ताकि इस मार्ग से आने-जाने वालों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना न करना पड़ेगा किन्तु कुछ लोगों के द्वारा रोड़ के दोनों साईड में बड़े वाहनों को खड़े कर दिया जाता है। साथ ही ट्रांसपोर्टिंग के वाहन चालक भी चौपहिया वाहन को रोड़ के बीच में खड़े कर सामग्री खाली करते है। जिसके कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री सिलेकर ने बताया कि यह मार्ग बस स्टैण्ड से होते हुए बघोली की ओर जाती है और इस मार्ग पर स्कूल, कालेज, अस्पताल सहित अन्य शासकीय कार्यालय स्थित है एवं इस मार्ग पर आवागमन अधिक होता है। लेकिन सड़क के दोनों साईड में चौपहिया, दुपहिया वाहन खड़े रहने से स्कूली बच्चों सहित सभी को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और कई बार छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा समस्या की ओर ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि रोड़ के दोनों साईड में चौपहिया एवं दुपहिया वाहन खड़े रहते है जिससे ऐसा लगता है कि हाई स्कूल मार्ग पार्किंग के लिए बना है। जबकि इस मार्ग से रोजाना जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी भी आना-जाना करते है, लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जो समझ से परे लग रहा है। श्री सिलेकर ने बताया कि यह मार्ग एक व्यस्तम मार्ग है लेकिन सड़क के दोनों ओर वाहनों के खड़े रहने के कारण दुर से आने वाले लोग दिखाई नही देते है ऐसी स्थिति में अगर कोई वाहन तेज गति से गुजरता है तो वाहनों की जबरदस्त टक्कर हो सकती है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि हाई स्कूल मार्ग के दोनों साइड में चौपहिया एवं दुपहिया वाहन खड़े रहते है उन पर वैधानिक कार्यवाही कर वाहनों को हटाकर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाये।

भालू के हमले से बोरी उपसरपंच रघुनाथ घायल

प्राथमिक उपचार कर किया गया जिला चिकित्सालय रिफर

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से 6 किमी. दूर ग्राम पंचायत बोरी के बोरीटोला निवासी 50 वर्षीय बोरी के उपसरपंच रघुनाथ मर्सकोले अपनी पत्नि के साथ खेत में काम कर रहा था। तभी वन्यप्राणी भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोरी पंचायत के उपसरपंच 50 वर्षीय रघुनाथ मर्सकोले अपनी पत्नि के साथ शुक्रवार की सुबह 10 बजे बोरीटोला के आगे जंगल क्षेत्र के समीप स्थित खेत में काम करने गये थे और अपनी पत्नि के साथ वह काम कर रहा था। तभी अचानक भालू आया और रघुनाथ पर हमला कर दिया। वहीं भालू के हमले के बाद दोनों पति-पत्नि घबरा गये, जिसके बाद रघुनाथ की पत्नि ने भालू ने हमला कर दिया है बचाव-बचाव कहकर चिल्लाने लगी। जिसकी आवाज सुनकर दुर स्थित खेत में काम करने वाले एवं मवेशी चराने वाले ग्रामीणजन पहुंचे और भालू को खदेड़ा, नही तो भालू रघुनाथ के साथ ही उनकी पत्नि पर भी हमला कर दोनों को गंभीर रूप से घायल कर सकता था। किन्तु ग्रामीणजनों के पहुंचने से बड़ी दुर्घटना होने से टल गई, जिसके बाद ग्रामीणजनों ने उपसरपंच रघुनाथ मर्सकोले के परिजनों व वन विभाग को घटना की जानकारी दिये और तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाकर भर्ती किया। जहां चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। वहीं घटना की जानकारी लगने के बाद दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के रेंजर टी मड़ावी, वनकर्मियों के साथ अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर उपचार हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया है एवं उपचार के लिए पुरा सहयोग किये जाने घायल के परिजनों को आश्वास्त किया है।

वन विभाग से गस्त बढ़ाकर वन्यप्राणियों को पकड़कर घने जंगल में छोड़ने की उठी मांग

दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम बोरीटोला आता है और बोरीटोला के समीप से जंगल लगा हुआ है। वहीं जंगल से लगकर ग्रामीणजनों की खेती है जहां वर्तमान समय में खरीफ सीजन की धान की फसल किसानों के द्वारा लगाई गई है। साथ ही कुछ किसान धान की फसल के अलावा अन्य फसल लगाने की तैयारी भी कर रहे है। जिसके चलते रोजाना ग्रामीणजन अपने खेतों की ओर जाते है। किन्तु खेत जंगल से लगा होने के कारण भालू सहित अन्य वन्यप्राणी गांव के नजदीक व खेतों तक पहुंच जाते है और ग्रामीणों पर हमला कर देते है। वहीं शुक्रवार को घटित घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में है। बोरीटोला के ग्रामीणजनों ने वन विभाग से गस्त बढ़ाकर भालू सहित अन्य वन्यप्राणियों को पकड़कर घने जंगल में सुरक्षित छोड़ने की मांग की है। सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसुन्दर बारमाटे ने बताया कि उपसरपंच रघुनाथ मर्सकोले शुक्रवार को खेत गया था, तभी भालू ने हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है, वन विभाग से मांग है कि घायल को उपचार हेतु मुआवजा दे।

उपचार में पुरा सहयोग किया जायेगा - मड़ावी

वन परिक्षेत्राधिकारी टी मरावी ने बताया कि भालू के हमले से बोरीटोला निवासी रघुनाथ घायल हो गया है, जिसका लालबर्रा में प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है एवं घायल व्यक्ति के उपचार में वन विभाग पूरा सहयोग करेगा। साथ ही यह भी बताया कि जंगल क्षेत्र का गस्त समय-समय पर करते है एवं ग्रामीणजनों से भी अपील है कि जंगल क्षेत्र की ओर अकेले न जाये।

खबर प्रकाशन के बाद टेकाड़ी ला. से रामजीटोला माइनर नहर का सफाई कार्य हुआ प्रारंभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से रामजीटोला माइनर नहर का लंबे समय से साफ-सफाई नही होने के कारण झाड़ियां उग चुकी थी एवं कुड़ा-करकट जमा हो चुके थे। जिसके कारण किसानों के खेतों तक नहर का पानी नही पहुंच पा रहा था, जिससे किसान खासा परेशान थे। उक्त समस्या को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था, जिसके बाद जल संसाधन विभाग के अधिकारी हरकत में आये और गत दिवस से टेकाड़ी ला. से रामजीटोला माइनर नहर के अंदर उग चुके झाड़ियों एवं कुड़ा-करकट की साफ-सफाई का कार्य करवाया जा रहा है और नहर की साफ-सफाई हो जाने से किसानों के खेतों तक पानी पहुंचने में सुविधा होगी। किन्तु जिन स्थानों से सीमेन्टीकरण नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है उसका मरम्मत कार्य नही करवाया गया है, सिर्फ साफ-सफाई करवाई जा रही है। क्षेत्रीय किसानों ने जिस स्थान से नहर क्षतिग्रस्त हुई है एवं कुछ अधुरे निर्माण कार्य है उसे जल्द पूरा करने व मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है। चर्चा में आम आदमी पार्टी के सहसंयोजक फिरोज नियाजी ने बताया कि सर्राटी जलाशय से निकली टेकाड़ी ला. से रामजीटोला माइनर नहर का विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण निर्माण किया गया है ताकि क्षेत्रीय किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सके। लेकिन नहर की साफ-सफाई नही होने से जगह-जगह कचरा जमा हो चुका था और कुछ स्थानों से सीमेन्टीकरण निर्माण नही होने पर उक्त स्थान की मिट्टी बहकर जमा हो चुकी थी। जिसके कारण नहर का पानी टेल क्षेत्र तक नही पहुंच पा रहा था। जिससे किसान परेशान थे, विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में उक्त समस्या को लेकर समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जल संसाधन विभाग के अधिकारी नहर की साफ-सफाई करवा रहे है, हमारी मांग है कि समय-समय पर साफ-सफाई एवं क्षतिग्रस्त स्थानों का मरम्मत कार्य जल्द होना चाहिए।

मेहंदीवाड़ा से झालीवाड़ा बायपास मार्ग खस्ताहाल : गड्ढों एवं कीचड़ से राहगीर परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेंहदीवाडा से झालीवाड़ा बायपास मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खस्ताहाल हो गई है। जहां कीचड़ होने से राहगीरों को परेशान होना पड़ रहा है यह कच्चा मार्ग है जहां जगह जगह छोटे बड़े गड्ढे हो गए हैं जिनमें पानी जमा होने के साथ ही बहुत ज्यादा कीचड़ की स्थिति बनी हुई है। छोटे.बड़े सभी वाहनों को आने.जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, इस दौरान वह अनियंत्रित होकर दुर्घटना ग्रस्त भी हो रहे है। उक्त मार्ग की मरम्मत अति शीघ्र किए जाने या पक्के मार्ग का निर्माण किए जाने की मांग रहागीरो के द्वारा की जा रही है। विदित हो कि यह मार्ग लंबे समय से कच्चा मार्ग बना हुआ है जहां पर व्यवस्थित रूप से मरम्मत नहीं की जा सकी है। जिससे यह स्थिति उत्पन्न हो गई है

यह मार्ग मेहंदीवाड़ा से झालीवाड़ा को जोड़ता है जहां से प्रतिदिन बासी ,अंसेरा ,बकेरा ,बघोली जैसे विभिन्न पंचायत के ग्रामीण सहित विद्यार्थी रोजाना नगर मुख्यालय के लिए आना जाना करते हैं। यह समीप का मार्ग होने के कारण उन लोगों के द्वारा यहां से आना जाना किया

जाता है ,किंतु वर्तमान में बारिश के मौसम के कारण मार्ग पर भयंकर कीचड़ बना हुआ है। जिससे हर किसी को आवागमन करने में परेशानी बनी हुई है। वहीं उक्त मार्ग पर एक नाला स्थित है जहां पर भारी वर्षा के कारण मार्ग का कटाव हो गया है। जहां रात्रि के समय अत्यधिक दुर्घटनाएं घटित हो रही है तो वहीं ग्रामीणों को भी इस दुर्घटनाओं में चोटिल होना पड़ रहा है। ऐसे में हर किसी के द्वारा लंबे समय से मार्ग के पक्के निर्माण की मांग की जा रही है किंतु वर्तमान तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

पक्की सड़क यहां पर अति शीघ्र बननी चाहिए-बसंत निकोसे

राहगीर बसंत निकोसे ने बताया कि इस मार्ग से ग्रामीण क्षेत्र के लिए आना जाना करते है। यह मार्ग कच्चा होने से जगह.जगह कीचड़ हो जाता है आने.जाने में बहुत ज्यादा समस्या होती है प्रारंभ से अंत तक मार्ग में हर जगह दिक्कत है। जबकि यह बहुत पुराना मार्ग है करीब ५० वर्ष से ज्यादा पुराना है मरम्मत होती हुई हमें तो अभी तक समझ नहीं आया किंतु पक्की सड़क यहां पर अति शीघ्र बननी चाहिए। क्योंकि आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्र के लोग इसी मार्ग का उपयोग अपने आवागमन के लिए करते हैं। पक्का मार्ग दूसरा है किंतु वह लंबा पड़ता है और यह कम दूरी का है इसलिए बाईपास के रूप में इसका अधिकतर उपयोग किया जाता है।

बरसात के कारण बहुत ज्यादा गड्ढे हो गए हैं पानी भर जाता है-सुतेश कटरे

सुतेश कटरे ने बताया कि हम इस मार्ग का बहुत ज्यादा उपयोग करते हैं यहां हमारा खेत भी है और नगर मुख्यालय के लिए यह रास्ता सीधा पड़ता है। बरसात के कारण यहां पर बहुत ज्यादा गड्ढे हो गए हैं पानी भर गया है लगातार दुर्घटनाएं हो रही है कई वाहन अनियंत्रित होकर खेतों में उतर जाते हैं। अभी हमारे यहां नाले में बाढ़ आई थी तो बीच में रोड़ बह गई है बहुत ज्यादा रास्ता डैमेज हो गया है मेहंदीवाड़ा सरपंच को इस पर ध्यान देना चाहिए। लगातार हादसे से हो रहे हैं हमारे हिसाब से मार्ग में जो गड्ढे बने हुए हैं उसे मुरुम से भराया जाना चाहिए ताकि तत्काल हो रही समस्या से लोगों को निजात मिल सके।

ग्रेवल रोड़ हमें मिल नहीं रही है पंचायत से तत्काल व्यवस्था की जा रही है-किशोर तामेश्वर

सरपंच प्रतिनिधि किशोर तामेश्वर ने बताया कि बारिश में नाले में बहुत ज्यादा पानी आ गया था जो रोड़ के ऊपर से जाने से पूरा रोड़ खराब हो गया है। दोनों तरफ का रोड़ काटा है अभी वैकल्पिक व्यवस्था बनाते हुए वहां पर मुरुम डाल दी गई है बरसात के बाद पूरे मार्ग की रिपेयरिंग कर दी जाएगी। ग्रेवल रोड हमें मिल नहीं रही है जो भी काम है वह पंचायत से किया जा रहा है।

फर्जी रजिस्ट्री मामले में फरार स्वरूपचंद टेंभरे गिरफ्तार

अपने समधी के घर छिपा था आरोपी न्यायालय ने भेजा जेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा में स्थित आदिवासी महिला की भूमि की अफरा तफरी कर फर्जी रजिस्ट्री के अपराध में फरार आरोपी ६४ वर्षीय स्वरूपचंद टेंभरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश

किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। इसमें बताया जा रहा है कि आरोपी अपने समधी के घर में छिपा हुआ था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा में भूमि प्रार्थी देवकी बाई पिता कुंजीलाल कुमरे उम्र ६० वर्ष भरवेली बालाघाट हाल मुकाम ११ सत्यानंद विहार कॉलोनी रामपुर जबलपुर निवासी की थी। जिसमें मनोज मेश्राम पिता राधोदास उम्र ५३ वर्ष निवासी वार्ड नं.१० खापा के द्वारा कमलाबाई उईके को फर्जी विक्रेता मुनिता परते को फर्जी क्रेता फर्जी आधार कार्ड निर्मित कर स्वयं एवं स्वरुपचंद पिता दशरथ टेंभरे निवासी झालीवाड़ा को गवाह के रूप में प्रस्तुत कर पूरी फर्जी रजिस्ट्री वर्ष २०२३ में षड्यंत्र रचकर धोखाधड़ी और बेईमानी करते हुए की थी। मामले में पुलिस के द्वारा उक्त चारों व्यक्तियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच की गई जिसमें कुछ और आरोपी बढ़ाए गए। इसमें सभी आरोपियों को पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर न्यायलय के माध्यम से जेल भेज दिया गया था। केवल स्वरूपचंद पिता दशरथ टेंभरे झालीवाड़ा निवासी जो फर्जी रजिस्ट्री में पहचानकर्ता के रूप में गवाह बना था वह प्रारंभ से ही फरार चल रहा था। जिसकी पुलिस के द्वारा लगातार तलाश की जा रही थी परंतु कहीं कोई जानकारी नहीं लग रही थी। ऐसे में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि स्वरुपचंद पिता दशरथ टेंभरे उम्र ६४ वर्ष झालीवाड़ा निवासी अपने समधी सेवेन्द्र राणा के निवास पर छिपा हुआ है। जहां पुलिस के द्वारा दबीश देकर उसे गिरफ्तार किया गया जिसे थाना वारासिवनी में लाकर कार्यवाही कर वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया।

सावंगी रेल्वे स्टेशन में 1.30 घंटे खड़ी रही कटंगी गोंदिया ट्रेन

सुधार कार्य के बाद गोंदिया के लिए ट्रेन हुई रवाना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) ।वारासिवनी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत सावंगी के रेलवे स्टेशन में कटंगी गोंदिया ट्रेन ३० अगस्त को अचानक तकनीकी खराबी आ जाने से डेढ़ घंटे स्टेशन पर खड़ी रही। इस दौरान ट्रेन में सवारी यात्रियों को काफी हालकान होना पड़ा तो वहीं उनकी यात्रा में देरी का भी कारण यही बना। इस मार्ग पर बीते लंबे समय से देखने में आ रहा है कि अचानक कटंगी गोंदिया ,गोंदिया कटंगी ट्रेन में तकनीकी फ ाल्ट आ जाता है और ट्रेन पटरी पर खड़ी हो जाती है। यह कोई पहला मामला नहीं है जिससे यात्रियों में काफी आक्रोश व्याप्त है और उनके द्वारा ट्रेनों का संचालन व्यवस्थित रूप से किए जाने की मांग प्रशासन से की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को कटंगी रेलवे स्टेशन से गोंदिया के लिए ट्रेन छुटी थी जो वारासिवनी की ओर आ रही थी। तभी सावंगी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रुकी और बंद हो गई जिसके बाद वह चालू नहीं हो पाई। इस दौरान वारासिवनी बालाघाट गोंदिया सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के लिए सवार यात्रियों को काफी परेशान होना पड़ा जो इधर.उधर भटकते हुए नजर आए। घटना की जानकारी क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल को लगने पर मौके पर उनके द्वारा पहुंचकर जानकारी लेकर अधिकारियों से चर्चा की गई। जहां रेलवे के अधिकारी कर्मचारी पहुंचे और उनके द्वारा ट्रेन में आई तकनीकी खराबी का सुधार कर ट्रेन को गोंदिया के लिए रवाना किया गया। इस दौरान करीब डेढ़ घंटे ट्रेन स्टेशन में खड़ी रही और यात्रियों को अपनी मंजिल पर पहुंचने के लिए लेट होना पड़ा। विदित होगी इसके पहले भी सावंगी रेलवे स्टेशन लखनवाड़ा रेलवे स्टेशन के आसपास या अन्य स्थानों पर तकनीकी खराबी के कारण पटरी पर ही ट्रेन खड़ी हो चुकी है। जहां यात्रियों को ट्रेन से उतरकर प्राइवेट या पब्लिक ट्रांसपोर्ट के माध्यम से आगे का सफर करना पड़ा है। इस प्रकार की समस्याएं लगातार कटंगी गोंदिया मार्ग पर बढ़ती जा रही है जिससे यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। तो वहीं लंबे समय तक इंतजार भी करना पड़ रहा है जिसको लेकर लोग काफी आक्रोश है। उनके द्वारा रेलवे विभाग से इस प्रकार की समस्याओं का निराकरण कर व्यवस्थित रूप से ट्रेन का

विधायक विवेक पटेल ने खैरलाँजी जनपद पंचायत पहुँचकर सुनी जनता की समस्या

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विधायक विवेक पटेल शुक्रवार को खैरलाँजी जनपद पंचायत पहुँचे और किसानो व आम नागरिकों की समस्या सुनी। मौके पर सभी विभाग के अधिकारियो को बुलवाकर त्वरित निराकरण हेतु निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। वहीं विधायक पटेल ने जनपद पंचायत सीईओ वृंदावन मीणा को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रो से समस्या लेकर पहुंचे किसानों से अच्छा व्यवहार करें। उनकी समस्या सुने और जल्द से जल्द उनकी समस्याओं को निराकरण करने का प्रयास करें । वहीं समस्या लेकर पहुंचे किसानों को बार बार कार्यालय ना बुलाए ,बल्कि उनके ग्राम में पहुंचकर उनके समस्या सुनकर तत्काल समाधान करें। इस दौरान नायब तहसीलदार दुलारेलाल परते,जनपद उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद लिल्हारे,पूर्व जनपद अध्यक्ष फेकनलाल डोहरे,देवीप्रसाद लिल्हारे,अमित थोटे, विकास करपगए,बादल सुखदेवे,ज्ञानीराम लिल्हारे,संजय दमाहे, सुभाष क्षीरसागर, योगेश सुलकिया,मन्नू लिल्हारे सहित अन्य ग्रामीणजन मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल को ग्रामीण से लगातार शिकायत मिलने के बाद बीआरसी शंकरलाल भगत को चेतावनी दी की लाफरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई करें। वहीं स्कूल में शिक्षक अपने समय पर पहुंचे और बच्चों की शिक्षा के साथ.साथ उनके अनुशासन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। वहीं बीआरसी शंकरलाल भगत ने ग्राम खैरी के पवारीटोला शासकीय स्कूल में टीचरो की कमी के बारे में विधायक पटेल को अवगत कराया। जिसके बाद विधायक विवेक पटेल ने जिला शिक्षा अधिकारी से इस विषय में बात करने की बात कही। विधायक विवेक पटेल ने कहा की मेरे घर के दरवाजे हमेशा जनता के लिए खुले हैँ मेरे घर के सामने कोई पहरेदार नही रहता है। मुझे जनता ने चुनाव जिताया है मैं जनता का सेवक हूँ। मैं जनता के हर काम करवाने के लिए मैं हमेशा जनता की सेवा कर रहा हूँ। जनता दरबार में बिजली पानी सड़क,घरेलू विवाद आवास योजना जमीनी विवाद सहित अन्य समस्या लेकर पहुंचते हैँ इस सभी समस्याओं को जल्द से जल्द निराकरण करने का प्रयास किया जाता हैँ । मैं खुद जनता के पास जाता हूँ और उनसे पूछता हूँ की ग्राम में क्या काम करवाना हैँ उन्ही के बतायें अनुसार मैं काम करने का प्रयास करता हूँ। लगातार मुझे शिक्षा विभाग से संबधित शिकायते मिल रही थी अधिकारिओ को बुलवाकर समझाइस दिया गया है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर विशेष खेलों का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जवाहर नवोदय विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े ही धुमधाम के साथ मनाया गया। यह दिवस हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष २९ अगस्त को मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्राचार्य रणवीर सिंह के द्वारा मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा

पर माल्यार्पण कर की गई। प्रात: कालीन सभा में विद्यालय के छात्र और छात्राओं के द्वारा खेल का जीवन में महत्व और मनोरंजन के रूप इसकी भूमिका पर प्रस्तुति दी गई । प्राचार्य रणबीर सिंह ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ना केवल भारत के बल्कि पूरे विश्व के महानतम खिलाड़ियों में से एक थे। उनका जीवन खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने अपने खेल कौशल से भारतीय हॉकी को विश्व पटल पर ऊँचाई प्रदान की। हमें उनसे यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि खेल केवल जीत हार का माध्यम नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आपसी भाईचारा और स्वस्थ समाज का भी आधार है। खेल शिक्षक एस के बनिक एवं श्रीमती सुनीता सिंह के मार्गदर्शन में विद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें प्रमुख रूप से कबड्डी, खो खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल क्रिकेट योगा पी टी शामिल रहे। इन खेलों में जूनियर व सीनियर वर्ग के बालक बालिकाओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता दिखाते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। पूरे दिन विद्यालय परिसर खेल भावना और उमंग से सराबोर रहा।

भाजपा की कामकाजी बैठक संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में नगर मंडल के तत्वाधान में ३० अगस्त को भाजपा की कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ,डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ,भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात जिले से प्राप्त निर्देशनुसार शक्ति केंद्र मंडल सहित विभिन्न शाखाओं के पूर्व में किए गए और आगामी समय में होने वाले कार्यों के विषय को लेकर चर्चा की गई। इसमें किस प्रकार से आगामी समय में कार्य किया जाना है इसको लेकर विस्तार पूर्वक जानकारियां भी दी गई। वहीं आगामी समय में मन की बात कार्यक्रम एवं १७ सितंबर से लेकर २ अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाए जाने के लिए रूपरेखा तैयार कर जिम्मेदारी निर्धारित की गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,संदीप मिश्रा ,सुनील पिपरेवार, चिरोंजी पारधी सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रेम हृदय की स्वामिनी - राधा रानी

राधा अष्टमी प्रेम स्वरूपा परम पुनिता किशोरी जी राधा रानी का प्राकट्य दिवस है। ईश्वर की लीला में कृष्ण जन्मोत्सव के आनंद से उल्लासित होने वाले सभी भक्त अब रासेश्वरी ब्रज की महारानी के प्राकट्य दिवस में प्रेम पूर्वक भक्ति की यात्रा की ओर अग्रसर होगें। कहते है श्री कृष्ण की प्रसन्नता राधे-राधे नाम में निहित है। बरसाने वाली राधा रानी तो केवल प्रेम की कृपा बरसाने के लिए प्रकट हुई है। कृष्ण की शक्ति स्वरूपा राधा रानी है। प्रेम स्वामिनी कोमल हृदय से परिपूरित चन्द्रचकोरी राधा प्रेम की अनुभूति ही भक्त के जीवन में प्रदान करती है। जहाँ प्रेम होता है वहाँ ज्ञान नगण्य हो जाता है। गुण-दोष समाप्त हो जाते है। प्रेम एक बंधन नहीं अपितु बंधन से ऊपर सर्वस्व समर्पण है। राधा-कृष्ण का मधुर संगम जीवन में प्रेम की अनुपम धारा को प्रवाहित कर देता है। कृष्ण ब्रज से जाने के पश्चात् कभी प्रेम स्वरूपा राधा को नहीं भूले, उसी प्रकार राधा भी कृष्ण के वियोग के वेदना को ही शिरोधार्य करती रही। कृष्ण के प्रेम को ही राधा अपना सर्वस्व मानती है। ब्रज की महारानी प्रेम को छल से अलग रखने की ओर प्रेरित करती है और निश्छल-निष्काम प्रेम की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। जब कृष्ण ब्रज से गए तो वे किशोरी जी को बाँसुरी भेंट कर के गए और कह कर गए की मेरी स्मृति में तुम यह बाँसुरी बजा लेना। तब श्री राधा रानी ने कहा की कन्हैया की मैं तुम्हे कभी भूलूंगी ही नहीं तो फिर बंसी कब बजाऊँगी। राधा केवल एक नाम नहीं है बल्कि कोमल, माधुर्य एवं प्रेम हृदय की स्वामिनी का एक भाव है, जीवन में प्रेमपूर्वक की गई भक्ति का आनंद प्रवाहित करता है। राधा प्रेम की अभिव्यक्ति है। भावों की सरलता एवं सुंदरता से सुशोभित होती है। राधा की भक्ति में सर्वस्व श्री कृष्ण का निष्काम प्रेम है। राधा के प्रेम की शक्ति के अधीन श्री कृष्ण राधे नाम स्मरण करने से स्वयं भक्त के समक्ष होते है। जिस प्रकार कृष्ण के हृदय में राधे है उसी प्रकार राधे के हृदय में प्रेम स्वरुप श्री कृष्ण विराजमान है। हमें भी अपने जीवन में उस प्रेम के प्रतीक राधे-कृष्ण की जो ?ी को हृदय में विराजमान करना है। उद्धव श्री कृष्ण को ब्रह्म स्वरुप जानते थे और यही ज्ञान वह ब्रज वासियों को देने के लिए ब्रज गए, परन्तु ब्रज में निवासरत सभी के निष्काम प्रेम ने उद्धव के ज्ञान को भी प्रेम की भक्ति में परिवर्तित कर दिया। श्री कृष्ण के प्रति ब्रज वासियों का निश्छल प्रेम कृष्ण के प्रति अपनत्व के भावों ने उद्धव के ज्ञान को उद्वेलित कर दिया। वे समझ गए की जीवन में प्रेम का कितना महत्त्व है। प्रेम की उत्कृष्ट भावों की माला में राधा-कृष्ण का सर्वोच्च स्थान है। वे दोनों एक ही स्वरुप है। कृष्ण प्रत्येक प्राणी को आकर्षित करते है और राधा उनमें प्रेम भाव प्रवाहित करती है, पर राधा के प्रेम में आकर्षण नहीं बल्कि सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा निहित है। उस प्रेम में प्रेमी का कल्याण और हित होता है। वृन्दावन विहारिणी रासेश्वरी कृष्ण की सहचरी नहीं है बल्कि उनकी दिव्य शक्ति स्वरूपा है। अगाध प्रेम की स्वामिनी राधा रानी का प्राकट्य वृषभानु (सूर्य भगवान के अवतार) के यहाँ हुआ, क्योंकि भगवान विष्णु के अवतार विश्व मोहिनी का स्वरुप देखकर सूर्य भगवान के मन में उन्हें पुत्री रूप में प्राप्त करने की इच्छा हुई और ईश्वर तो भक्त के अधीन होते है और प्रभु ने भक्त की इच्छा पूर्ण करने के लिए राधा रानी के रूप में आना स्वीकार किया और भाद्रपद की शुक्ल अष्टमी को राधा रानी का प्राकट्य हुआ। श्री राधा रानी प्रेम, भक्ति और कृपा की अधिष्ठात्री देवी है। राधा के लिए श्री कृष्ण उनका सम्पूर्ण संसार है। निष्काम प्रेम की प्रतिमूर्ति राधे भक्त को हृदय में शांति एवं प्रेम प्रदान करती है। राधा रानी का प्राकट्य हमें शिक्षा देता है कि कृष्ण तक पहुँचने का सबसे सुलभ मार्ग निश्छल एवं निष्काम प्रेम है, प्रभु उसी के अधीन होते है। राधा रानी के प्रेम में सर्वस्व समर्पण था कोई अपेक्षा नहीं थी। राधा अष्टमी कोई धार्मिक तिथि या त्यौहार नहीं है बल्कि यह प्रेम और करुणा से ईश्वर की साधना का सर्वोच्च समय है। राधा का प्राकट्य श्री कृष्ण की भक्ति को परिपूर्णता प्रदान करने के लिए ही हुआ है, जिससे प्रेम के बीज का अंकुरण हृदय में होता है।

आज का युवा तकनीकी रूप से आधुनिक है, लेकिन मानसिक स्तरपर अक्सर पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित है

भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। इसकी जड़ें हज़ारों वर्षों पुरानी परंपराओं, ज्ञान और संस्कृति में गहराई से जुड़ी हुई हैं।यहाँ वेद, उपनिषद,पुराण,महाभारत,रामायण योग,आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, खगोलशास्त्र और गणित जैसी महान धरोहरें विकसित हुईं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि यही वह परंपरा थी जिसने भारत को 'विश्वगुरु' का दर्जा दिलाया। लेकिन दुर्भाग्य यह रहा कि औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा प्रणाली, संस्कृति और इतिहास को इस प्रकार प्रस्तुत किया कि भारतीय अपनी ही जड़ों से कटते चले गए। आजादी के इतने वर्षों बाद भी हम अपने युवाओं को अपनी वास्तविक पहचान नहीं बता पाए हैं। जब तक यह स्थिति बनी रहेगी,तब तक हम उसीमानसिक गुलामी में जीते रहेंगे,जिसे अंग्रेज हम पर थोप कर गए थे।भारत का ज्ञान-सागर अनंत है। वैदिक साहित्य केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं थे, बल्कि उनमें जीवन के प्रत्येक पहलू से जुड़ा विज्ञान समाहित था। उपनिषदों ने आत्मा, ब्रह्म और जीवन के गूढ़ रहस्यों की खोज की।आयुर्वेद ने चिकित्सा को प्रकृति के साथ जोड़ा, जहाँ रोग निवारण के साथ-साथ जीवन जीने की कला भी सिखाई गई। सुश्रुत को शल्य चिकित्सा का पिता कहा गया, वहीं चरक ने संपूर्ण चिकित्सा शास्त्र को व्यवस्थित किया।गणित के क्षेत्र में आर्यभट, वराहमिहिर और भास्कराचार्य ने शून्य, दशमलव, ग्रहों की गति और खगोल विज्ञान पर अद्वितीय कार्य किए। योग की परंपरा ने शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने का मार्ग दिखाया। यदि यह सब हम अपने युवाओं को सिखाएँ, तो वे केवल पश्चिमी विज्ञान और संस्कृति के अनुयायी नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े हुए आत्मनिर्भर व्यक्तित्व बनेंगे। साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति की विशेषताओं की करें तो,भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता और समन्वय है। यहाँ अलग- अलग धर्म, जातियाँ, भाषाएँ और परंपराएँ हैं,फिर भी यह विविधता 卐एकता卐 के सूत्र में बंधी हुई है। गंगा-जमुनी तहज़ीब से लेकर बौद्ध, जैन,सिख और संत परंपरा तक, हर युग ने भारतीय संस्कृति को और अधिक समृद्ध किया। परिवार व्यवस्था,गुरु-शिष्य परंपरा और सामूहिक जीवन की अवधारणा ने समाज को एकजुट रखा। कला, संगीत, नृत्य और साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन जीने की प्रेरणा रहे।युवाओं को यदि यह बताया जाए कि उनकी संस्कृति कितनी व्यापक और गहन है, तो उनमें आत्मगौरव की भावना पैदा होगी और वे किसी विदेशी संस्कृति के प्रभाव में आसानी से नहीं बहेंगे। साथियों बात अगर हम अंग्रेजों द्वारा थोपी गई मानसिकता की करें तो, अंग्रेजों ने भारत को केवल राजनीतिक रूप से ही गुलाम नहीं बनाया,बल्कि मानसिक औरसांस्कृतिक गुलामी भी थोपी।卐मैकॉले की शिक्षा प्रणाली卐का मुख्य उद्देश्य था कि भारतीय ऐसे लोग बनें,जो रंग- रूप से भारतीय हों लेकिन सोच और मानसिकता से अंग्रेज। इसके लिए उन्होंने पारंपरिक शिक्षा प्रणाली को ध्वस्त किया और अंग्रेजी माध्यम को श्रेष्ठ बनाकर प्रस्तुत किया। भारतीय भाषाओं, साहित्य और दर्शन को पिछड़ा और अवैज्ञानिक कहकर तिरस्कृत किया गया। इतिहास को इस तरह से लिखा गया कि विदेशी आक्रांताओं को महिमा मंडित किया गया और भारतीय उपलब्धियों को या तो छोटा कर दिया गया या नकार दिया गया। इस कारण पीढ़ी दर पीढ़ी भारतीय युवाओं का अपनी परंपरा पर विश्वास कमजोर होता चला गया। साथियों बात अगर हम युवाओं पर पश्चिमी प्रभाव की करें तो, आज का युवा तकनीकी रूप से आधुनिक है, लेकिन मानसिक स्तर पर अक्सर पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित होता है।पश्चिमी फैशन, भोजन,संगीत,सिनेमा और जीवनशैली उसे आकर्षित करते हैं। अंग्रेजों द्वारा थोपी गई मानसिकता का असर आज भी है,जहाँ कई युवा भारतीय परंपरा को पिछड़ा समझते हैं,उन्हें यह बताया ही नहीं गया कि हमारी संस्कृति कितनी महान और वैज्ञानिक है। यदि किसी युवा को यह ज्ञान न हो कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आत्मविकास का साधन है,तो वह इसे पश्चिमी जिम संस्कृति से तुलना करके ही देखेगा।इसी प्रकार, यदि उसे आयुर्वेद की शक्ति नहीं बताई जाएगी,तो वह केवल आधुनिक दवाइयों पर ही जिंदगी भर निर्भर रहेगा। साथियों बात अगर हमपरंपरा से कटाव के दुष्परिणामों की करें तो,जब युवा अपनी परंपरा और संस्कृति से कट जाते हैं, तो सबसे बड़ा नुकसान उनकी पहचान को होता है।वेआत्मगौरव खो देते हैं और किसी विदेशी संस्कृति का अंधानुकरण करने लगते हैं।समाज में नैतिक मूल्यों का क्षरण होता है और परिवार व्यवस्था कमजोर पड़जाती है। उपभोक्तावाद और भौतिकवाद जीवन का अंतिमलक्ष्य बन जाता है। ऐसे में राष्ट्र की सामूहिक चेतना भी कमजोर होती है। यदि हम युवाओं को अपनी जड़ों से नहीं जोड़ पाए, तो भविष्य की पीढ़ियाँ भारतीय होने पर गर्व करना ही भूल जाएँगी और केवल वही रूप देखेंगी, जो अंग्रेज उन्हें दिखाकर गए थे। साथियों बात अगर हम युवाओं तक परंपरा पहुँचाने की आवश्यकता की करें तो,युवाओं तक परंपरा और संस्कृति पहुँचाने का कार्य केवल शिक्षा संस्थानों का ही नहीं,बल्कि परिवार, समाज और मीडिया का भी है।विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों के साथ पढ़ाया जाए।परिवार में बच्चों को कहानियों,पर्व-त्योहारों और अनुष्ठानों के माध्यम से संस्कृति का अनुभव कराया जाए। मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रस्तुत करने के लिए किया जाए। यदि यह काम व्यवस्थित ढंग से किया जाए, तो युवा अपनी संस्कृति से जुड़ेंगे और अपने भविष्य को उसी आधार पर गढ़ेंगे। साथियों बात अगर हम परंपरा और आधुनिकता का संतुलन की करें तो,युवाओं को यह समझाना होगा कि परंपरा का मतलब पुराने ढर्रे पर अटक जाना नहीं है। आधुनिकता और परंपरा में टकराव नहीं, बल्कि संतुलन आवश्यक है। हमें आधुनिक विज्ञान और तकनीक को अपनाना चाहिए, लेकिन साथ ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी मजबूती से थामे रहना चाहिए। योग और आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के साथ जोड़ना,भारतीय भाषाओं को तकनीक के साथ विकसित करना,और प्राचीन दर्शन को आधुनिक समस्याओं केसमाधान से जोड़ना इसी संतुलन का उदाहरण है। यह संदेश युवाओं को देना होगा कि वे आधुनिक बनें, लेकिन अपनी पहचान और संस्कृति को भूले नहीं। साथियों बात अगर हम भविष्य की राह की करें तो भारत का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर है। यदि युवा अपनी परंपरा और संस्कृति से जुड़ेंगे,तो वे आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता के साथ राष्ट्र निर्माण करेंगे। यदि वे केवल पश्चिमी ढांचे में ढलेंगे, तो उनकी सोच भी पराधीन रहेगी। इसलिए अब यह समय है कि हम युवाओं को अपने गौरवशाली अतीत से परिचित कराएँ। स्कूलों में भारतीय इतिहास और परंपरा को सही स्वरूप में पढ़ाया जाए, विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा पर शोध हो, और समाज में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाई जाए। तभी भारत पुन: विश्वगुरु की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। इसलिएजब तक हम युवाओं को अपनी हज़ारों साल पुरानी परंपरा, ज्ञान और संस्कृति को नहीं बताएँगे, हम वैसे ही रहेंगे जैसे अंग्रेजों ने हमें दिखाए हैं卐,यह कथन केवल एकचेतावनी नहीं, बल्कि हमारे लिए मार्गदर्शन है। युवाओं को यदि अपनी पहचान का ज्ञान नहीं होगा, तो वे कभी भी आत्मगौरव महसूस नहीं करेंगे।आज आवश्यकता है कि हम अपनी शिक्षा प्रणाली, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक गतिविधियों में इस चेतना को जगाएँ। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़े होंगे, तभी भारत वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनेगा। तभी हम अंग्रेजों की बनाई हुई छवि से बाहर निकलकर अपनी असली पहचान पा सकेंगे। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आज का युवा तकनीकी रूप से आधुनिक है,लेकिन मानसिक स्तरपर अक्सर पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित है।भारत का ज्ञान- सागर अनंत है,वैदिक साहित्य केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं थे,बल्कि उनमें जीवन के प्रत्येक पहलू से जुड़ा विज्ञान समाहित था,जब तक हम युवाओं को अपनी हज़ारों साल पुरानी परंपरा,ज्ञान और संस्कृति को नहीं बताएँगे, हम वैसे ही रहेंगे जैसे अंग्रेजों ने हमें दिखाए हैं।

-किशन सनमुखदास भावनानी

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदीरी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे।

आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके।

निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है।

जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन् 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे ब ?ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी।

हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक 'पैसिव खिलाड़ी' से 'ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है।

भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रूवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विस्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर 'क्वाड' को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है। इससे चीन की एकध्रूवीय शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगता है।

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ बाधाओं ने भारत-जापान को विकल्प खोजने पर मजबूर किया है। दोनों देश मिलकर 'चीन-प्लस-वन' रणनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, यानी चीन पर निर्भरता कम करके एशिया और अफ्रीका के नए बाजारों में निवेश और उत्पादन केंद्र बना सकते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संतुलित होगी। जापान भारत में बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। भारत की युवा कार्यशक्ति और जापान की तकनीकी दक्षता मिलकर नवाचार और टिकाऊ विकास का मॉडल पेश कर सकती है। यह मॉडल पश्चिमी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी अर्थशास्त्र से भिन्न होगा। दोनों देशों के बीच संबंध केवल रणनीति या व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि साझा मानवीय मूल्यों से नैतिक गहराई प्रदान करने का आधार भी है। यह मित्रता 'सॉफ्ट पावर' के रूप में भी वैश्विक शांति को आधार देगी। यह न तो किसी आक्रामक गठबंधन का रूप है और न ही केवल आर्थिक लाभ का गणित। बल्कि यह लोकतंत्र, शांति, प्रौद्योगिकी और मानवता पर आधारित एक नए वैश्विक युग की नींव है। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि मोदी की दो दिवसीय यह यात्रा न सिर्फ भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई देने का मौका होगी बल्कि एशियाई कूटनीति में भारत की भूमिका को और मजबूत करेगी। भारत-जापान का नया दौर विश्व को दो संदेश देता है कि शक्ति का संतुलन केवल सैन्य बल से नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और नैतिक मूल्यों से बनेगा। एशिया का भविष्य भारत और जापान की साझेदारी से निर्धारित होगा, जो दुनिया को स्थिरता और संतुलन की दिशा देगा।

-ललित गर्ग

पर्यावरणीय मंजूरी विवाद की जमीनी स्थिति

मध्यप्रदेश राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (सिया) की कार्यशैली को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मई 2025 में, सिया ने एक दिन में ही 450 परियोजनाओं को मंजूरी देकर स्वीकृत कर दिया गया था। जबकि आवश्यकता अनुसार साझी बैठक बुलाना अनिवार्य था। इस प्रक्रिया में बैठक आयोजित नहीं की गई, फाइलें जानबूझकर लंबित रखी गईं, और समय सीमा समाप्त होने पर स्वीकृति अपने आप मान ली गई,जो नियमों का उल्लंघन है।इसमें 200 से अधिक परियोजनाएं खनन विभाग से संबंधित थीं, जिसमें भ्रष्टाचार की गंभीर आशंका है। पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के अनुसार, पर्यावरणीय मंजूरी के लिए संबंधित प्राधिकरण की सामूहिक बैठक आवश्यक है। यह नियम पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। तकनीकी मूल्यांकन, जन-सुनवाई जैसी प्रक्रियाओं की अनदेखी हुई। कई मामलों में खनिज की मात्रा या नाम तक बदल दिए गए ताकि गैरकानूनी कृत्यों को कानूनी रूप दिया जा सके।आरोप है कि इस पूरा मामला खनन माफिया और दलालों को फायदा पहुंचाना था। अधिकारियों ने अनुमति प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सिया की स्वायत्तता कमजोर करने का प्रयास किया गया है।अन्य परियोजनाओं की मंजूरी पर भी विवाद उठी—जब सहमति से ये मंजूरियां दी गईं, तब सदस्य सचिव ने असहमति जताई और प्रक्रिया को अवैध करार दिया। 28 मार्च से 21 अप्रैल 2025 तक सिया में कोई बैठक नहीं हुई, सैकड़ों फाइलें लंबित रहीं। अप्रैलक्कमई 2025 में केवल तीन बैठकें हुई—लेकिन इनमें भी अधिकांश स्वीकृतियां सदस्य सचिव ने अकेले दी। सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान ने इन फर्जी मंजूरियों को उजागर किया, कई बार बैठक बुलाने का अनुरोध किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को पत्र भेजकर इस प्रक्रिया को गैरकानूनी बताया। साथ ही एफआईआर दर्ज करने की मांग की। चेयरमैन एसएनएस चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया को दर किनार कर 237 परियोजनाओं को पर्यावरणीय स्वीकृतियां दें दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सिया की सदस्य सचिव उमा महेश्वर और पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत कोठारी ने मिलकर प्राधिकरण की बैठकों में देरी की, ताकि खनन माफियाओं को फायदा पहुंचाया जा सके। आरोप है कि इसके लिए सिया की अनिवार्य मूल्यांकन प्रक्रिया को भी दरकिनार कर कई प्रोजेक्ट्स को बिना अधिकार स्वीकृति दे दी। 24 जुलाई 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव प्रधान सचिव को नोटिस जारी किया। यह नोटिस 237 अवैध पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर जारी किया गया था, जहां सदस्य सचिव द्वारा सिया को बायपास कर स्वीकृतियां दी गई थी। कोर्ट ने पूछा कि ये मंजूरियां बिना सिया की बैठक के कैसे दी गईं, और उनसे दो सप्ताह में जवाब मांगा गया।इस मामले पर विगत सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने मामले को बहुत गंभीर माना और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।इस मामले में कोर्ट ने टिप्पणी किया है कि आईएएस अधिकारी पर्यावरण स्वीकृति जारी करेंगे, तो फिर राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण की स्वतंत्र संस्था होने का क्या मतलब रह जाएगा?

राज्य पर्यावरण प्रभाव प्राधिकरण के गठन की पृष्ठभूमि

मध्य प्रदेश राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण को भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उप-नियम (3) के तहत पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के अन्तर्गत अधिसूचित किया है, जिसमें नई परियोजनाओं या गतिविधियों पर कुछ प्रतिबंध और निषेध लगाए गए हैं, मौजूदा परियोजनाओं और गतिविधियों के विस्तार या आधुनिकीकरण पर उनके संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करना है। अधिसूचना के तहत, कुछ नई परियोजनाओं, मौजूदा परियोजनाओं के विस्तार या आधुनिकीकरण के लिए, उनके पर्यावरणीय प्रभाव की क्षमता के आधार पर, पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करना अनिवार्य है। अधिसूचना की अनुसूची में श्रेणी क के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए, भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पर्यावरणीय मंज़ूरी आवश्यक है।जबकि श्रेणी ख के अंतर्गत आने वाले मामलों के लिए, गतिविधियों की सीमा के आधार पर, राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए) से मंज़ूरी आवश्यक है। अधिसूचना में प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण हेतु पर्यावरणीय मंज़ूरी प्रदान करने एक राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन प्राधिकरण (सिया) के गठन का प्रावधान है। सिया की सहायता के लिए, एक राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) का गठन किया गया है। विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति परियोजनाओं की जांच करेगी और पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान करने पर निर्णय लेने हेतु अपनी सिफ़ारिशें सिया को भेजेगी। पर्यावरण आंकलन अधिसूचना को पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986 के अन्तर्गत सबसे पहले 1994 में जारी किया गया था।इसके पहले यह कार्य महज प्रशासनिक जरूरत होता था। लेकिन 27 जनवरी 1994 में पर्यावरण प्रभाव नोटीफिकेशन के जरिये एक विस्तृत प्रकिया शुरू किया गया।इस नोटीफिकेशन के अन्तर्गत 32 औधोगिक एवं विकासात्मक परियोजनाओं को शुरू करने के लिए केन्द्र सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया गया।जिसमें बडे बांध, माइंस, एयरपोर्ट, हाइवे,समुद्र तट पर तेल एवं गैस उत्पादन, पेट्रोलियम रिफाइनरी, कीटनाशक उधोग, रसायनिक खाद, धातु उधोग, थर्मल पावर प्लांट, परमाणु उर्जा परियोजना आदि शामिल है।परियोजनाओं को एक विस्तृत प्रकिया से गुजरना आवश्यक बनाया गया।जिसके तहत पर्यावरण प्रभाव निर्धारण रिपोर्ट (ई.आई.ए) तैयार कर सार्वजनिक करना एवं जन सुनवाई महत्वपूर्ण माना गया।ई.आई.ए रिपोर्ट अंग्रेजी तथा प्रादेशिक और स्थानिय भाषा में जिला मजिस्ट्रेट, पंचायत व जिला परिषद, जिला उधोग कार्यालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय में उपलब्धता सुनिश्चित करना अनिवार्य किया गया।इसका मुख्य उद्देश्य था कि सभी विकास परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों का केवल सही- सही आंकलन ही न हो बल्कि इस आंकलन प्रकिया में प्रभावित समुदायों का मत भी लिया जाए और उसी के आधार पर परियोजनाओं को पर्यावरण मंजूरी देना या नहीं देने का फैसला लिया जाए।इस अधिसूचना के अन्तर्गत ही प्रभावित क्षेत्रों में पर्यावरणीय जन सुनवाई जैसा महत्वपूर्ण प्रावधान रखा गया है।किसी भी परियोजना को मंजूरी देने से पहले उसके प्रभावों को पैनी नजर से आंकने और जांचने के रास्ते भी खुले और निर्णय प्रकिया में जनता की भूमिका भी बढी।इस प्रकिया में परियोजना चार चरणों से गुजरती है।जब परियोजना निर्माता आवेदन करता है, उसे टर्म्स ऑफ रेफरेंस प्रतीक्षारत अवस्था कहते हैं।इसके बाद एक विशेषज्ञ आकलन समिति द्वारा परियोजना की छानबीन की जाती है।छानबीन के अन्तर्गत पर्यावरण प्रभाव आंकलन हेतु बिंदु (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) तैयार किए जाते हैं।इसी के साथ परियोजना टर्म्स ऑफ रेफरेंस स्वीकृत अवस्था में आ जाती है।पर्यावरण प्रभाव आंकलन का मसौदा तैयार होने के बाद जन सुनवाई आयोजित की जाती है।

-राज कुमार सिन्हा

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। पूछपरख सामान्य रहने से शनिवार को अनाज मंडी में चना मजबूत बना रहा। मसूर में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में व्यापार टिकाव पर रहे। तिलहनों में सरसो बनी रही। किराना जिंसों में टिकाव रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख सामान्य रहने से बाजार मजबूत बने रहे। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार विशेष का अभाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 4550 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। उधर, किराना जिंसों में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4280, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1360-1370, मुम्बई 1380-1385, राजकोट तेलिया 2165-2175, सोया साल्वेंट 1160-1170, सोया रिफाइंड 1225-1230, कपास्या 1270, धूलिया 1275, कड़ी 1275,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1290-1295,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4550, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6150-6200, एवरेज 6050-6100, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-6000, मूंग देशी 7600-7700, पाला 7700-7800, चमकी 7800-7900, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 122500, चॉंदी (99) 122400, टंच 121600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 105600,

भारत की आर्थिक वृद्धि दर उम्मीद से बेहतर 7.8 फीसदी रही

नई दिल्ली। सरकार द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जो उम्मीद से बेहतर और हाल की पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि दर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाए जाने से पहले की अवधि की उच्चतम वृद्धि को दर्शाती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों में यह सामने आया है कि कृषि क्षेत्र में इस तिमाही में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की 1.5 प्रतिशत वृद्धि से बेहतर है। इस क्षेत्र की मजबूत वृद्धि ने समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं, व्यापार, होटल और रियल एस्टेट जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी जीडीपी वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मेष- आज का दिन कारोबार में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपनी आय-व्यय को ध्यान में रखकर व्यय करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी आय बढ़ने से खुशी होगी। आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है। आप किसी से काम को लेकर कोई मदद मांगेंगे, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। विद्यार्थियों का पठन-पाठन में खूब मन लगेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आपके बॉस से आपकी कहासुनी हो सकती है। आपके सहयोगी आपके किसी काम को लेकर मदद करेंगे, जिससे वह काम आसानी से पूरा हो जाएगा। आप अपने घर के लिए किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम की खरीदारी कर सकते हैं।

मिथुन- आज आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे और सरकारी मामलों में कोई काम था, तो उसे पूरा होने में थोड़ा देरी होगी। आप यदि किसी संपत्ति के खरीद-फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह डील फाइनल हो सकती है। आपको अपने पर्सनल कामों को लेकर किसी अजनबी से कोई सोच विचार नहीं करना है। आप अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सेहत पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ समस्याएं हो सकती हैं। आप अपने मन में किसी काम को लेकर नकारात्मक विचारों को ना लाएं। नौकरी में बदलाव के योग बनते दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। आप संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिलाने की तैयारी कर सकते हैं।

सिंह- आज का दिन किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होगी। कानूनी मामले में आपको जीत मिलने से खुशी देगा। आप यदि प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं, तो आपको किसी बड़ी डील के मिलने से आपकी आय भी बढ़ेगी और आप अपने खर्चों को आसानी से कर पाएंगे। आपके मन में कुछ नया करने के लिए उथल-पुथल लगी रहेगी।

कन्या- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए कुछ कठिनाइयां लेकर आएगा। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपके पिताजी यदि आपको कोई जिम्मेदारी दें, तो आप उसमें ढील बिल्कुल ना दें। आपको अपने पारिवारिक मामलों को लेकर भी समझदारी दिखानी होगी। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर निराशा हाथ लगेगी। आपका मन भी परेशान रहेगा। यदि आपने बिना सोचे समझे किसी योजना में धन लगाया, तो उसके डूबने की संभावना है। आपको कार्यक्षेत्र में कामों में परिवर्तन करना होगा। आपको अपनी संतान की सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतनी होगी। आपने यदि किसी अजनबी पर भरोसा किया, तो वह आपको धोखा दे सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपके मन में खुशियां भरपूर रहेंगी। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आप अपनी सेहत के प्रति सचेत रहें। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

धनु- आज आपके मन में किसी बात को लेकर टेंशन बनी रहेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आप अपने कामों को लेकर जल्दबाजी दिखाएंगे, जिससे उनमें कोई गड़बड़ी हो सकती है। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए सुख-साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे लोगों के लिए दिन बढ़िया रहेगा। आप अपने कामों को लेकर किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। कोई कानूनी मामला आपको थोड़ी टेंशन देगा, जिसके लिए आपको किसी अच्छे वकील से बातचीत करनी होगी। आप अपने घर में जरूरत की चीजों की खरीदारी पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे।

कुंभ- आज के दिन आप कामों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। आपका आत्मविश्वास भी कमजोर रहेगा। आपके मन में किसी काम को लेकर संशय हो, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़ें। माताजी की सेहत में गिरावट आने से आपको सावधानी बरतनी होगी और खर्चों में वृद्धि होगी। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाएंगे। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने से खुशी होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर बेवजह क्रोध न करें। परिवार के सदस्यों में यदि किसी बात को लेकर कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप माहौल को शांत करने की कोशिश करें। आप अपने बिजनेस में किसी काम को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे, जिसके लिए आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह की आवश्यकता होगी। राजनीति की ओर कार्यरत लोगों की छवि ओर निखरेगी, उन्हें किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती है।

शब्दजाल - 8006

शब्द जाल में 1982 में प्रदर्शित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

आ	धा	र	शि	ला	का	धि	का	र	प	गो
धा	म	क	म	इं	डो	बा	ग	ति	मा	ला
र	दा	ने	ला	मा	ग	जा	द	अ	शां	ति
सि	ग	ल	सा	जा	न	र	ध	प	लि	अ
त	अ	अ	र	म	न	मे	ह	मा	न	ग्नि
अ	ना	का	र	व	ने	का	त	न	र	प
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	री
र	बे	मि	सा	ल	प	स	अं	ल	वि	क्षा
क	जु	बा	अ	लं	का	र	गू	न	जू	दे
र	बा	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
बां	न	ल	प	ब	गा	व	त	प	र	र

आमने सामने, अंगूर, अशांति, बाजार, आधारशिला, अग्नि परीक्षा, अपमान, बगावत, बेमिसाल, बेजुबान

शब्दजाल - 8005 का हल

म	अ	बे	ता	ब	ब	आ	खू	ग	ल	मु
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	न	ज	कां	ल
चु	मे	ष	दु	दी	छ	मि	ब	ब	वृ	जि
म	नौ	ब	न	नि	वा	स	हा	ल	ष	म
र्द	आ	मी	ल	म	या	न	गं	न	खु	च
य	ल	न	च	रा	क	ली	गा	ण	द	र
द	स	नी	ग	मे	न	र	में	बा	ग	स
क	सू	ऊ	ई	द	ली	क	फ	चो	र्ज	क
रा	म	र्य	ला	रा	म	की	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	वं	लि	जी	कुं	शा	म	प	द
आ	ई	ना	कें	शी	क	र्त	य	दी	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6950

1		2	■	3	■	4		5	
	■	6					■		■
7	8		■		■	9		■	10
■		■	11		12	■	■	13	
14		■		■	15	16		■	
	■	17		18			19	20	
■	21		■		■	22			■
23		■	24			■		25	26
■	27		■		■		28	■	
29		■	30					■	

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑंखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6949

ब्लै	क	मे	ल	■	जं	■	बे	व	फा
क	■	ला	ल	बं	ग	ला	■	जू	■
■	ही	■	का	■	ली	■	ग	द	र
मे	रा	ध	र	म	■	रा	ज	■	पता
हं	■	र्मा	■	ह	वा	■	ब	हा	र
दी	दी	■	दि	ल	दा	र	■	सि	■
■	दा	मु	ल	■	■	मा	ई	ल	व
सु	र	■	से	ह	रा	■	■	■	फा
हा	■	य	■	व	■	ज	या	प्र	दा
ग	र्दि	श	■	स	त्या	■	दें	■	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8474

1	2		3		■	4	5	
6		■		■	7			■
	■	8		9	■		10	
11			■	12		13		■
■			■		■			14
■	15			■		16		■
17		■		18	19	■		■
■	20	21		■			22	
23			■	24				

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8473 का हल

[illegible]	[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

31 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2025 वर्ष का 243 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 17.27 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 15.59 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 11.55 बजे तदनन्तर बव 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 7.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 08° 37' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872453 **जूलियन दिन** 2460918.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 07 **विशेष** गौरी आवाहन, राधा अष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत आरंभ, दूर्वा अष्टमी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.57 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	09.08 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.22 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.38 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.43 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.30 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.03 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.33 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.13 बजे से
		मिथुन	00.11 बजे से
		कर्क	02.25 बजे से
		सिंह	04.41 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः चित्रकार की उदारता

इंग्लैंड की रॉयल अकादमी के हॉल को चित्रों से सजाने की योजना बनाई गई। इसके लिए देश-विदेश के चित्रकारों को अपने श्रेष्ठतम चित्र भेजने को कहा गया। कुछ ही दिनों में अकादमी के पास चित्रों का ढेर लग गया। अकादमी की विशेषज्ञ समिति इन चित्रों का अवलोकन करती और अच्छे चित्र छांटकर हॉल की दीवार पर लगा देती। अंत में चित्र लगाने के सारे स्थान भर गए, लेकिन छांटे गए सुंदर चित्रों में से एक बचा रह गया। इसे एक युवा चित्रकार ने बनाया था। चित्र में नयापन था और रंगों का बेहतरीन इस्तेमाल किया गया था। विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य ने चित्र की बारीकियों पर ध्यान देते हुए कहा, 'चित्र तो वाकई खूबसूरत है, मगर इसे लगाने के लिए हमारे पास कोई जगह ही नहीं बची है, इसलिए इसे ससम्मान वापस कर दिया जाए।' इंग्लैंड के विख्यात चित्रकार टर्नर भी विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। उन्होंने कहा, 'अभी जगह भरी नहीं है। अब भी एक स्थान बचा हुआ है, जहां यह चित्र लगाया जा सकता है।' समिति के सदस्यउन्हें आश्चर्य से देखने लगे। टर्नर उठे और उन्होंने अपना चित्र उतार कर उसकी जगह उस युवा चित्रकार की पेंटिंग लगा दी। हालांकि टर्नर का चित्र उस युवा चित्रकार की पेंटिंग से बहुत अच्छा था। टर्नर ने कहा, 'युवा चित्रकार को प्रोत्साहन मिलना चाहिए, क्योंकि इससे दुनिया को एक महान कलाकार मिलने की राह खुलती है।' युवा चित्रकार को इस सचाई का पता बहुत बाद में चला। काफी प्रसिद्ध होने के बाद भी वह आजीवन अपनी सफलता का श्रेय टर्नर को ही देता रहा।

सूडोकु नवताल- 7259

मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7258 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

सेंसेक्स और निफ्टी में 1.8 फीसदी की गिरावट रही

नई दिल्ली। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट का रुख देखा गया। गणेश चतुर्थी के कारण 27 अगस्त को बाजार बंद रहने के चलते केवल चार कारोबारी दिन थे। इन चार दिनों में बाजार ने मिले-जुले प्रदर्शन के बाद कुल मिलाकर लगभग 1.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। सप्ताह की शुरुआत अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और आईटी सेक्टर में खरीदारी के चलते सकारात्मक रही, लेकिन अमेरिका की ओर से भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की मसौदा अधिसूचना जारी होने के बाद बाजार में दबाव बढ़ गया। सप्ताह के पहले दिन सेंसेक्स 285 अंक चढ़कर 81,635 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 91 अंक की बढ़त के साथ 24,967 पर बंद किया। हालांकि, मंगलवार को अमेरिकी टैरिफ की घोषणा के बाद सेंसेक्स 849 अंक गिर गया और निफ्टी भी 255 अंक नीचे आ गया। गुरुवार को भी वैश्विक व्यापार तनाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी क्रमशः 705 और 211 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। निवेशकों में अमेरिकी आर्थिक नीतियों और व्यापार बाधाओं को लेकर चिंता स्पष्ट रूप से देखी गई। शुक्रवार को बाजार ने थोड़ी मजबूती दिखाई और सेंसेक्स 197 अंक ऊपर खुला, लेकिन अंत में 271 अंक गिरकर 79,809 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 74 अंक गिरकर 24,426 पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं भारतीय शेयर बाजार पर दबाव बना रही हैं। निवेशक अब आगामी सप्ताह में फेडरल रिजर्व की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा पर नजर बनाए हुए हैं, जो बाजार के अगले रुझान को प्रभावित कर सकते हैं।

रूस और वेनेजुएला से अटकी रकम की वसूली की उम्मीद में ओवीएल

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की विदेशी इकाई ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) को रूस और वेनेजुएला से अपनी करीब 95 करोड़ डॉलर की अटकी हुई रकम की वसूली की उम्मीद है। कंपनी को यह राशि वहां की तेल एवं गैस परियोजनाओं से हुए लाभांश और हिस्सेदारी से मिलनी है, जो बैंकिंग प्रतिबंधों और राजनीतिक कारणों से फंसी हुई है। ओवीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रूस में ओवीएल की परिसंपत्तियों से मिला लगभग 35 करोड़ डॉलर का लाभांश जुलाई 2022 से फंसा हुआ है। यह राशि रूस के बैंकिंग प्रतिबंधों के कारण भारत स्थानांतरित नहीं हो पा रही, हालांकि वहां संचालन सामान्य रूप से चल रहा है। इसके अलावा वेनेजुएला में ओवीएल की सान क्रिस्टोबल परियोजना में 40 फीसदी हिस्सेदारी है, जहां से लगभग 60 करोड़ डॉलर की राशि मिलनी है। लेकिन अमेरिका सहित कई देशों द्वारा लगाए गए अर्थिक प्रतिबंधों के कारण यह रकम अटकी हुई है। कंपनी ने इन प्रतिबंधों से छूट की मांग की है ताकि बकाया वसूला जा सके। उन्होंने कहा ?कि जब तक रूसी तेल वाणिज्यिक रूप से लाभदायक रहेगा और भारतीय रिफाइनरियों की आवश्यकताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक उसकी खरीद जारी रहेगी। ओवीएल को उम्मीद है कि निकट भविष्य में बैंकिंग चैनलों के खुलने और राजनयिक प्रयासों से यह वित्तीय संकट सुलझ सकेगा।

टैरिफ का दिखाने लगा असर....कानपुर से जाने वाले कंटेनरों की मांग कम हुई

कानपुर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ लगाने का कानपुर के निर्यात पर असर पड़ा है, जिससे कंटेनर भाड़े में कमी आई है। यूपी के कारोबारी शहर कानपुर से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 40 प्रतिशत की गिरावट के कारण, कंटेनरों की मांग कम हुई है। इसका सीधा असर भाड़े पर पड़ा है। पहले जो भाड़ा 2,500 डॉलर प्रति कंटेनर था, वह अब घटक 2,200 डालर हो गया है। इस कमी का फायदा या विक्रेता को मिलेगा या फिर खरीदार को, यह इस बात पर निर्भर करता है कि भाड़ा कौन चुका रहा है। पहले कानपुर से अमेरिका और उसके पड़ोसी देशों में हर महीने करीब 50 कंटेनर भेजे जाते थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर केवल 30 कंटेनर रह गई है। यह एक महत्वपूर्ण गिरावट है जो कानपुर के निर्यातकों के लिए चिंता का विषय है। अच्छी बात यह है कि कानपुर का निर्यात सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। यह अन्य देशों में भी होता है, जिस कारण यहाँ श्रमिकों पर फिलहाल कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। हालांकि, जिन जिलों का निर्यात पूरी तरह से अमेरिका पर निर्भर है, वहाँ स्थिति अधिक गंभीर है। इस समस्या से निपटने के लिए कानपुर के निर्यातक अब नए देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करने के विकल्प तलाश रहे हैं। यह एक सकारात्मक कदम है जिससे वे भविष्य में इस तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकते हैं। यह जानकारी स्पष्ट करती है कि ट्रंप टैरिफ ने कानपुर के निर्यात पर सीधा असर डाला है, लेकिन निर्यातक इस स्थिति से निपटने के लिए सक्रिय रूप से समाधान ढूंढ रहे हैं।

नगर परिषद अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव के लिए 15 को होगा सम्मिलन

एसडीएम ने पार्षदों को जारी किया पत्र

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी जो कि जिले सहित मध्यप्रदेश में हमेशा चर्चाओं में रही है। आज तक ऐसा नही हुआ है जहां नगर परिषद लांजी के अध्यक्ष, सीएमओ, उपाध्यक्ष ने अपना कार्यकाल पूर्ण किया हो किसी ना किसी कारण के चलते नगर परिषद की सत्ता हो या अधिकारी इनके खिलाफ अविश्वास दिखाई ही दिया है। वर्तमान में परिषद के 12 पार्षदो के द्वारा अध्यक्ष श्रीमती रेखाताराचंद कालबेले के खिलाफ नगर परिषद अधिनियम के तहत अविश्वास जाहिर किया है। 12 पार्षदो में वार्ड क्रमाक 1 से यंजय सैय्याम, 3 से पूनम शरद आसटकर, 4 से प्रेमलता संजय खोब्रागड़े, 5 से कल्पना लीलाधर डोलस, 6 से तेजेश्वर गोदुले, 8 से शिखा कैलाश गोस्वामी, 10 से विजय गोस्वामी, 11 सौरभ मोनू पशीने, 12 से मुकेश रणदिवे, 13 से संदीप रामटेक्कर, 14 से दिनेश कचवाहे, 15 से कस्तुरा वाकड़े इन 12 पार्षदो के द्वारा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास जाहिर किया है। मय शपथ पत्र कलेक्टर को 12 पार्षदो द्वारा अध्यक्ष को हटाने हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। जिसके तहत कलेक्टर बालाघाट द्वारा एसडीएम लांजी को आगामी समय में सम्मिलन आयोजित करने हेतु आदेश जारी किया गया है। जिस पर

आगामी 15 सितंबर को एसडीएम कमलचंद सिंहसार की बतौर पीठासीन अधिकारी के रूप में नगर परिषद कार्यालय में सम्मिलन आयोजित किए जाने का पार्षदो को पत्रकिया जारी किया गया है। जिसमें यह ज्ञात होगा की 12 पार्षदो के द्वारा जो अविश्वास जाहिर किया गया है वह पूर्ण होता है कि नही। इस संबध में एसडीएम कमलचंद सिंहसार के द्वारा पार्षदो को जारी पत्र के अनुसार मध्यप्रदेश नगरीय अधिनियम 1961 की धारा 43 क, उपधारा 1 एवं 2 के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर सम्मिलन आयोजित होगा। बताया जाता है कि श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले अध्यक्ष नगर परिषद लांजी जिला बालाघाट के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवही संपन्न कराई जाना है। जिस हेतु मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 43 क उपधारा 2 के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हेतु सम्मिलन की अध्यक्षता एवं संपूर्ण कार्यवाही संपादित की जावेगी। तत्संबध में मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 43 क उपधारा 2 के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा सम्मिलन कराये जाने हेतु सम्मिलन दिनांक 15 सितंबर 2025 को दोपहर 2 बजे सम्मिलन स्थान कार्यालय नगर परिषद लांजी के सभा कक्ष में अविश्वास प्रस्ताव संबंधी कार्यवाही संपन्न होना है।यदि तय सम्मिलन दिनांक तक शासन के द्वारा किसी प्रकार से कोई नवीन दिशा निर्देश जारी किये जाते है तो निर्देशो के परिपालन में सभी पार्षदो पृथक से सूचना की जावेगी। इस प्रकार संभवत: आगामी 15 सितंबर को अविश्वास प्रस्ताव पर कार्यवाही जा सकती है।

नवरात्रि पर्व को धूमधाम से मनाने सादर मित्र मंडल दुर्गा उत्सव समिति ने किया भूमिपूजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सादर मित्र मंडल पिछले 16 साल से देश के धार्मिक स्थल विश्व प्रसिद्ध मंदिरों की प्रतिकृति रूप बनवा चुका है जिसमे रत्नागिरी का स्वंभू गणेश मंदिर , 12 धाम में एक धाम केदारनाथ धाम , 4 धाम में से एक धाम बद्रीनाथ धाम , जेजुरी खंडोबा मंदिर पिछले वर्ष जगन्नाथ पूरी मंदिर की प्रतिकृति जो सभी मंदिर बहुत ही आकर्षण का केंद बने रहे इसी प्रकार समिति अध्यक्ष द्वारा बताया गया की इस वर्ष भी प्रसिद्ध मंदिर बनवाया जाएगा जो की अभी कुछ दिनों में तय कर लिया जाएगा इस वर्ष नवरात्र पर्व में भव्य आयोजन के लिए समिति द्वारा पूरा प्रयास किया जा रहा है। जिसमे अध्यक्ष नवीन रामटेक्कर, उपाध्यक्ष राकेश गुणेश्वर , सचिव गौरव बैंस, सह सचिव राकेश रामटेक्कर, कोषाध्यक्ष अक्षांश लहरे , सह कोषाध्यक्ष अमित रामटेक्कर , राहुल दौने ,विशाल आसटकर , अरविंद राउत, गिरीश नेवारे, सारांश लहरे , विश्वजीत राउत , महेंद्र मर्सकोले , सुभम आसटकर, दीपक सोनी , मयूर आसटकर राजा रणदीव, मनीष अतकरे, शैलेंद्र रामावत ,डैनी राकडे, मोहित सोनवाने , दिक्षांश लहरे ,चंदू गोस्वामी,सुभाष आसटकर, दिनेश पूरी गोस्वामी , पुनीत खनोरकर , अनमोल वाघ,राजा कुशवाहा, सुभम मेश्राम , प्रवीण पांडे ,राहुल आतराम, हिमांशु मानकर, योगेश घरते, दीपम मोंगरे, सागर बांगरे , आयुष सोमनकर, साहिल कस्यप, मनोज नेवारे, मोनू चौरे,तनिष्क रामटेक्कर, आशीष भोंडेकर, गुल्लु श्रीरामे,प्रमोद गुर्दे, विशाल तिडके, धनेश दुरुगकर, सागर बड़में, निलेश दुरुगकर, युवराज किरणापुरे, जय सोनी, अंकित आसटकर, राकेश भंडारकर, दीप लिल्हारे, मनोज हुकरे ,प्रतीक लटारे, दिलीप नरनौर, इंद्रजीत अहिरवार, राकेश मेश्राम

, गौरीशंकर आसटकर, शैलेश भौंडेकर , दौलत भंडारकर लक्की पालेवर सभी सदस्य का सहयोग कार्यक्रम को सफल बनाने में रहेगा । सभी सदस्यों ने नगरवासी को इस भव्य आयोजन में शामिल होने की अपील की है ।

वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। वित्तीय जागरूकता और सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जिला लीड बैंक प्रबंधक संजीव कुमार के मार्गदर्शन में एवं प्रायोजित समर्पित गरीबी

उन्मूलन एवं सामाजिक अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के सहयोग से सीएफएल किरनापुर, ब्लॉक लांजी में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम यूनिवर्सल कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, लांजी में ब्लॉक काउंसलर जितेंद्र रणदिवे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के लिए जागरूक किया गया। बताया गया कि 90 प्रतिशत धोखाधड़ी की घटनाएं मोबाइल ओटीपी साझा करने के कारण होती हैं। अत: अनजान व्यक्तियों के साथ ओटीपी साझा करने और संदिग्ध मैसेज या व्हाट्सएप लिंक खोलने से बचना चाहिए। उपस्थित लोगों को अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की सलाह दी गई। मनी वाइज वित्तीय साक्षरता योजना के तहत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, डिजिटल लेनदेन, और ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ऑनलाइन सुविधाओं के लाभ और लापरवाही या लालच के कारण होने वाले नुकसान पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में संस्था के संचालक रमेश आसटकर, शिक्षक भानूप्रताप प्रजापति, देवेंद्र क्षीरसागर और अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

बुद्धघोष बुद्धविहार दखनीटोला में मनाया गया गौरव दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बुद्धघोष बुद्धविहार दखनीटोला लांजी में 29 अगस्त को भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी के नेतृत्व में गौरव दिवस का आयोजन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष प्रमोद कुमार भीमटे के अध्यक्षता एवं कार्यक्रम के मुख्य संयोजक पी डी भालाधरे के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम समस्त पदाधिकारियों द्वारा तथागत बुद्ध और बाबा साहब अंबेडकर जी के प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते हुए बौद्धाचार्य आनन्द रामटेके के द्वारा पूजा वंदना करते हुए त्रिशरण पंचशील ग्रहण करवाई गई। अतिथियों के स्वागत सत्कार के पश्चात उद्बोधन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।उद्बोधन कार्यक्रम के तहत समिता बोरकर ने डॉक्टर बाबा साहब अंबेडकर जी का संविधान निर्माण में योगदान और उनके सामने आई अनेक कठिनाइयों के बारे में अवगत कराते हुए कहां कि बाबा साहब अंबेडकर जी वास्तव में भारत भाग्य विधाता है जिन्होंने बगैर भेदभाव के भारत के समस्त नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान किया और विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान देश को समर्पित किया। मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित एम के बौद्ध ने बताया कि जब संविधान सभा का गठन होना था उस समय बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान सभा में जाने की तैयारी कि किंतु तत्कालीन कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बाबा साहब को संविधान सभा में लेना उचित नहीं समझा उन्हें लगा कि यदि

अंबेडकर को संविधान सभा में लिया गया तो ये दलितों को उनके संपूर्ण अधिकार दे देंगे और वे नहीं चाहते थे कि दलितों को उनके अधिकार प्राप्त हो इसलिए सरदार पटेल ने कहां था कि हमने अंबेडकर को संविधान सभा में जाने के लिए दरवाजे,खिड़कियां तो क्या रोशन दान भी बंद कर दिया है अब देखते है कि अंबेडकर संविधान सभा में कैसे पहुंचते है इसके बावजूद भी बंगाल से जोगेंद्र नाथ मंडल ने बाबासाहब को चुनाव में भाग लेने बुलाया और बंगाल के चांडाल,नमो शुद्रा ने उन्हें प्रचंड मतों से विजय करवाकर संविधान सभा में भेजा किंतु कांग्रेस ने पुन: कूटनीति के तहत बंगाल के उन क्षेत्रों को विभाजन के समय पाकिस्तान में विलय करवा दिया जिसके कारण अंबेडकर की सदस्यता रद्द हो गई।अंबेडकर जी को संविधान सभा में लेने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कांग्रेस के नेताओं पर दबाव डाला और पुन: उन्हें पी सी जयकार के स्थान पर संविधान सभा में लिया गया और बाबा साहब ने 2 वर्ष 11 माह 18 दिनों में भारत का संविधान लिखकर राष्ट्रपति राजेंद्रप्रसाद को सौंपा। मुख्य संयोजक पी डी भालाधरे ने बताया कि 29 अगस्त 1947 को बाबासाहब जी को संविधान सभा में ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष चुना गया इसलिए यह दिन हमारे लिए गौरव का दिन है यदि इस दिन बाबासाहेब आंबेडकर को ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में नहीं चुनते तो शायद बाबा साहब अंबेडकर जी भारत का संविधान नहीं लिखे होते। अंत में अध्यक्ष प्रमोद कुमार भीमटे जी ने संविधान की विस्तृत व्याख्या करते हुए हमारे अधिकार और कर्तव्य क्या होने चाहिए के बारे में अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में तत्कालीन संविधान प्रश्नोत्तरी, संविधान जाएं परीक्षा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रज्ञा महिला मंडल नगर शाखा लांजी अध्यक्ष धम्मशीला मेश्राम,अनंतराम डोंगरे, महेंद्र बांसोड़, अनिल कुमार शेंडे, एवं समस्त उपासक उपासिकाओ की उपस्थित रही।

चांदनी चौक गणेश उत्सव सेवा समिति द्वारा गणेश स्थापना कर प्रतिदिन किया जा रहा भंडारा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के चांदनी चौक में गणेश चतुर्थी का पावन पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। चांदनी चौक गणेश उत्सव सेवा समिति द्वारा पिछले 55 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा यह उत्सव स्थानीय समुदाय के लिए एक प्रमुख धार्मिक और सामाजिक आयोजन बन चुका है। इस वर्ष भी, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई, जिसके बाद आरती के पश्चात् प्रतिदिन विशाल भंडारा आयोजित किया जा रहा है। यह भंडारा पूरे 9 दिनों तक चलेगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन विघ्नहर्ता भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने और समुदायिक एकता को मजबूत करने का माध्यम है।

समिति के सक्रिय सदस्य- सेवा का प्रतीक

यह आयोजन समिति के समर्पित सदस्यों की मेहनत का फल है, जो वर्षों से इस परंपरा को जीवंत रखे हुए हैं। समिति के प्रमुख

सदस्यों जिन्होंने इस वर्ष के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैराजेंद्र छोटू दुरुगकर, अनुज भंडारकर, बप्पी रजत पसीने, भोला शिवकुमार पांडे, जयहिंद आसटकर, अमित बंटी आसटकर, मनोज किरणापुरे, राजा रामटेककर, झंकार रामटेककर, नितीन वानखेड़े, अनमोल वाघ, यश पसीने, महेश थोटे, प्रवीण दुबे, कुलदीप आसटकर, पवन आसटकर, रविंद्र आसटकर, साहिल लालानी, अजीम बंदेली, अनमोल तिडके, गोविंद वाघ, दौलत भंडारकर, दिनू भंडारकर, संतोष चन्ने, शरद आसटकर, जितेंद्र आसटकर, विक्की काडे, भावेश वानखेड़े, भूषण वानखेड़े, जिस्सू वाघ, उज्जू वाघ, फरदीन लालनी, कुलदीप वाघ, अभिषेक रामटेक्कर आदि सदस्यों की एकजुटता ही इस उत्सव की सफलता का राज है।यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा भाव का भी उदाहरण प्रस्तुत करता है। लांजी के निवासी इस उत्सव को अपनी सांस्कृतिक धरोहर मानते हैं, और उम्मीद है कि यह परंपरा आने वाली पीढ़ियों तक जारी रहेगी।

विघ्नहर्ता उत्सव समिति सलंगटोला ने पण्डाल सजाकर की भगवान गणेश की स्थापना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में श्री गणेश पर्व उत्सव धूम धाम से भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थलो पर पण्डाल के समीप रोजाना कार्यक्रम तथा भण्डारे आयोजित किये जा रहे। इसी प्रकार श्री गणेश उत्सव पर्व क्षेत्र के वनांचल क्षेत्रो में भी समिति के सदस्यो के द्वारा धूम धाम से आयोजित किया जा रहा है। जनपद पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत खाण्डाफरी के सलंगटोला में विघ्नहर्ता उत्सव समिति के द्वारा बीते 3 सालों से श्री गणेश पर्व का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम सलंगटोला के युवा सदस्यो की टीम के द्वारा श्री गणेश पण्डाल के पास विभिन्न प्रकार के मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित करवाये जा रहे तथा संध्या काल में वृहद स्तर पर पूजा आरती सभी ग्राम के जनो के साथ मिलकर की जाती है। समिति के सदस्यो ने बताया कि 5 एवं 6 सितंबर को पण्डाल के समीप महाप्रसाद भण्डारे का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान समिति के सदस्य खुशाल लटारे, गौरव पीपरे, सागर किरमें, महेन्द्र किरमें, आर्यन सातपुते, अजय सर्राटी, पिन्टू पीपरे, लक्की किरमे, भोजराज

किरमें, कुनाल किरमें, धर्मेन्द्र मरावी आदि सदस्यो के द्वारा उक्त संपूर्ण आयोजन ग्राम के सहयोग के साथ मिलकर किया जा रहा है। समिति के सदस्यो ने अपील की है उक्त धार्मिक आयोजन में पूर्ण रूप से सहभागिता कर पूण्य लाभ अर्जित करे।

नि:शुल्क नेत्र मोतियाबिंद जांच शिविर में 145 लोग चयनित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स लांजी, जिला बालाघाट, म.प्र. (रीजन-9) द्वारा 27 से 30 अगस्त तक आयोजित नि:शुल्क महावीर स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से अनेक लोगों की सेवा की गई। सेवा, प्रेम और शांति का संदेश फैलाना और सबकी सेवा, सबको प्यार महावीर इंटरनेशनल का मूल मंत्र है। प्रत्येक कार्य समाज और राष्ट्र निर्माण की भावना को समर्पित है। महावीर इंटरनेशनल सभी धर्मों और आयु वर्ग के लोगों से आह्वान करता है कि वे प्राणिमात्र की सेवा के इस अभियान में सहभागी बनें। यह पहल भेदभाव मिटाकर प्रेम और सेवा का मार्ग प्रशस्त करती है, ताकि समाज के हर वर्ग तक यह संदेश पहुंचे। 27 से 30 अगस्त तक लांजी, भानेगांव, कुम्हारीकला, बहेला, साड़ा, बोलेगांव, घोटी और कांदीकला में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षित डॉ. कर्मवीर सिंह, सहयोगी अरशद खान और इंद्रकुमार राजा भुते ने शिविर को सफल बनाया। इस दौरान मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 145 लोग चयनित हुए। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के डिप्टी डायरेक्टर व चेयरमैन लांजी, विशाल राउत खोंगल ने बताया कि प्रत्येक माह 27, 28, 29 और 30 तारीख को सभी महावीर सेवा केंद्रों पर शिविर आयोजित किए जाते हैं। स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए महावीर स्वास्थ्य सेवा केंद्र समर्पित हैं। अब नागरिकों को जांच, परामर्श और मार्गदर्शन के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। केंद्र पर ही बस सुविधा सहित सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि मरीजों को सहूलियत हो।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जिलाध्यक्षों की तैयार होगी परफॉर्मेंस रिपोर्ट

मप्र कांग्रेस जिलाध्यक्षों को 6 महीने का प्रोविजन, राहुल गांधी की नाराजगी के बाद एक्शन

भोपाल। कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को लेकर मप्र में मिली शिकायतों और राहुल गांधी की नाराजगी के बाद पार्टी ने तय किया है कि पार्टी में जिला अध्यक्षों को 6 महीने का प्रोविजन पीरियड दिया जाएगा। इस दौरान उनकी परफॉर्मेंस रिव्यू की जाएगी और उसके बाद ही पार्टी उनके कार्यकाल को आगे बढ़ाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि 6 महीने में हर अध्यक्ष के कार्यकाल का आंकलन होगा और उसी आधार पर पार्टी की पूरी व्यवस्था बनेगी। एक तरीके से अब कांग्रेस जिला अध्यक्षों की मॉनिटरिंग करेगी।

मप्र कांग्रेस में जिलाध्यक्षों के चयन को लेकर हुई शिकायतों का जो मामला राहुल गांधी तक पहुंचा। उसके बाद पार्टी ने इसका रास्ता निकाला है। पार्टी में ये तय किया गया है कि अब 71 संगठनात्मक जिलों में बनाए गए कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को 6 महीने का प्रोविजन पीरियड दिया जाएगा। ये वो समय होगा जिसमें इन जिलाध्यक्षों की परफॉर्मेंस देखी जाएगी। 6 महीने की परफॉर्मेंस के आधार पर ही ये तय होगा कि उनका कार्यकाल आगे बढ़ेगा या नहीं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि इसी आधार पर पूरी व्यवस्था बनेगी। उन्होंने कहा कि अगर में प्रदेश अध्यक्ष हूं तो छै महीने का मेरा इनपुट और आउटपुट क्या है। संगठन की मजबूती में क्या योगदान है मेरा ये जांचा जाएगा। तो जो राहुल गांधी जी ने कहा कि है उसे पूरी पार्टी स्वीकारती है और उसी पर आगे बढ़ेगी।

राहुल गांधी ने दी मप्र की मिसाल

असल में राहुल गांधी ने संगठन सृजन अभियान में जिलाध्यक्षों को संबोधित करते हुए ये स्पष्ट रुप से कहा कि कि सबसे ज्यादा शिकायतें मप्र से आई हैं। जो गलतियां प्रदेश में हुई हैं, वो अब अन्य राज्यों में नहीं होना चाहिए। गुजरात के बाद एमपी में ही संगठन सृजन अभियान के जरिए जिलाध्यक्षों का चयन किया गया था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी ने ये कहा कि जो शिकायतें आई हैं, वो अगले राज्यों में ना आए, इसके लिए सुधार करना है। थोड़ा अलर्ट रहना है। उन्होंने अपने विषय में भी कहा कि अगर जीतू पटवारी प्रदेश अध्यक्ष हैं, तो 6 महीने में कितन इनपुट कितना आउटपुट रहा ये तो आंकलन मेरा भी होगा ना। संगठन की मजबूती के लिए पार्टी में ये व्यवस्था अब रहेगी। जाहिर है राहुल गांधी का जो मार्गदर्शन है, उसे पूरी पार्टी स्वीकार करती है और आगे बढ़ती है।

मप्र में दिग्गजों का भी विरोध

मप्र में कांग्रेस के 71 जिलों में अध्यक्षों का एलान होते ही बवाल शुरू हो गया था। पहले तो जयवर्धन सिंह प्रियव्रत सिंह समेत जिन पूर्व मंत्रियों और विधायकों को कमान सौंपी गई। उनका विरोध हुआ। दूसरा कई जिलों में इस बात को लेकर भी नाराजगी देखी गई कि जिले के कार्यकर्ता को मौका नहीं दिया गया। खंडवा जिले में अध्यक्ष बनाई गई प्रतिभा गुना की रहने वाली हैं, लेकिन उन्हें यहां मौका दिया गया, जिसका विरोध हुआ। उधर भोपाल में प्रवीण सक्सेना को कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद पर रिपीट किए जाने के खिलाफ पूर्व जिला अध्यक्ष मोनू सक्सेना ने राहुल गांधी को खून से चिट्ठी लिख दी थी।

दलित पिछड़ा समाज संगठन की मांग

- 27 नहीं 52 प्रतिशत आरक्षण मिले, सीएम हाउस घेराव की चेतावनी दी

भोपाल। ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत की भीख नहीं, 52 प्रतिशत आरक्षण चाहिए यह बात दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आजाद समाज पार्टी (भीम आर्मी) के वरिष्ठ नेता दामोदर सिंह यादव ने शुक्रवार को भोपाल में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। यादव ने सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस दोनों पर ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर सस्ती राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को लित पिछड़ा समाज संगठन ने विधानसभा घेराव कर 52 प्रतिशत आरक्षण की मांग रखी थी। बावजूद इसके, 28 अगस्त को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जो सर्वदलीय बैठक बुलाई उसमें आज़ाद समाज पार्टी को शामिल नहीं किया गया। यादव ने कहा कि अगर हमारी पार्टी को बैठक में बुलाया जाता तो चर्चा 27 प्रतिशत नहीं बल्कि 52 प्रतिशत आरक्षण की होती। सरकार और विपक्ष दोनों ही ओबीसी समाज के साथ अन्याय कर रहे हैं। अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुईं तो हम सीएम हाउस घेराव कर आंदोलन तेज करेंगे।

भिंड विधायक और कलेक्टर पर निशाना

दामोदर यादव ने भिंड से भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने कलेक्टर बंगले पर जाकर हमले की कोशिश की। यादव ने मांग की कि विधायक पर एफआईआर दर्ज की जाए और विवादित कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कहा कि जब मैंने किसानों की समस्याओं को लेकर भिंड में धरना दिया था तब इसी कलेक्टर ने मुझ पर और एससीपी प्रदेश अध्यक्ष सतेंद्र विद्रोही पर प्रकरण दर्ज कराया था। लेकिन जब सत्ता पक्ष के नेता खुलेआम गालीगलौज करते हैं तो कार्रवाई क्यों नहीं होती?

तिरंगा यात्रा निकालेंगे सरकार से नाराज कोटवार

राजधानी में जुटकर 4 सितंबर को लगाएंगे जमावड़ा

भोपाल। सरकार से नाराज प्रदेश के कोटवार तिरंगा यात्रा निकालेंगे। इनका जमावड़ा 4 सितंबर को होगा। जहां यह सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान से जवाहर चौक तक पैदल मार्च कर अपनी नाराजगी जाएंगे। बाद में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को संबोधित मांग पत्र भी सौंपेंगे। इसके पहले यह सभी जिलों में प्रदर्शन कर अपनी मांगों से सरकार व प्रशासन को अवगत करा चुके हैं।

आजाद कोटवार कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरवीर यादव ने बताया कि राजस्व विभाग के रवैये से प्रदेश भर के कोटवारों में नाराजगी है। क्योंकि भिंड जिले की अटेर तहसील में बिना कारण बताए जहां 31 कोटवारों को तहसीलदार ने हटा दिया है। इसके साथ ही दूसरी तहसील से 6 कोटवारों को निकालकर उनकी सेवा भूमि पर कब्जा कर जमा लिया गया है। जबकि खंडवा जिले की पंधाना तहसील में एक कोटवार की एक अधिकारी के बंगले पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई और न तो उसकी जांच कराई गई और नही परिवार को मुआवजा दिया गया। इतना ही नहीं सिहोर जिले में एक बाहुबली नेता ने मूल कोटवार को हटाकर अपने घरेलू नौकर को नियुक्त करवा दिया। जिससे प्रदेश भर के कोटवारों में नाराजगी है। इसके लिये सभी कोटवार अवकाश लेकर राजधानी में प्रदर्शन के लिये जुट रहे हैं।

संघ का कहना है जिला मुख्यालयों में लगातार आंदोलनों और ज्ञापनों के बावजूद सरकार सुनवाई नहीं कर रही है। इससे दुखी होकर 4 सितंबर को विशाल तिरंगा यात्रा निकालने की तैयारी की गई है। जिसमें प्रदेशभर के कोटवार शामिल होंगे। प्रदेश में 38 हजार कोटवार है। जिनमें अपरोक्ष रूप से 5 लाख लोग जुड़े हुए हैं।

-हटाये गए कोटवारों को पुनः सेवा में लिया जाय

-घटिया वर्दी वितरित करने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाय

-सरकार पिछले एक साल से दिए गए प्रदेशव्यापी ज्ञापनों पर कार्रवाई हो

-वर्ष 2007 और 2023 में आयोजित संघ सम्मेलनों में की गई घोषणाओं का पालन किया जाए

मप्र में तैयार होगा 350 किमी लंबा ग्रीनफील्ड फोरलेन

- 9500 करोड़ की परियोजनाओं को मिलेगी गति

भोपाल। मप्र को जल्द ही एक नई और आधुनिक सड़क परियोजना का तोहफा मिलने जा रहा है। राजधानी भोपाल से मंदसौर तक करीब 350 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड फोरलेन बनाया जाएगा। यह फोरलेन उज्जैन से होकर गुजरेगा, जिससे न केवल प्रस्तावित भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी बल्कि उज्जैन और इंदौर के बीच आवागमन और भी आसान और तेज हो जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिल्ली में एनएचएआई के चेयरमैन संतोष यादव से मुलाकात के दौरान इस महत्वपूर्ण परियोजना का प्रस्ताव रखा। बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रदेश में पहले से चल रही और प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं की राह में आ रही अड़चनों को केंद्र और राज्य सरकार मिलकर दूर करेंगे। इसके लिए संयुक्त स्तर पर समन्वय स्थापित किया जाएगा। एनएचएआई और एमपीआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में इस बात पर जोर दिया गया कि लंबित परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया तेज की जाए और नए ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट की डीपीआर जल्द तैयार की जाए। सभी परियोजनाओं के पूरा हो जाने के बाद प्रदेश का सड़क नेटवर्क और मजबूत होगा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर जैसे बड़े शहरों के बीच न केवल कनेक्टिविटी आसान होगी बल्कि व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी रफ्तार मिलेगी। सीएम मोहन यादव का मानना है कि इन सड़क परियोजनाओं से न केवल प्रदेश का परिवहन तंत्र मजबूत होगा बल्कि आर्थिक विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन में दाखिले का अंतिम मौका

भोपाल। एमपी के कॉलेजों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की क्लासेस में दाखिले के लिए अब अंतिम मौका दिया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्पेशल सीएलसी राउंड की घोषणा की है, जिसमें विद्यार्थी पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश पा सकेंगे। कॉलेज में दाखिले का यह आखरी मौका है। स्पेशल राउंड में आखरी दिन शाम 5 बजे तक फीस जमा कर एडमिशन लेना अनिवार्य है। इसके बाद कॉलेज में प्रवेश मान्य नहीं होगा। जानकारी के मुताबिक, यह चरण 1 सितंबर से 6 सितंबर तक होगा। इस दौरान विद्यार्थी सीधे संबंधित कॉलेज पहुंचकर अवेलेबल सीट पर एडमिशन ले सकेंगे।

आदेश में कहा गया है कि यह कॉलेजों में प्रवेश का अंतिम चरण होगा। इसमें विद्यार्थी केवल रजिस्टर्ड सीट पर ही दाखिला पा सकेंगे। स्टूडेंट अपने लॉगिन और कॉलेज लॉगिन से अवेलेबल सीट की जानकारी देख पाएंगे। अगर किसी कॉलेज में सीट खाली है तो विद्यार्थी सीधे वहां पहुंचकर फीस जमा कर प्रवेश दाखिला प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

एक कॉलेज में ही मिलेगा मौका

नए रजिस्टर्ड विद्यार्थी केवल एक ही कॉलेज में पंजीयन कर सकेंगे। हेल्प सेंटर पर वेरिफिकेशन के बाद फीस जमा करते ही उसी दिन प्रवेश मिल जाएगा। इसके अलावा मेजर व माइनर विषयों के चयन की पात्रता विश्वविद्यालय अपने स्तर पर तय करेंगे। कॉलेज प्राचार्य संबंधित विश्वविद्यालय से समन्वय कर प्रवेश प्रक्रिया को पूरा करेंगे।

पिछले राउंड्स में जिन विद्यार्थियों को मनचाहा कॉलेज या विषय नहीं मिल पाया, उनके लिए यह आखिरी मौका है। खासतौर पर ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर खाली सीटों को भरने के लिए विभाग ने यह कदम उठाया है।

खतरे में टाइगर स्टेट का तमगा!

- 8 महीनों में 40 बाघ-बाघिन और शावकों की मौत

भोपाल। देश में टाइगर स्टेट का दर्जा रखने वाले मप्र से चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। साल 2025 में अभी तक सिर्फ आठ महीनों में ही 40 बाघ और शावकों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा देशभर में सबसे ज्यादा है। मप्र के बाद महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर है। चौंकाने वाली बात यह है कि मरे हुए बाघों में 5 से 8 साल की उम्र की 9 बाघिनें भी शामिल हैं, जो आने वाले समय में बाघों की संख्या बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती थीं। विशेषज्ञों के मुताबिक मौतों की बड़ी वजह सरकारी लापरवाही और निगरानी तंत्र की नाकामी है, जबकि कुछ मामलों में आपसी संघर्ष भी सामने आए हैं। हाल ही में बाघों की लगातार मौत के बाद प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े ने अधिकारियों की कड़ी खिंचाई की। उन्होंने सार्वजनिक पत्र जारी कर माना कि रिजर्व और जंगलों में बाघों की मौतें हो रही हैं और विभाग को इसका पता तक नहीं चल पा रहा है, जो सबसे बड़ी चूक है। अंबाड़े ने चेतावनी दी है कि आगे यदि मौतें प्राकृतिक कारणों के अलावा अन्य वजहों से हुईं तो संबंधित अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

अफसरों की गैर-जिम्मेदारी आई सामने

मामले की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि खुद वन बल प्रमुख ने पहली बार खुले तौर पर अफसरों की निंदा की है। बताया गया कि पहले कुछ अफसर विभागीय ग्रुप्स पर बाघों की मौत का मजाक उड़ाते थे। एक आईएफएस अधिकारी ने तो यहां तक कह दिया था कि बूढ़े बाघों की मौत तय है। वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े ने कहा कि अभी अधिकारियों को चेतावनी पत्र जारी किया गया है। आगे यदि मौतें रुकती नहीं हैं तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही रिजर्व और सामान्य वन क्षेत्रों में पाई जा रही कमियों को दूर करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कौन होगा गृह विभाग का अगला मुखिया

- आज जेएन कंसोटिया होंगे सेवानिवृत

भोपाल। मप्र में मुख्य सचिव को एक साल के लिए एक्सटेंशन मिलने के बाद अब कौन होगा प्रदेश गृह विभाग का अगला मुखिया की चर्चा होने लगी है। गृह विभाग के मुखिया के नामों को लेकर सिर्फ चर्चा शुरु हो गई बल्कि दावेदारों के नाम भी सामने आए हैं।

दरअसल गृह विभाग के एसीएस रविवार को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। जेएन कंसोटिया रिटायर्ड हो रहे हैं। उनके सेवानिवृत्ति के साथ ही होम एसीएस के लिए कई नामों की चर्चा जोरों पर चल रही है। एसीएस राजेश राजौरा को गृह विभाग का अतिरिक्त प्रभार मिल सकता है।

वहीं एसीएस अनुपम राजन, एसीएस अशोक वर्णवाल और एसीएस केसी गुप्ता के नाम भी चर्चा में है। अगले सप्ताह मंत्रालय से लेकर जिलों में बड़ी सर्जरी हो सकती है। कई जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। मंत्रालय में प्रभार में भी बदलाव हो सकता है।हो सकता है।

एकल ग्राम योजनाओं का संचालन करेंगी पंचायतें

28 हजार गांवों की नल जल योजना पर सालाना 900 करोड़ का भार

भोपाल। प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता केवल हर घर तक नल से जल पहुंचाने की ही नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि पेयजल सुविधा आने वाले वर्षों तक सतत और गुणवत्तापूर्ण रूप में उपलब्ध हो। इसके मद्देनजर मप्र में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 28 हजार गांवों में पेयजल आपूर्ति के लिए बनाई गईं एकल ग्राम योजनाओं का संचालन पंचायतों को सौंपा जाएगा। इन्हें तकनीकी सहयोग के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तीन साल के लिए एजेंसी तैनात करेगा। इस पर लगभग 900 करोड़ रुपये का सालाना व्यय भार आएगा, जो राज्य सरकार उठाएगी। दरअसल, उत्तर प्रदेश में एकल ग्राम योजनाओं का संचालन पंचायतों द्वारा की जाती है। जिसे मप्र में भी लागू करने का सैद्धांतिक निर्णय मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में ग्रामीण नलजल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नीति पर उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान लिया गया। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जो योजनाएं तैयार हुई हैं, उनके संचालन और संधारण का जिम्मा किसे दिया जाएगा, इसे लेकर लंबे समय से मंथन चल रहा था। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश थे कि इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ दीर्घावधि तक प्रदेशवासियों को मिलना चाहिए, इसके लिए नीति बनाई जाए ताकि जिम्मेदारियां स्पष्ट हों। इसे देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने अन्य राज्यों के प्रविधानों का अध्ययन कराके ग्रामीण नल जल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नीति का प्रारूप तैयार किया। इसमें बताया गया कि एकल ग्राम नल जल योजनाओं का संचालन पंचायतें करेंगी। छोटे-मोटे काम देखने की जिम्मेदारी इनकी ही रहेगी। वहीं इन्हें जो तकनीकी सहयोग विभाग उपलब्ध कराएगा। चूंकि, विभाग के पास तकनीकी अमला कम है, इसलिए एजेंसी का चयन किया जाएगा। यह व्यवस्था तीन वर्ष के लिए लागू की जाएगी और परिणाम के आधार पर आगे बढ़ाने का निर्णय लिया जाएगा।

78.64 लाख परिवारों को मिल रहा नल से जल

विभाग के प्रमुख सचिव पी नरहरि ने बताया कि प्रदेश में अगस्त 2019 तक जहां केवल 12.11 प्रतिशत अंतर्गत 13 व्याख 53 हजार ग्रामीण परिवारों को ही नल से जल मिल रहा था, वहीं अब संख्या 78 लाख 64 हजार से अधिक हो गई है। 1.11 करोड़ परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य है, जो 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। समूह नल जल की 147 योजनाओं में से अब तक 52 पूरी की जा चुकी हैं और 95 प्रगति पर हैं। नरहरि द्वारा प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वित हो रही नलजल योजनाओं के दीर्घकालिक एवं प्रभावी संचालन हेतु विभाग द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न स्तरों पर विचार विमर्श उपरांत तैयार की गई ग्रामीण नलजल योजना संचालन-संधारण एवं प्रबंधन नीति की विस्तार से जानकारी दी गई। इस नीति के प्रावधानों के अनुसार ग्रामीण नलजल योजना का संचालन पूर्व की भांति संबंधित ग्राम पंचायत के द्वारा किये जाने तथा ग्राम पंचायतों को योजना के संचालन में सहयोग देने हेतु तथा योजना संचालन की व्यवस्था को सदृढ़ करने के उद्देश्य से योजना के संधारण से संबंधित कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से किये जाने की जानकारी दी गई।

8 साल से एसआई भर्ती भी नहीं हुई

- पुलिस भर्ती बोर्ड का ऐलान, लेकिन असमंजस बरकरार

भोपाल। मप्र में पुलिस भर्ती का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है। गृह विभाग ने 24 अगस्त की शाम 5 बजकर 53 मिनट पर ट्वीट कर जानकारी दी थी कि राज्य सरकार पुलिस विभाग में 7500 पदों पर भर्ती करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लेकर डीजीपी कैलाश मकवाना तक कई मंचों से इस भर्ती का जिक्र कर चुके हैं। जून 2025 में इंदौर में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई और सोशल मीडिया पर बार-बार भर्ती का आश्वासन दिया गया, लेकिन हकीकत यह है कि अभी तक विज्ञापन तक जारी नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती आखिरी बार 2017 में हुई थी। आठ साल से उम्मीदवार इंतजार कर रहे हैं। सीएम मोहन यादव ने 15 अगस्त को कहा था कि अगले तीन साल में 22,500 पदों पर भर्ती होगी। हर साल 7500-7500 पदों पर भर्तियां होंगी। इसके लिए एक नया पुलिस भर्ती बोर्ड बनाया जाएगा। हालांकि तब तक भर्ती ईएसबी (मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल) से कराई जा सकती है।

बोर्ड बना तो लगेगा समय, ईएसबी तैयार

विशेषज्ञों का मानना है कि नया बोर्ड बनने की प्रक्रिया में लंबा समय लगेगा। परीक्षा एजेंसी तय करना, लाइसेंस लेना और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी करना। इस कारण भर्ती और महीनों टल सकती है। वहीं, ईएसबी का दावा है कि उसके पास पूरी तैयारी है और अगर सरकार से मंजूरी मिल जाए तो तीन महीने के भीतर परीक्षा कराई जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक पिछले तीन-चार महीने से भर्ती की फाइल शासन और पुलिस मुख्यालय के बीच फुटबॉल बनी हुई है। ईएसबी पूरी तैयारी कर चुका है, विज्ञापन निकालने को तैयार है, लेकिन सरकार की अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

रोजगार पंजीयन पर उलझा मामला

भर्ती प्रक्रिया इस समय एक पेंच में फंसी हुई है, कि क्या परीक्षा के लिए रोजगार कार्यालय में पंजीयन अनिवार्य किया जाए या नहीं? इसी सवाल पर शासन और पुलिस मुख्यालय के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही इसे अनिवार्य नहीं मान चुका है, लेकिन मामला अब भी अटका हुआ है।

पंचायत और विधानसभा चुनाव के लिए बिछने लगी चौसर

मप्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां अभी से चुनावों की तैयारी में जुटी

भोपाल। मप्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां मिशन मोड में काम कर रही हैं। संगठन का गठन करने और पार्टी को मजबूत करने के साथ ही दोनों पार्टियां एक-दूसरे को घेरने में लगी हुई हैं। दरअसल, दोनों पार्टियों का पूरा फोकस 2027 पंचायत और 2028 विधानसभा चुनावों पर है। भाजपा सेवक बनो, शासक नहीं की नसीहत दे रही है, जबकि कांग्रेस युवाओं को साध रही है।

मप्र की राजनीति में फिलहाल कोई बड़ा उलटफेर या सीधा टकराव देखने को नहीं मिल रहा है, लेकिन सतह के नीचे भाजपा और कांग्रेस आगामी चुनावी महासंग्राम के लिए रणनीतियां बनाने में जुट गए हैं।

भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही जानते हैं कि 2027 के पंचायत चुनाव और 2028 के विधानसभा चुनाव ही असली कसौटी होंगे। पंचायत चुनाव जहां जमीनी स्तर पर पकड़ और संगठन की मजबूती का लिटमस टेस्ट होंगे। वहीं विधानसभा चुनाव सीधे सत्ता की कुंजी सौंपेंगे। यही वजह है कि दोनों खेमों में रणनीतिक स्तर पर गतिविधियां तेज हैं। बैठकों का दौर चल रहा है, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, और संभावित उम्मीदवारों पर भी विचार-मंथन जारी है। कांग्रेस जहां अपनी पिछली गलतियों से सबक लेकर वापसी की राह तलाश रही है, वहीं भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। जातिगत समीकरण, क्षेत्रीय प्रभाव, और स्थानीय मुद्दों पर गहन विश्लेषण किया जा रहा है। नए चेहरों को आगे लाने और पुराने धुरंधरों को सक्रिय करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

दोनों पार्टियों का संगठन पर फोकस

गौरतलब है कि विधानसभा चुनावों में अभी तीन साल का वक्त है पर प्रदेश का सियासी पारा अभी से गर्मा गया है। प्रदेश के दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस अभी से अपने संगठनों को कसने में लग गए हैं। भाजपा जहां तीन महीने से अधिक समय पहले ही अपने सभी जिलाध्यक्षों का ऐलान कर चुकी हैं वहीं अब कांग्रेस ने भी अपने सभी 71 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्ष घोषित कर दिए हैं। फिलहाल वह जिलाध्यक्षों के ऐलान के बाद उपजे असंतोष को थामने में लगी है। वहीं भाजपा अपने 61 जिलाध्यक्षों के चयन के बाद अब जिला कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया में लग गई है। पिछले विधानसभा चुनाव और उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा से बुरी तरह पराजित होने के बाद कांग्रेस ने देश के साथ प्रदेश में भी संगठन पर ध्यान दिया है और इसे संगठन सृजन का नाम दिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद इस अभियान की मानीटरिंग कर रहे हैं। कांग्रेस अब इस सच को गहराई से समझ चुकी है कि जब तक वह अपने संगठन को मजबूत नहीं करती तब तक वह कैडरबेस भाजपा को बड़ी चुनौती पेश नहीं कर पाएगी। हालांकि छह साल पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के दिग्गज नेता कमलनाथ ने भी संगठन को मजबूत करने करने की दिशा में कदम उठाए थे। वे अक्सर कहा करते थे कि भाजपा की ताकत उसका संगठन है अगर उससे मुकाबिल होना है तो संगठन को बूथ लेबल तक मजबूत करना होगा। इसके बाद से कांग्रेस में संगठन को कसने के प्रयास तो हुए पर किसी न किसी कारण से वे परवान नहीं चढ़ सके। अब एक बार फिर कांग्रेस ने संगठन को नए सिरे से गढ़ने का प्रयास किया है।

जिलों पर अधिक फोकस

दोनों पार्टियों का फिलहाल जिलों पर फोकस है। पहली बार कांग्रेस ने बड़े नेताओं को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है और पार्टी को क्षेत्रीय क्षत्रपों और पट्ठावाद से बाहर निकालने का प्रयास किया गया है। इस बार जयवर्धन सिंह, ओंकार सिंह मरकाम, महेश परमार जैसे विधायकों को पार्टी ने जिलाध्यक्ष का पद देकर उन्हें विधानसभा चुनाव के लिए पूरे जिले को संभालने की जिम्मेवारी दी है।

त्रिकोणीय सीरीज के पहले ही मैच में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 39 रनों से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने यहां टी20 त्रिकोणीय सिरीज के पहले ही मैच में अफगानिस्तान को 39 रनों से हरा दिया। पाक ने इस मैच में कप्तान सलमान आगा के अर्धशतक से अफगानिस्तान को जीत के लिए 183 रनों का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए अफगान टीम 143 ही बना पायी। अफगान टीम के कप्तान राशिद खान ने अक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 243.75 के स्ट्राइक रेट के साथ 16 गेंदों पर 39 रन बनाये पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। पाक की ओर से हारिस रऊफ ने 4 विकेट लिए।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक विकेट के नुकसान पर ही 54 रन बना दिये। इसके बाद तीन विकेट जल्दी-जल्दी गिर गये। साहिबजादा फरहान 21 रन, सैम अयूब 14 रन और फखर जमा 20 रन ही बना पाये। वहीं आगा ने 36 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनकार अपनी टीम को संभाला। इस दौरान उन्हें निचले क्रम के बल्लेबाजों का अच्छा साथ मिला। पाक टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाने में सफल रही। अफगान टीम की ओर से फरीद अहमद ने दो विकेट लिए। वहीं राशिद-मुजीब सहित 4 गेंदबाजों को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की शुरुआत करते हुए इब्राहिम जदरान 9 रन पर ही आउट हो गये। इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज ने 38, सेदिकुल्लाह अटल ने 23 और दरविश रसूली ने 21 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाजों के विफल होने से टीम संभल नहीं पायी। राशिद ने 8वें नंबर पर आकर 1 चौके और 5 छक्कों की मदद से 39 रन बनाकर उम्मीद जगाई पर उनके आउट होते ही टीम सिमट गयी।

मदुशंका की हैट्रिक से श्रीलंका ने पहले ही एकदिवीसीय में जिम्बाब्वे को हराया

कोलंबो। दिलशान मदुशंका की शानदार हैट्रिक से श्रीलंका ने पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को सात रनों से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका को दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त मिल गयी है। श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पथुम निसंका के 76, जनित लियानगे ने नाबाद 70 और कामिंडु मेंडिस के 57 रनों की सहायता से 50 ओवर में 6 विकेट पर 298 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने अंतिम ओवर तक संघर्ष किया पर वह 8 विकेट पर 291 रन ही बना पायी। अंतिम ओवर में मदुशंका ने लगातार तीन विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

299 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट और और ब्रेंडन टेलर को शुरुआत में ही खो दिया। उस समय टीम का खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद बेन करन और कप्तान शॉन विलियम्स ने तीसरे विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को संभाला। विलियम्स ने 54 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 57 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सिकंदर रजा ने पारी को संभाला। करन ने 90 गेंदों आठ चौकों की मदद से 70 रन बनाये। वेस्ली मधेवेरे आठ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टोनी मुनयोंगा ने सिकंदर रजा के साथ टीम को जीत के करीब पहुंचाया। जिम्बाब्वे को अंतिम ओवर में जीत के लिए 10 रन बनाने थे ऐसे में मदुशंका ने हैट्रिक लगाकर श्रीलंका को जीत दिला दी।

उन्होंने पहली गेंद पर सिकंदर रजा को का विकेट लिया। रजा ने 87 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 92 रनों की पारी खेली। अगली गेंद पर ब्रैड एवंस और तीसरी रिचर्ड एन्गरावा को आउट कर अपनी टीम को जीत दिला दी।

सीएएफए नेशंस कप में भारत ने ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप 2025 फुटबॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत से शुरुआत की है। नये कोच खालिद जमील के मार्गदर्शन में उतरी भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में ताजिकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। भारत की ओर से अनवर अली और संदेश झिंगन ने दूसरा और विजयी गोल किया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने अपनी घरेलू धरती पर दो साल में पहली जीत हासिल की है। भारतीय टीम ने इससे पहले नवंबर 2023 में विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत को हराया था। वहीं ताजिकिस्तान की ओर से शाहरोम सामीव ने एकमात्र गोल किया। ताजिकिस्तान फीफा रैंकिंग में भारत से ऊपर है। ऐसे में भारतीय टीम का इस जीत से मनोबल बढ़ा है। इस मैच में भारतीय डिफैंडरों ने अच्छा प्रदर्शन किया। झिंगन, अनवर, भेके और उवैस ने कई बार ताजिकिस्तान के हमलों को विफल किया।

औकिब ने दलीप ट्रॉफी में डबल हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

बेंगलुरु। यहां खेली जा रही दलीप ट्रॉफी में औकिब नबी ने नोर्थ जोन की ओर से खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 4 गेंदों पर चार विकेट लेकर डबल हैट्रिक लगायी है। डबल हैट्रिक तब होती है जब कोई गेंदबाज लगातार चार गेंदों पर चार विकेट गिरा दे। औकिब नबी ने 53वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर लगातार तीन विकेट लेकर हैट्रिक लगायी। इसी के साथ औकिब नबी दलीप ट्रॉफी में हैट्रिक लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने है। उनसे पहले साल 1978-79 में कपिल देव ने और 2001 में साईराज बहुतुले ने भी हैट्रिक ली थी। वहीं डबल हैट्रिक लेने वाले वह पहले गेंदबाज बने हैं। इस गेंदबाज ने 10.1 ओवर में कुल 28 रन देकर 5 विकेट लिए।

औकिब ने 2019-20 में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। झारखंड के खिलाफ वह अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। इसके बाद से ही वह आगे बढ़ते रहे हैं। अपने डेब्यू सीजन में इस गेंदबाज ने 7 मैचों में 18.50 की शानदार औसत से 24 विकेट लिए। दो बार पारी में पांच विकेट भी उसने लिए।

ऋषभ से युवा प्रतिभाओं को मिलती है प्रेरणा -प्रिंस यादव

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जॉइंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। प्रिंस का कहना है की ऋषभ जिस प्रकार निडर होकर खेलते हैं, उससे युवा प्रतिभाओं को काफी प्रेरणा मिलती है। इसके साथ ही उन्हें देखकर गेंदबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। उनकी नेतृत्व क्षमता से भी युवओं को काफी कुछ सीखने को मिलता है। प्रिंस ने कहा कि उन्हें देखतकर मुझे और अन्य युवाओं को प्रेरणा मिलती है कि किस प्रकार से दबाव में खेलते हुए भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जा सकता है। प्रिंस ने दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सत्र में चमकने के बाद इस साल आईपीएल में भी पदार्पण किया था।

युवा तेज गेंदबाज को ऋषभ से जो सीख मिली है उससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है। वह प्रेरित हुए हैं। उन्होंने कहा, ऋषभ ने मेरा हमेशा मार्गदर्शन किया। वह दबाव वाले हालातों में मुझसे अकसर कहते थे, तुम्हें कभी भी दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। तुम्हें उससे निकलने का रास्ता ढूंढना ही होगा। जितनी जल्दी तुम दबाव से निपटना सीखोगे, उतनी ही तेजी से तुम आगे बढ़ोगे।

प्रिंस ने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जॉइंट्स की तरफ से 6 मैच खेले। आईपीएल में उन्होंने सबसे पहलो विकेट ट्रेविस हेड का लिया था। उन्होंने सटीक यॉर्कर से हेड जैसे बेहतरीन सलामी बल्लेबाज का विकेट उड़ा दिया। इस तेज गेंदबाज ने कहा, जब भी मुझे कुछ संदेह ये दबाव महसूस होता है तो मैं उनसे बात करता हूं और वह भी तुरंत मेरी मदद करते हैं। उन्हें पता है कि पलटकर वापसी कैसे करते हैं। जब वह प्रदर्शन नहीं कर रहे थे तब भी उन्होंने टीम या अपने पर उसका असर नहीं दिखने दिया। वह हर किसी से वही पुरानी वाली बॉन्डिंग, वहीं ऊर्जा रखते थे और हमेशा सकारात्मक रहते हैं। प्रिंस ने कहा कि वह दक्षिण अफ्रीका के महान गेंदबाज डेल स्टेन की आक्रामकता से भी प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बहुत छोटा था तब मेरे पसंदीदा गेंदबाज थे ब्रेट ली। लेकिन बाद में डेल स्टेन मेरे आदर्श हो गए।

श्रीसंत की पत्नी ने थप्पड़ कांड का वीडियो जारी करने के लिए ललित मोदी और क्लार्क को जमकर फटकारा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेट एस श्रीसंत की पत्नी भुनेश्वरी ने थप्पड़ कांड का वीडियो सोशल मीडिया पर रिलीज करने के लिए पूर्व आईपीएल अध्यक्ष ललित मोदी और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क की कड़ी आलोचना की है। हरभजन सिंह के एक मैच में श्रीसंत को थप्पड़ मारने का ये वीडियों आईपीएल में थप्पड़ कांड के कारण काफी विवादों में रहे। इसी कारण हरभजन को उस सत्र से भी बाहर कर दिया गया था। ये वीडियो 17 साल बाद जारी किये जाने को लेकर भुनेश्वरी भड़की हुई हैं। उनका कहना है कि अब इस वीडियो को जारी करना सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के सिवा कुछ भी नहीं है और इसके लिए ललित मोदी और क्लार्क को शर्म आनी चाहिये। श्रीसंत की पत्नी भुनेश्वरी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ललित मोदी और माइकल क्लार्क शर्म करो। आप लोग इंसान भी नहीं हैं कि केवल अपनी सस्ती लोकप्रियता और विचारों के लिए साल 2008 की किसी घटना को घसीट रहे हैं। श्रीसंत और हरभजन दोनों इससे बहुत पहले ही आगे बढ़ चुके हैं। वे अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पिता हैं, फिर भी आप उन्हें पुराने मामले याद दिला कर परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। ये बेहद घिनौना, निर्दयी और अमानवीय काम है। ये विवाद तब फिर से शुरू हुआ जब ललित मोदी ने एक कार्यक्रम में क्लार्क के साथा खुलासा किया कि उन्होंने 2008 के विवाद का एक अनदेखा फुटेज अपने पास रखा है। कथित तौर पर स्टेडियम के सुरक्षा कैमरों से ली गई यह क्लिप शो के दौरान चलाई गई थी और कुछ ही देर में इस वीडियो ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वीडियो में देखने को मिल रहा है जब मैच खत्म होने के बाद मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिला रहे हैं तभी हरभजन सिंह श्रीसंत को उल्टे हाथ से थप्पण मारते हैं। घटना के तुरंत बाद, श्रीसंत मैदान पर फूट-फूट कर रोने लगे, यह दृश्य प्रसारण कैमरों में कैद हो गया। श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान सहित टीम के साथी और विपक्षी खिलाड़ी उन्हें शांत करने दौड़े। इस मामले में हालांकि हरभजन को भी पछतावा हुआ और उन्होंने कई बार अपनी गलती के लिए श्रीसंत से माफी मांगी और कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह जीवन की इस घटना को बदलना चाहते।

आरसीबी भागदड़ के शिकार लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए देगी

बेंगलुरु। 2025 आईपीएल खिताब विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने उसकी जीत के बाद हुए जश्न में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। आरसीबी ने 4 जून 2025 को चिन्नास्वामी स्टेडियम में खिताबी जीत का जश्न मनाया था। उसी दौरान ही भगदड़ मच गयी थी। इसी को लेकर अब आरसीबी ने सोशल मीडिया पर एक आधिकारिक बयान जारी किया है। इसमें आरसीबी ने लिखा, 4 जून, 2025 को हमारा दिल टूट गया। हमने आरसीबी परिवार के ग्यारह सदस्यों को खो दिया। वे हमारा हिस्सा थे। वे हमारे शहर, हमारे समुदाय और हमारी टीम को अद्वितीय बनाने वाली चीजों का अहम हिस्सा थे। उनकी अनुपस्थिति हमें हमेशा खलेगी।

आरसीबी ने आगे लिखा, उनके जाने से जो जगह खाली हुई है, उसकी भरपाई नहीं हो सकती है पर पहले कदम के रूप में और गहरे सम्मान के साथ, आरसीबी उनके परिवारों को 25-25 लाख रुपए की राशि दे रही है। ये केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि करुणा, एकता और निरंतर देखभाल के वादे के तौर पर दी जा रही है। आरसीबी ने लिखा, यह आरसीबी की ओर से केवल एक शुरुआत है यह एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है, जो हादसे का शिकार हुए लोगों की स्मृति का सम्मान करके शुरू होती है। आगे बढ़ने वाला हर कदम प्रशंसकों की भावनाओं, अपेक्षाओं और उनके अधिकारी को दिखाएगा।टीम प्रबंधन ने लिखा है कि आरसीबी अन्य प्रकार की सहायता के बारे में शीघ्र ही जानकारी देगी। इससे पहले आरसीबी ने 28 अगस्त को एक पोस्ट शेयर किया था। यह पोस्ट 4 जून को हुई घटना के बाद टीम की पहली सोशल मीडिया पोस्ट थी। इस पोस्ट में टीम ने आरसीबी केयर्स की शुरुआत की जानकारी दी थी और कहा था कि इससे जरिये पीड़ित परिवारों की सहायता की जाएगी।

डीपीएल में राठी, राणा सहित पांच खिलाड़ियों पर आचारसंहित तोड़ने के लिए जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 में अचार संहित उल्लंघन नितीश राणा और दिग्वेश राठी सहित पांच खिलाड़ियों को भारी पड़ा है। सजा के तौर पर इसी पर भारी जुर्माना लगाया गया है। इन खिलाड़ियों के बीच साउथ दिल्ली और वेस्ट दिल्ली के बीच खेले गये एलिमिनेटर मैच में झड़प हुई थी। मैच में राणा और दिग्वेश के अलावा कृष यादव, अमन भारती और सुमित माथुर आपस में ही भिड़ गये। डीपीएल ने खिलाड़ियों के ऐसे व्यवहार का अस्वीकार्य बताते हुए इन सभी को सजा देते हुए जुर्माना ठोक दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खेल भावना के खिलाफ व्यवहार के लिए राठी पर मैच फीस का 80 फीसदी जुर्माना जबकि राणा पर 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। मैच के दौरान आपत्तिजनक या अपमानजनक हावभाव का प्रयोग के लिए अमन भारती पर 30 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। वहीं सुमित माथुर पर आचार संहिता के उल्लंघन हेतु मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। कृष यादव पर मैच के दौरान विरोधी खिलाड़ी पर बल्ला तानने के लिए मैच फीस का 100 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में राणा के तूफानी शतक से वेस्ट दिल्ली की टीम एलिमिनेटर मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही। साउथ दिल्ली ने 201 रन बनाये जिसके बाद इस लक्ष्य को वेस्ट दिल्ली ने राणा के शतक से 17.1 ओवर में ही हासिल कर लिया।

राजस्थान रॉयल्स से अलग हुए द्रविड़, कोच पद छोड़ा

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के नये सत्र से पहले ही एक झटका लगा है। उसके कोच राहुल द्रविड़ ने इस्तीफा दे दिया है। राजस्थान रॉयल्स ने द्रविड़ के कोच पद छोड़ने की बात को स्वीकार किया है। द्रविड़ को आईपीएल 2025 सीजन से पहले रॉयल्स ने मुख्य कोच बनाया था हालांकि टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। फ्रेंचाइजी ने हालांकि द्रविड़ को इस सत्र के लिए बड़ा पद देने की बात कही थी पर उन्होंने इंकार कर दिया। इसके साथ ही टीम के साथ उनका दूसरा कार्यकाल भी समाप्त हो गया।

रॉयल्स के अनुसार द्रविड़ 6 सितंबर, 2024 को दो साल के अनुबंध पर कोच बनाया गया था। हाल ही में उन्हें एक बड़ी भूमिका की पेशकश की गई थी, पर उन्होंने उसे स्वीकार करने से इंकार कर दिया। द्रविड़ इससे पहले साल 2011 से 2015 के बीच खिलाड़ी और कोच के रूप में रॉयल्स के साथ रहे थे। द्रविड़ पिछले साल भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ने के बाद दूसरी बार रॉयल्स के कोच बने थे। हालांकि उनकी वापसी अच्छी नहीं रही। क्योंकि राजस्थान रॉयल्स की टीम आईपीएल 2025 में असफल रही।

रॉयल्स ने अपने बयान में कहा, राहुल कई साल से रॉयल्स की यात्रा के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को तैयार किया है, टीम में मजबूत मूल्यों का संचार किया है और फ्रेंचाइजी की संस्कृति पर एक अनूठी छाप छोड़ी है। इस बयान में कहा गया, फ्रेंचाइजी की संरचनात्मक समीक्षा के तहत राहुल को एक बड़े पद की पेशकश की गई थी पर उन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक, फ्रेंचाइजी के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए आभारी रहेंगे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्री-फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे खिलाड़ी- बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साफ कर दिया है कि सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में प्री-फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। रोहित के साथ शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर भी यो-यो टेस्ट देंगे। ये टेस्ट प्री-सीजन टेस्ट का हिस्सा हैं हालांकि विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट कब होगा। इसकी जानकारी नहीं मिली है। पूर्व . यह पहली बार है जब रोहित टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि केन्द्रीय अनुबंध में शामिल सभी खिलाड़ियों को प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। यह बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार जरुरी है। इस अधिकारी ने कहा, ॐसभी खिलाड़ियों को प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा, ये टेस्ट सीओई को यह समझने में मदद करते हैं कि खिलाड़ियों को किन चीजों पर काम करने की जरूरत है या वे कहां कमी महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद एक बड़ा ब्रेक था। इसलिए खिलाड़ियों को घर पर फिट बने रहने के लिए एक्ससाइज सेट दिए गए थे।ॐ गौरतलब है कि रोहित और विराट दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इस जोड़ी ने 2024 में भारत के विश्व कप जीतने के बाद टी20 क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था।

वैभव कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए दिखे

विशाखापत्तनम। उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी प्रो कबड्डी लीग के 12 सत्र की शुरुआत में पहुंचे। यहां वैभव ने बल्लेबाजी के साथ ही कबड्डी भी खेली। इस युवा बल्लेबाज के आते ही प्रशंसकों का उत्साह भी बढ़ गया। साथ ही कबड्डी खिलाड़ी भी उनसे मिलने के लिए उत्साहित दिखे। वैभव भी इस दौरान खुश नजर आ रहे थे पर असली मजा तो तब आया जब कबड्डी के मैदान में वैभव ने जमकर चौके, छक्के लगा दिये। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों के साथ कबड्डी भी खेली। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें वह कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए नजर आए। इस वीडियो को प्रो कबड्डी के आधिकारिक अकाउंट से शेयर किया गय। वह इस दौरान कबड्डी के दांव पेच भी लगाते दिखे।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

पेरिस। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। सात्विक और चिराग ने पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को 21-12, 21-19 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इस जीत के साथ ही अब भारत को एक पदक मिलना तय हो गया है। 43 मिनट तक चले मुकाबले में सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी को आसानी से हरा दिया। जीत के बाद चिराग ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। यह ओलंपिक जैसा ही मुकाबला था और मुझे लगता है कि हमने तब इस जोड़ी से मिली हार का हिसाब बराबर कर लिया है।

उन्होंने कहा, इस जोड़ी के खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा लगता है। बड़े आयोजनों में हमारे बीच हमेशा कुछ कड़े मुकाबले होते रहे हैं। इसलिए जीत हासिल करने की हमें बहुत खुशी है। वहीं सात्विकसाईराज ने भी अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अपने प्रदर्शन पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा, दूसरे गेम में, जब हम आगे चल रहे थे तब भी मुझे पूरा भरोसा था कि हमें जीत के लिए काफी प्रयास करने होंगे क्योंकि विरोधी इतनी आसानी से हार नहीं मानेंगे।

सात्विकसाईराज ने कहा, जब हमने गेम जीते तो मुकाबला कांटे का था पर हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते थे। हमारा पूरा ध्यान अपने खेल पर था। आज हमने जिस तरह से खेला, उससे में उत्साहित हूं।

सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर भारतीय जोड़ी ने कहा कि कहा कि वह इसे टूर्नामेंट के किसी भी अन्य मैच की तरह ही लेंगे। शेट्टी ने कहा, हमारा ध्यान हमेशा एक मैच पर है।

सिंधु बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हारी

पेरिस। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप (बीडब्ल्यूएफ) 2025 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हार के साथ ही बाहर हो गयीं हैं। इससे भारत की पदक जीतने की उम्मीदें टूट गयी हैं। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिंधु को इंडोनेशिया की कुसुमा वर्दानी ने चार घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 14-21, 21-13, 16-21 से हराया। सिंधु इस मैच की शुरुआत से ही दबाव में रही। शुरुआत में स्कोर 6-6 से बराबर था पर इसके बाद वर्दानी ने आक्रामक रुख अपना कर 11-7 की बढ़त हासिल कर ली। ऐसे में पहला गेम सिंधु 21-14 से हार गयीं। वहीं दूसरे सेट में सिंधु ने लय हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन कर 21-13 से जीत दर्ज की की, इसके बाद तीसरे और निर्णायक सेट में सिंधु फिर पीछे हो गयी और वर्दानी ने 16-21 से मुकाबला जीत लिया। सिंधु का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। गत नौ टूर्नामेंटों में वह दूसरे दौर में ही बाहर हुई हैं। पेरिस ओलंपिक में भी सिंधु को निराशा मिली थी। सिंधु की खराब फॉर्म से महिला एकल मैचों में भारत की परेशानी बढ़ा दी है। वहीं मिश्रित युगल में एक अन्य मुकाबले में भारत की तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयीं। अब पुरुष युगल में भारत को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी से ही उम्मीदें हैं।

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने ब्रोन्को टेस्ट पर सवाल उठाये, बोले रोहित को बाहर करने लाया गया

कोलकाता। अपने बयानों के लिए चर्चाओं में रहने वाले पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने दावा किया है कि फिटनेस के लिए जो ब्रोन्को टेस्ट लाया गया है। उसका लक्ष्य रोहित शर्मा को एकदिवसीय टीम से बाहर करना है। तिवारी के अनुसार कोई है जो नहीं चाहता कि रोहित आगे खेलें। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि आम तौर पर रग्बी खिलाड़ियों को ही इस प्रकार के टेस से गुजरना पड़ता है पर हैरानी की बात है कि भारतीय टीम के स्ट्रेंथ ऐंड कंडिशनिंग कोच एड्रिय ले रॉक्स की देखरेख में इसे भारतीय टीम के लिए रखा गया है जबकि यो-यो टेस्ट पहले से ही है। ऐसे अब टीम में जगह के लिए खिलाड़ियों को यो-यो टेस्ट, 2 किलोमीटर की दौड़ और ब्रोन्को टेस्ट तीनों से गुजरना होगा।

तिवारी ने दावा किया कि ब्रोन्को टेस्ट लाने की टाइमिंग से भी कई कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। खासकर तब जब भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय कप से पहले संक्रमण के दौर से गुजर रही है। तिवारी ने कहा, 'मुझे लगता है कि विराट कोहली को 2027 विश्व कप की योजना से बाहर रखना बहुत मुश्किल होगा पर मुझे संदेह है कि वे रोहित को लेकर कुछ सोच रहे हैं।'

तिवारी ने कहा कहा, देखिए, भारतीय क्रिकेट में क्या कुछ हो रहा है, उसे मैं बहुत ही बारीकी से देखता हूं। और मुझे विश्वास है कि यह ब्रोन्को टेस्ट जिसे कुछ दिन पहले ही लया गया है। मुझे लगता है कि यह रोहित जैसे खिलाड़ियों के लिए है। मुझे लगता है कि कोई है जो नहीं चाहता कि वह भविष्य में टीम का हिस्सा रहे। और इसीलिए इसे लाया गया है। उन्होंने कहा कि ये किसके दिमाग की उपज है समझ नहीं आ रहा।

पीओके वापस लेना हर भारतीय की ख्वाहिश, उसे वापस लेकर हमारा उद्देश्य पूरा होगा

उमा भारती ने कहा- सेना पर सवाल उठाने वालों को राष्ट्रीय गौरव की समझ नहीं

नई दिल्ली। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को वापस लेना हर भारतीय की ख्वाहिश है और जब यह हो जाएगा, तो हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा। हाल ही में उन्होंने दिए एक साक्षात्कार में कहा कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को प्रायोजित करने से उसका पतन होगा। ऑपरेशन सिंदूर और कुछ लोगों द्वारा सवाल उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर उमा भारती ने कहा कि वह ऐसी टिप्पणियों का जवाब नहीं देना चाहतीं। उन्होंने कहा कि जो लोग सवाल उठाते हैं, वे देश को बदनाम करते हैं, राष्ट्रीय गौरव की समझ नहीं रखते और राजनीति में रहने के लायक नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उमा भारती ने कहा कि हमारा अंतिम लक्ष्य पीओके को अपने कब्जे में लेना है। पीओके वापस लेते ही हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा...मैं उन लोगों को जवाब नहीं देना चाहती जो भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता पर सवाल उठा रहे हैं। वे भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान करना नहीं जानते, और वे राजनीति करने के भी काबिल नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि भारत लगातार पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ता रहा है और उसे जड़ से उखाड़ फेंकेगा। उन्होंने कहा कि और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के इस पूरे मुद्दे का समाधान प्राकृतिक न्याय है। जब पाकिस्तान आतंकवाद के कारण तबाह हो जाएगा, तब उसकी अक्ल ठिकाने आएगी। उमा ने 1994 में संसद द्वारा पारित उस सर्वसम्मत प्रस्ताव का भी ज़िक्र किया, जिसमें घोषणा की गई थी कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

बता दें भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सैन्य जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया और 100 से ज्यादा आतंकवादियों का सफाया किया था। भारत ने बाद में पाकिस्तान के आक्रमण को विफल किया और उसके हवाई ठिकानों पर बमबारी की। भारत ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का करारा जवाब दिया जाएगा।

शासकीय पालिटेक्निक महाविद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्राणेष कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन में शासकीय पालिटेक्निक महाविद्यालय, बालाघाट में 30 अगस्त को विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित श्री सतीश शर्मा, न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम एवं नालसा(बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं एवं उनका संरक्षण योजना) 2015 के विभिन्न प्रावधानों के बारें उपस्थित छात्र छात्राओं को अवगत कराया गया। साथ ही श्री शर्मा ने निःशुल्क विधिक सहायता योजना एवं भारतीय संविधान में उल्लेखित मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य के संबंध में भी उपस्थित छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। कार्यक्रम में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती तारा मार्को द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन दिया साथ ही उन्होनें घरेलू हिंसा से महिलाओं का सरंक्षण अधिनियम के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। शिविर में उपस्थित जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने निःशुल्क विधिक सहायता योजना व दहेज प्रतिषेध अधिनियम, प्रिलिटिगेशन मीडिएशन एवं दिनांक 13 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत एवं बढ़ते हुए साइबर अपराधों से बचने के उपाय बारे में भी उपस्थित छात्र छात्राओं को जानकारी दी। साथ ही शिविर में उपस्थित डिफेंस काउंसिल चन्द्रेश नागेश्वर व सुश्री प्रियंका शुक्ला द्वारा डिफेंस काउंसिल योजना के संबंध में जानकारी दी गई। शिविर में विद्यालय के प्राचार्य व अध्यापकगण, पैरालीगल वालेन्टियर विजय सूर्यवंशी व छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

ऑपरेशन सिंदूर पर दखल नहीं देने दिया तो भड़के ट्रंप ने भारत पर लगा दिया 50 प्रतिशत टैरिफ

नई दिल्ली। अमेरिकी निवेश बैंक जेफरीज की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह आर्थिक वार किसी व्यापारिक मतभेद की वजह से नहीं, बल्कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निजी नाराजगी का नतीजा था। मई में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए तनाव (ऑपरेशन सिंदूर) के दौरान ट्रंप ने मध्यस्थता की पेशकश की थी। लेकिन भारत ने इसे सख्ती से ठुकरा दिया। इसके बाद ही अमेरिका ने भारत पर अभूतपूर्व टैरिफ लगाने का फैसला किया। भारत ने हमेशा साफ किया है कि पाकिस्तान के साथ उसके मसले नो थर्ड पार्टी नीति पर आधारित हैं और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है।

अमेरिकी फैसले पर भारत ने नाराजगी जताई। भारत सरकार ने कहा कि किसी एक देश को इस तरह निशाना बनाना अनुचित और अव्यावहारिक है। ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया कि उन्होंने कई युद्ध खत्म किए हैं और उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट ने भी जुलाई में कहा था, अब समय आ गया है कि ट्रंप को नोबेल पुरस्कार दिया जाए। लेकिन भारत-पाक मुद्दे पर उनका हस्तक्षेप का सपना अधूरा रह गया। इसके बाद ही भारत-अमेरिका व्यापार रिश्तों पर असर पड़ा और टैरिफ का बड़ा वार हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह टैरिफ किसी कारोबारी असहमति का परिणाम नहीं था, बल्कि ट्रंप की पर्सनल पॉलिटिक्स का हिस्सा था। रिपोर्ट के शब्दों में, यह टैरिफ उस व्यक्तिगत नाराजगी का नतीजा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति को भारत-पाक विवाद में मध्यस्थता की अनुमति नहीं दी गई। ट्रंप ने कई बार दावा किया था कि उन्होंने दुनिया के कई बड़े संघर्ष खत्म किए, और भारत-पाक विवाद को भी सुलझाना चाहते थे। लेकिन भारत ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया।

इस साल की शुरुआत में ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैं भारत और पाकिस्तान, दोनों के साथ काम करूंगा ताकि कश्मीर पर हजार साल पुराना विवाद खत्म किया जा सके। भारत ने इसे कड़े शब्दों में खारिज कर दिया और अपनी नो थर्ड पार्टी पॉलिसी पर कायम रहा। रिपोर्ट कहती है कि यह बयान भारत के लिए रेड लाइन था और इसे पार करने की कोशिश ने रिश्तों में खटास डाल दी। जेफरीज रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि टैरिफ की एक अहम वजह कृषि क्षेत्र रहा।

संभल हिंसा के आरोपितों की रिहाई पर रोक लगाने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

संभल। यूपी के संभल में सनातन सेवक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने उप-जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 24 नवंबर 2024 को शहर में हुई हिंसा की घटना का उल्लेख करते हुए, उसमें शामिल आरोपितों की रिहाई पर रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि उस दिन शहर में पत्थरबाजी, आगजनी जैसे घटनाएं हुई थीं। कई वाहन जला दिए गए थे और पुलिस कर्मियों पर भी हमला हुआ था, जिससे वह घायल हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ज्ञापन में कहा गया है कि इस हिंसा में जान-माल का भारी नुकसान हुआ था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन अब ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कुछ प्रभावशाली लोग इन आरोपितों की रिहाई के प्रयास कर रहे हैं।

भगवान का नाम किसी भी रूप मे लो कल्याण ही कल्याण होगा

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर में व्यापारी संघ अध्यक्ष संतोष सिंह बैस के निवास स्थान पर श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन बड़े ही धार्मिक आस्था एवं भक्ति भाव से किया जा रहा है। 28 अगस्त से 4 सितम्बर 2025 तक चलने वाले इस कार्यक्रम के तीसरे दिन कथावाचक आचार्य पंडित भरत जी महाराज चित्रकूट धाम द्वारा अपने मुखारबिंद से संगीतमय कथा कथा मे अजामिल एवं प्रहलाद चरित्र का वृतांत सुनाया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि भगवान का नाम किसी भी रूप मे लो तो कल्याण ही कल्याण होता है। चाहे जानबूझकर या अंजाने मे लो लेकिन लो तो, आत्मा परमात्मा मे लिन हो जाती हैं।भगवान को पाने के लिए सिर्फ याद कर लीजिए, वे अवश्य ही मिल जाते हैं। जिस प्रकार सुख अस्थाई एवं आनंद स्थाई होता हैं जैसे कि कथा सुनने से जो आनंद प्राप्त होता हैं वह स्थायी होता है।कथा सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथा के दौरान भक्ति गीतों एवं सुमधुर भजनों पर श्रद्धालु जम कर झूमें। कथा के तीसरे दिन बड़ी संख्या में महिला-पुरूष कथा सुनने पहुंचे। कथा आयोजक संतोष सिंह बैंस, शुभम बैंस, संकेत अग्रवाल, राजेश सिंह बैस, आयुष अग्रवाल, विजय बैस, नन्नू बैस, महादेव सिंह बैस, रविंद्र सिंह बैस, दिनेश सिंह बैस, शंकर सिंह कछवाह, पंचम सिंह कछवाह, दामेंद्र सिंह कछवाह, गज्जू कछवाह, डॉक्टर महेंद्र कछवाह, एवं समस्त परिवार और श्रद्धालु ग्राम किरनापुर के समस्त श्रद्धालुओं की भारी संख्या में मौजूदगी रही।

दानापुर में फिर पटरी से उतरी ट्रेन, बड़ा हादसा टला, जान-माल का नुकसान नहीं

पटना। दानापुर यार्ड में फिर बड़ा हादसा टल गया, जब यार्ड में जा रही एक ट्रेन बेपटरी हो गई। यह घटना दानापुर रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिसने रेलवे सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन यह पिछले 20 दिनों में तीसरी ऐसी घटना है, जो रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। अधिकारियों और कर्मचारियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद ट्रेन को वापस पटरी पर ला दिया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। इस दौरान कुछ समय के लिए परिचालन बाधित रहा। बार-बार हो रहे इन हादसों ने स्थानीय लोगों और यात्रियों के बीच भय पैदा कर दिया है। लगातार तीसरी घटना होने से यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि एक पैटर्न नजर आ रहा है, जो रेलवे के रख-रखाव और सुरक्षा मानकों की खामियों को उजागर करता है।

रेलवे प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि घटना के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस तरह की घटनाओं के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें ट्रैक का उचित रख-रखाव न होना, सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी या फिर मानवीय भूल है। यह जरुरत है कि रेलवे प्रशासन इन कारणों का जल्द से जल्द पता लगाए, और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। अगर इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया, तो यह कभी भी एक बड़े हादसे का सबब बन सकती हैं, जिससे यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन दिसंबर में आएंगे भारत, क्रेमलिन के अधिकारी ने की पुष्टी

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत आने वाले हैं। इसकी पुष्टि क्रेमलिन के वरिष्ठ अधिकारी ने की। उन्होंने बताया कि आगामी सोमवार को चीन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी और पुतिन की मुलाकात होगी, जहां दोनों नेता पुतिन की दिसंबर यात्रा की तैयारियों पर चर्चा करेंगे। इससे पहले भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी संकेत दिया था कि पुतिन जल्द ही भारत आएंगे, हालांकि उस समय यात्रा की तारीखें तय नहीं हुई थीं। डोभाल ने भारत-रूस के पुराने रिश्तों पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देश इस संबंध को बहुत महत्व देते हैं।

पुतिन की भारत यात्रा की घोषणा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल आयात को लेकर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कदम को रूस के खिलाफ दबाव बनाने के प्रयास के तौर पर लिया है। ट्रंप का आरोप है कि भारत डिस्काउंट पर रूस से तेल खरीदकर उसे उच्च दाम पर वैश्विक बाजार में बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। उन्होंने कहा था कि भारत को इससे फर्क नहीं पड़ता कि यूक्रेन में रूस की मशीनरी से कितने लोग मारे जा रहे हैं।

भारत ने अमेरिकी टैरिफ को अनुचित, गैर-न्यायसंगत और अस्वीकार्य करार दिया है। भारत का कहना है कि जब अमेरिका और यूरोप भी रूस से ऊर्जा खरीद रहे थे, तो भारत पर ऐसे आरोप लगाना उचित नहीं है।

राहुल-तेजस्वी की यात्रा में शामिल नहीं हुई ममता, अब भेज रहीं दो नेता

पटना। बिहार में वोटर लिस्ट को संशोधित करने के लिए चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान चलाया। विपक्षी दलों का आरोप है कि इसके जरिए कई वैलिड वोटर्स के नाम हटाने का काम किया गया। चुनाव आयोग ने इस पर सख्त आपत्ति जताते हुए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ये सब घटनाक्रम ऐसे वक्त में हुआ, जब बिहार में विधानसभा चुनाव होना है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के तमाम नेता 'वोट चोरी' जैसा गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इन सबके बीच, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने की कवायद के तहत राहुल और तेजस्वी की अगुआई में बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली जा रही है। इस यात्रा में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन और तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी जैसे नेताओं ने शिरकत की। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी इस यात्रा का हिस्सा बने लेकिन विपक्षी गुट की धाकड़ नेता और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस यात्रा से दूरी बनाए हुए हैं।

बता दें ममता बनर्जी विपक्ष की ताकतवर नेता हैं, ऐसे में वोटर अधिकार यात्रा में उनका शिरकत न करना कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, अब यह खबर सामने आई है कि सीएम ममता ने इस यात्रा में टीएमसी का प्रतिनिधित्व करने के लिए दो नेताओं को नामित किया है। इनमें यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी हैं। यूसुफ पठान बहरामपुर

सीट से सांसद हैं, वहीं ललितेश त्रिपाठी टीएमसी की नेशनल वर्किंग कमेटी के सदस्य हैं। अब ये दोनों नेता वोटर अधिकार यात्रा में ममता बनर्जी की पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि पश्चिम बंगाल में भी वोटर लिस्ट को अपडेट करने की कोशिश की जा रही है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने कोलकाता की रैली में बीजेपी, चुनाव आयोग और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है, जबकि उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीने का है। ममता बनर्जी ने बंगाल की जनता से आह्वान किया कि अगर कोई सर्वे करने आए तो कोई जानकारी न दें। अपना आधार कार्ड तैयार रखें। दरअसल, पश्चिम बंगाल में भी अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होना है।

प्रदेश में टीएमसी का बीजेपी से सीधा मुकाबला है। बंगाल की सीएम भी चुनाव आयोग पर लगातार आरोप लगाती रही हैं। बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा में इंडिया ब्लॉक के एक और दिग्गज नेता ने हिस्सा लिया। अब अखिलेश यादव की भी इस यात्रा में एंट्री हो चुकी है। चुनाव आयोग की ओर से कथित तौर पर 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने के विरोध में शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा अब अंतिम चरण में है। बता दें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की अगुआई में निकाली जा रही इस यात्रा को विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है और इसे लोगों का समर्थन भी मिल रहा है। यात्रा का भव्य स्वागत हो रहा है।

श्री श्याम कीर्तन के आयोजन मे भजन प्रवाहको के सुमधुर भजनों पर झूमे श्रद्धालु

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। प्रयास एक कदम सनातन की ओर श्री श्याम कीर्तन का आयोजन बेसिक शाला मैदान मे शुक्रवार 29 अगस्त की रात्रि मे आयोजक मेघवेन्द्र शुक्ल एवं परिवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम श्री खाटू श्याम बाबा का विशेष आकर्षण कर आलौकिक दर्शन एवं भव्य श्रृंगार करते हुए दिव्य ज्योत जलाकर, छप्पन भोग लगाकर पूजन कर किया गया। तत्पश्चात् भजन प्रवाहिका सोनाली नागेश्वर बालाघाट, भजन प्रवाहक राहुल उर्फ सूर्या शुक्ला किरनापुर, भजन प्रवाहक इंद्रेश तलरेजा मंडला द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान इत्र वर्षा एवं

पुष्प वर्षा का क्रम चलते रहा। श्री श्याम कीर्तन के सुमधुर भजनों का श्रवण कर श्रद्धालु जमकर झूम उठे।इस अवसर पर आयोजक मेघवेंद्र शुक्ला एवं परिवार द्वारा सभी श्री श्याम प्रेमियों ने भजन का लुफ्त उठाया एवं श्री चरणों मे अपनी हाजरी लगाकर अपने जीवन को श्याम जी के आशीर्वाद से सफल बनाया। इसी प्रकार बाबा का गुणगान होते रहना चाहिए। इसी प्रकार भजन परवाहकों द्वारा शानदार प्रस्तुती प्रस्तुत कर भक्तो भोर विभोर कर श्री श्याम जी के दर्शन करवाया। और उपस्थित सभी जनों का आभार जताया।

जो कभी कांग्रेस को पानी पी-पीकर कोसते...वे सत्ता के लिए उनके साथ खड़े

मंत्री ओमप्रकाश राजभर का अखिलेश यादव पर तंज

पटना। सुभासपा प्रमुख और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बिहार चुनाव को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधा। योगी के मंत्री राजभर ने कहा कि जो कभी कांग्रेस को पानी पी-पीकर कोसते थे, वहीं आज कांग्रेस के मंच पर उनके साथ खड़े दिख रहे हैं। कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी और उनकी मां पर टिप्पणी की मैं निंदा करता हूं। संभल हिंसा रिपोर्ट पर पूछे सवाल पर राजभर ने हिंदुओं के पलायन के लिए, सपा-बसपा और कांग्रेस को जिम्मेदार माना। उन्होंने कहा जब-जब इनकी सरकारें रहीं, दंगे हुए, कर्फ्यू लगे, जनहानि हुई। मुख्यमंत्री योगी की सरकार को साढ़े 8 साल से ज्यादा हो गया, कोई यूपी में कोई दंगा नहीं हुआ। अगर किसी ने कोशिश भी की तब कानूनी कार्रवाई की गई। बात दें कि केंद्रीय मंत्री राजभर देर रात सुल्तानपुर पहुंचे। शहर के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। शनिवार सुबह वे बस्ती के लिए निकल गए। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने विपक्ष पर ईवीएम को लेकर दोहरे रवैये का आरोप लगाकर कहा जब ये लोग जीतते हैं तब ईवीएम सही, लेकिन जब हारते हैं गलत। मंत्री राजभर ने साफ किया कि एनडीए गठबंधन में सब कुछ ठीक-ठाक है। इस दौरान वे जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करते नजर आए।

मथुरा में यमुना उफान पर...लेकिन प्रयागराज और वाराणसी में गंगा नदी के स्तर में आई कमी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में बीते कई हफ्तों से बाढ़ की स्थिति बनी हुई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मथुरा, प्रयागराज, कानपुर और वाराणसी जैसे शहरों में गंगा और यमुना नदियां उफान पर हैं। भारी बारिश और बैराजों से छोड़े जा रहे पानी के कारण इन नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

जहां कान्हा की नगरी मथुरा में यमुना नदी में जलस्तर फिर से बढ़ रहा है। इससे यातायात में बाधा आ रही है, और पशुपालकों के लिए, चारे की समस्या पैदा हो गई है। किसानों की ज्वार, बाजरा और धान जैसी खरीफ की फसलें बर्बाद हो गई हैं। नौहझील-शेरगढ़ मार्ग पर यातायात बाधित है, और लोगों को ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से पानी पार करना पड़ रहा है। वहीं प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है, लेकिन लोगों में अभी भी डर बना हुआ है। शुक्रवार की सुबह से यमुना का जलस्तर 24 सेंटीमीटर कम हुआ था, जबकि गंगा का जलस्तर 3 सेंटीमीटर बढ़ा था। हालांकि, दोपहर बाद दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। फाफामऊ में गंगा 8 सेंटीमीटर, छतनाग में 6 सेंटीमीटर और नैनी में यमुना 19 सेंटीमीटर नीचे गई।

यूपी के कारोबारी शहर कानपुर और फर्रुखाबाद में गंगा का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से 20 सेंटीमीटर ऊपर स्थिर है। बीते 20 दिनों से नदी का रौद्र रूप बना हुआ है, जिससे हजारों लोग प्रभावित हैं। रामगंगा का जलस्तर कम होने से गंगा पार के कुछ इलाकों को थोड़ी राहत मिली है। शमसाबाद क्षेत्र के कई गाँवों, जैसे कटरी तौफीक झौआ, रूपपुर मंगलीपुर और शरीफपुर छिछनी, में अभी भी बाढ़ का पानी भरा हुआ है। बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब (71.262 मीटर) पहुँचने के बाद अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। शुक्रवार शाम को जलस्तर 71 मीटर पर पहुँच गया था, जिसके बाद इसमें 1 सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से कमी आनी शुरू हुई। इससे तटीय और वरुणा नदी के किनारे रहने वाले लोगों ने राहत की साँस ली है। हालाँकि, अभी भी कई गाँवों में पानी भरा हुआ है और फसलें जलमग्न हैं।

ढाबा में आधा दर्जन से अधिक युवको ने किया हमला-चाकू के वार से दो युवक घायल

ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिखला की घटना, घायल एक युवक प्राइवेट में तो एक युवक जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम ग्राम चिखला में बीती रात एक ढाबा में पहुंचे कार सवार युवकों ने हमला करते हुए ढाबा में मौजूद ढाबा के कर्मी व एक युवक के साथ मारपीट कर दोनों को चाकू से हमला कर घायल कर दिए। चाकू के हमले से घायल हुए दोनों युवक को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से गंभीर रूप से घायल एक युवक खूबचंद पिता जीवनलाल पिछोड़े 33 वर्ष ग्राम चिखला निवासी को नगर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है और अन्य घायल युवक मिथुन पिता ईश्वर दाते 28 वर्ष ग्राम चिखला निवासी का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। बीती रात हुई इस वारदात को ढाबा में लगे कैमरे ने कैद कर लिया है। इस मामले की जांच ग्रामीण पुलिस द्वारा की जा रही है। ग्रामीण थाने में की गई शिकायत के अनुसार राजेन्द्र नगपुरे ग्राम चिखला निवासी का अपने गांव में ही रोड़ किनारे ढाबा है। 28 अगस्त की रात राजेंद्र नगपुरे अपने दोस्त खुबचुद पिछोड़े व ढाबा कर्मी मिथुन दाते के साथ ढाबा में थे। इसी दौरान रात करीब 12.30 बजे ग्राम चिखला निवासी ही अज्जु उर्फ अजय नगपुरे

कार में आधा दर्जन युवकों के साथ ढाबा पहुंचा और ढाबा में गाली-गलौज करने लगा। जिसे खुबचंद नगपुरे और मिथुन दाते ने गालियां देने से मना किया तो अज्जू उर्फ अजय नगपुरे उसके साथी भी गाली-गलौज करने लगा। जिससे विवाद बढ़ गया और अज्जु उर्फ अजय नगपुरे अपने साथी कुंदन, लोकपाल व सोनु के साथ खूबचंद पिछोड़े और मिथुन दाते के साथ मारपीट करने लगा। इस दौरान ढाबा का संचालक राजेन्द्र नगपुरे व अन्य लोग बीच-बचाव करने लगे। तभी अज्जु उर्फ अजय नगपुरे ने अपने पास रखे चाकू से खुबचंद पिछोडे और मिथुन दाते पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। चाकू के हमले से खूबचंद नगपुरे और मिथुन दाते दोनो घायल हो गए इसके बाद अज्जू उर्फ अजय नगपुरे अपने साथियों के साथ फरार हो गया। चाकू के हमले में घायल

खूबचंद पिछोड़े और मिथुन दाते को ढाबा के संचालक राजेंद्र नगपुरे ने अज्जु उर्फ अजय नगपुरे

के साथ आए एक युवक राजेन्द्र मोहारे के साथ जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किये। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद खुबचंद पिछोड़े की हालत गंभीर होने पर उसे नगर के निजी अस्पताल में ले जाकर भर्ती किया गया है जबकि मिथुन दाते का इलाज जिला अस्पताल में ही किया जा रहा है। ज्ञात हो कि मारपीट इस घटना को ढाबा में लगे सीसीटीवी कैमरे ने कैद किया है।जो कि सोशल मीडिया में वायरल भी हो रही है। 28 अगस्त की रात 12ः00 बजे करीब हुई इस वारदात अज्जू उर्फ अजय पिता प्रेमचंद नगपुरे 36 वर्ष ग्राम चिखला निवासी भी घायल हो गया। जिसे गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस मामले में ग्रामीण पुलिस ने खूबचन्द पिछोड़े मिथुन दाते और राजेंद्र नगपुरे के द्वारा इस युवक को मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाई गई। जिनके विरुद्ध धारा 109 296 351(3) 3(5) भारतीय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया है। इस घटना की जानकारी ग्रामीण पुलिस को मिलने पर जांच पड़ताल शुरू की गई है। अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

पंचायत के लिए स्वीकृत भूमि पर अतिक्रमण करने की शिकायत करने पर एक व्यक्ति ने अपने गांव के उपसरपंच को दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में पंचायत के लिए स्वीकृत जमीन पर अवैध रूप से किए गए कब्जा हटाने को लेकर एक व्यक्ति ने अपने गांव के उपसरपंच को ही जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम झामुल के सिल्हारीटोला की है। बिरसा पुलिस ने उपसरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे 48 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर देवीलाल पिता मलेश पांचे सिल्हारीटोला निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमलाल सोनकोतरे खेती किसानी करते हैं और वे वर्तमान में ग्राम पंचायत झामुल के उप सरपंच है। उपसरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे के गांव का ही देवीलाल पांचे पंचायत भवन के सामने पंचायत के लिए स्वीकृत जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने की नीयत से उसमें ट्रैक्टर से मुरुम डलवा रहा था। इस संबंध में गांव के लोगों ने ही उपसरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे को बताए थे। इसके बाद उपसरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे ने गांव वालों के साथ जाकर देखा देवीलाल पांचे ट्रैक्टर से पंचायत के लिए स्वीकृत भूमि पर मुरूम डलवा रहा था। जिसकी सूचना उप सरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे ने सरपंच गौतरिया मेरावी को दी थी। सरपंच गौतरिया मेरावी ने भी आकर देखा। 28 अगस्त को देवीलाल पांचे द्वारा पंचायत के लिए स्वीकृत भूमि पर किए जा रहे अतिक्रमण के संबंध में पंचायत भवन में मीटिंग रखी गई थी। इस मीटिंग में गांव के बहुत से लोग उपस्थित थे ।गांव के लोग और पंचायत के सभी सदस्यों के द्वारा उक्त पंचायत की जमीन को खाली करवाने एवं जिस किसी व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण किया गया उस के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने हेतु निर्णय लिया गया था। सरपंच गोतरिया मेरावी के द्वारा उक्त जमीन को खाली करवाने के लिए आवेदन पत्र लिखवाया जा रहा था। शाम 5ः30 बजे करीब उपसरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे पंचायत भवन से निकलकर बाहर रोड पर निकले थे। तभी देवीलाल पांचे उन्हें देखकर अश्लील गालियां देते हुए बोलने लगा कि तेरे कारण ही यह सब लिखा पड़ी और कार्यवाही हो रही है। तूने ही सरपंच को बताया है और देवीलाल पांचे उपसरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे को जिंदा नहीं छोड़ूंगा कहकर उसे मारने के लिए दौड़ा उपसरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे वहा से भागा और उसने भागते हुए अपना मोबाइल निकाल कर वीडियो रिकॉर्डिंग चालू कर दिया था। वीडियो रिकॉर्डिंग देखकर देवीलाल पांचे रुक गया। देवीलाल पांचे की गालियां सुनकर पंचायत भवन में बैठे लोग भी बाहर आ गए। देवीलाल पांचे द्वारा दी गई धमकी के कारण उप सरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे बहुत डर गया था। उसमें रिपोर्ट करने जाने की हिम्मत नहीं हो रही थी । इसके बाद उपसरपंच प्रेमलाल सोनकोतरे, सरपंच गौतरिया मेरावी के साथ रिपोर्ट करने बिरसा थाना पहुंचे ।बिरसा पुलिस ने उप सरपंच प्रेमलाल सोन कोतरे द्वारा की गई रिपोर्ट पर देवीलाल पिता मलेश पांचे के विरुद्ध धारा 131 296 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किए हैं ।जिसकी जांच सालेटेकरी चौकी प्रभारी धन सिंह धुर्वे द्वारा की जा रही है।

पत्नी की हत्या करने के आरोप में पति को आजीवन कारावास-एक हजार रुपये अर्थदंड

अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत का फैसला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत ने हत्या के मामले में एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह आरोपी महासिंह पिता सम्पतसिह टेकाम 37 वर्ष ग्राम गोंगाटोला थाना बैहर निवासी है। जिसके के विरुद्ध अपनी पत्नी सुखबती बाई की हत्या करने का आरोप था। विद्वान अदालत ने इस आरोपी को एक हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किए हैं। यह आरोपी बैहर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद पिछले 6 साल से बैहर जेल में ही है। इस मामले में अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक अशोक कुमार वाट द्वारा की गई थी। अभियोजन के अनुसार महासिंह टेकाम और उसकी पत्नी सुखबती के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था । महासिंह टेकाम घरेलू बातों को लेकर पत्नी सुखबती से आए दिन झगड़ा करते रहता था। 12 नवंबर 2019 की रात 10ः00 महासिंह टेकाम जब अपने घर में था तभी पारिवारिक विवाद के चलते महासिंह तेकाम ने आवेश में आकर अपनी पत्नी सुखबती को लाठी से मारपीट कर दिया था। जिससे उसकी घर में ही मौत हो गई थी। घटना के दौरान उसका एक बेटा तिलक टेकाम ही था। इस घटना की रिपोर्ट बैसाखी बाई मरकाम ने बैहर पुलिस थाना में की थी। बैहर पुलिस ने ग्राम गोंगाटोला पहुंचकर मृतिका सुखबती का शव उसके घर से बरामद किए थे। इस मामले में सुखबती की हत्या करने के आप में उसके पति महासिंह टेकाम के विरुद्ध धारा 302 भादवि के तहत अपराध दर्ज किया गया और इस अपराध में महासिंह टेकाम को गिरफ्तार किया गया था। जांच विवेचना अनुसंधान उपरांत बैहर पुलिस ने अपने यहा की विद्वान अदालत में अभियोग पत्र पेश किये है। हाल ही में यह मामला अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की विद्वान अदालत में चला। जहा अभियोजन पक्ष आरोपी महासिंह। टेकाम के विरुद्ध पत्नी की हत्या करने के आरोप में धारा 302 भादवि के तहत अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। जिसके परिणाम स्वरूप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए महासिंह टेकाम को पत्नी सुखबती की हत्या करने के आरोप में दोषी पाते हुए उसे आजीवन कारावास और एक हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये। यह आरोपी बैहर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से अब तक जेल में ही रहा है।

मृतिका सुखबती के दोनों अवश्यक बच्चों को

4लाख रुपये प्रतिकर दिल जाने हेतु अनुरोध

सुखवंती बाई के दो अवयस्क बच्चे तुलसी टेकाम एवं बालिका गीता टेकाम है। जिनके पिता महा सिंह टेकाम है। महा सिंह टेकाम को हत्या के अपराध में दोषी ठहराया जा चुका है। मृतिका सुखबती परिवार के भरण पोषण और बच्चों के पालन पोषण करने वाली एकमात्र महिला थी। जिसकी मृत्यु हो चुकी है। विद्वान अदालत ने दोनों अवयस्क बच्चों को उचित पुनर्वास हेतु पीड़ित प्रतिकर योजना के अंतर्गत 4 लाख रुपये प्रतिकर दिलाए जाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अनुरोध किये हैं।

सांसद श्रीमती पारधी का दौरा कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 31 अगस्त को प्रातः 10 बजे अपने निवास पर आमजनों से भेंट करेंगी और प्रातः 11 बजे वार्ड नंबर-17 में अनीस मेमन के घर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्?द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का श्रवण करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी दोपहर 12-30 बजे गोंदिया रोड स्थति सिंधु भवन में अखिल भारतीय मिड-डे मिल कर्मचारी महासंघ के कार्यक्रम में शामिल होंगी और दोपहर 03 बजे समन्वय बैठक में शामिल होंगी तथा शाम 05 बजे बालाघाट से मलाजखंड के लिए प्रस्थान करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी शाम 06-30 बजे मलाजखंड में सिद्धि विनायक सेवा समिति द्वारा बस स्टेंड में आयोजित गणेश जी की आरती कार्यक्रम में शामिल होंगी और रात्री 07-30 बजे मलाजखंड से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट